@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

शनिवार, 26 जुलाई 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 256 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पीएम मोदी ने तोड़ा रिकॉर्ड: सबसे लंबे कार्यकाल वाले देश के दूसरे प्रधानमंत्री, नेताओं ने कहा 'ये गर्व का पल'

एजेंसी
पटना/नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यकाल के 4,078 दिन पूरे करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 4,077 दिनों के लगातार प्रधानमंत्री पद के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। इसके साथ ही, वह भारत के इतिहास में लगातार सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले दूसरे नेता बन गए हैं। पीएम मोदी की इस उपलब्धि पर बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा, मंत्री मदन सहनी, नीरज सिंह बबलू और अशोक चौधरी ने बधाई दी। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंने इतिहास रच दिया है और सारे रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। उनके नेतृत्व में राष्ट्र गौरवान्वित हुआ है। भारत माता के सपूत गौरवान्वित हैं। आज दुनिया भर में हर भारतीय का सम्मान हो रहा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में तेजी से भारत का विकास हो रहा है। हर व्यक्ति के मन में विश्वास है कि विकास हो रहा है और सुरक्षित है। भाजपा प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा, यह देश के लिए बहुत गर्व की बात है कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दूसरे सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्री बन गए हैं... देश और दुनिया भर के लोग उनकी प्रशंसा करते हैं। आज, पंडित नेहरू के बाद, वह सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्री हैं, और यह हम सभी के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है। भाजपा सांसद दामोदर

अग्रवाल ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अद्वितीय प्रतिभा के धनी हैं और अथक समर्पण और पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ देश की सेवा करते हैं। यही कारण है कि एनडीए ने उनके नेतृत्व में लगातार तीसरी बार स्पष्ट बहुमत हासिल किया... वह न केवल भारत के प्रधानमंत्री हैं, बल्कि दुनिया के सबसे लोकप्रिय और प्रभावशाली नेता भी हैं। बिहार सरकार के मंत्री मदन सहनी ने कहा कि पीएम मोदी कई और वर्षों तक सेवा करते रहेंगे। वह एक असाधारण प्रधानमंत्री हैं जो देश को आगे बढ़ा रहे हैं और भारत का वैश्विक कद बढ़ा रहे हैं। उन्होंने आतंक फैलाने की कोशिश कर रहे पड़ोसी देशों को कड़ा जवाब दिया है; ऐसा करने वाले वह पहले प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने देश का विकास किया है और देश की जनता उनसे खुश है। मंत्री अशोक चौधरी ने पीएम मोदी का आभार जताते हुए कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देता हूं और उनका आभार व्यक्त करता हूं। मैं उनकी लंबी उम्र की प्रार्थना करता हूं और आशा करता हूं कि वह भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के अपने सपने को साकार करने की दिशा में काम करते रहेंगे। मंत्री नीरज सिंह ने बबलू कहा, पीएम मोदी सबसे बेहतर पीएम हैं। दुनिया भर में हमारे देश के पीएम ही सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं। हमें गर्व है कि वह हमारे पीएम हैं।

बिहार के बाद अब देशभर में होगा वोटर वेरिफिकेशन: चुनाव आयोग

एजेंसी
नई दिल्ली । बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने वोटर वेरिफिकेशन को लेकर आदेश जारी किया है। ईसीआई के मुताबिक, देशभर में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) शुरू किया जाएगा। निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर 24 जून का आदेश जारी किया है, जिसके बारे में जानकारी दी गई है। ईसीआई ने 24 जून के आदेश में कहा, चुनाव आयोग ने मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू करने का फैसला लिया है। यह कदम संविधान के अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (आरपीए 1950) के तहत लिया गया है, जिसमें संसद और राज्य विधानसभाओं के चुनावों और मतदाता सूची की तैयारी की देखरेख की जिम्मेदारी आयोग को दी गई है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए मतदाता सूची की सटीकता जरूरी है। जन प्रतिनिधि अधिनियम 1950 और 1960 के मतदाता पंजीकरण नियमों (आरईआर, 1960) के तहत मतदाता सूची बनाने की प्रक्रिया और योग्यता तय की जाती है। इसमें आगे बताया गया, आयोग ने पहले भी 1952-56, 1957, 1961, 1965, 1966, 1983-84, 1987-89, 1992, 1993, 1995, 2002, 2003 और 2004 में देश के कुछ हिस्सों में मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण किया था। बिहार में आखिरी बड़ा पुनरीक्षण 2003 में 1 जनवरी 2003 को आधार तारीख के साथ हुआ था। इस पुनरीक्षण का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि सभी पात्र नागरिक मतदाता सूची में शामिल हों और किसी को बाहर न रखा जाए। संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, 18 साल या उससे ज्यादा उम्र के भारतीय नागरिक, जो किसी कानून से अयोग्य न हों, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के हकदार हैं। आयोग ने पिछले 20 सालों में मतदाता सूची में बड़े बदलाव, शहरीकरण, और लोगों के एक जगह से दूसरी जगह पलायन को देखते हुए इस कदम को जरूरी माना है। आयोग ने कहा कि लोग शिक्षा, रोजगार और अन्य कारणों से एक जगह से दूसरी जगह जाते हैं और नई जगह पर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराते हैं, लेकिन पुरानी जगह से नाम नहीं हटाते। इससे मतदाता सूची में दोहरे नाम की समस्या बढ़ रही है। इसलिए, मतदाता सूची की शुद्धता के लिए गहन सत्यापन अभियान की जरूरत है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए भारतीय नागरिक होना जरूरी है। चुनाव आयोग को यह सुनिश्चित करना है कि केवल भारतीय नागरिक ही सूची में शामिल हों।

पीएम मोदी का कार्यकाल स्वर्णिम युग, आज भारत का मान-सम्मान बढ़ा : अनिल विज

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल को 'गोल्डन पीरियड' बताया और कहा कि हिंदुस्तान आज एक स्वर्णिम युग से गुजर रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आज पूरे विश्व में जितनी हिंदुस्तान की साख और मान-सम्मान है, आज से पहले किसी प्रधानमंत्री के कार्यकाल में ऐसा नहीं रहा। विज ने यह बात मीडिया कर्मियों द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 4,078 दिन प्रधानमंत्री के रूप में पूरे होने पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कही। उल्लेखनीय है कि इस अवधि के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को पीछे छोड़ते हुए लगातार दूसरे सबसे लंबे कार्यकाल के प्रधानमंत्री बने हुए हैं।

विज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने के प्रधानमंत्री के विजन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद जो देश हमारे बाद आजाद हुए, वे आज विकसित देश बन गए हैं और वहां के लोगों को सभी मूलभूत सुविधाएं मिल रही हैं। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को विकसित देश बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है और उस दिशा में कार्य भी आरंभ हो गया है।

वर्तमान समय स्वर्णिम युग है: मंत्री विज ने वर्तमान समय को स्वर्णिम युग बताते हुए कहा कि इसी दिशा में जम्मू एवं कश्मीर से अनुच्छेद 370 को खत्म कर दिया गया, जोकि भारत के माथे पर एक कलंक था। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान में हिंदू अपना मंदिर नहीं बना सकते थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो गया। वहीं, मुस्लिम महिलाओं के लिए मुसीबत बने तीन तलाक को खत्म किया गया और मुस्लिम महिलाओं को इस कानून से मुक्त कराया गया। इन उपलब्धियों के आधार पर उन्होंने आज के समय को स्वर्णिम युग बताया।

इंदिरा गांधी का कार्यकाल दुर्भाग्यपूर्ण : विज ने विपक्षी पार्टी कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का कार्यकाल सबसे दुर्भाग्यपूर्ण रहा है, क्योंकि उनके कार्यकाल में संविधान पर कलंक लगा। उन्होंने आरोप लगाया कि इंदिरा गांधी ने अपने कार्यकाल में संविधान को पैरों तले रौंद दिया था, लगभग डेढ़ लाख लोगों को जेल में डाल दिया था, बोलने के अधिकार पर प्रतिबंध लगा दिया था, मौलिक अधिकार खत्म कर दिए थे और अखबारों पर सेंसरशिप लगा दी गई थी।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के मोदी जी के जन्म से ओबीसी न होने संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए विज ने कहा कि विपक्षी पार्टियां देश को जातियों में बांटना चाहती हैं, जबकि भाजपा सभी को साथ लेकर चलती है और कभी भी धर्म की राजनीति नहीं करती है। उप-राष्ट्रपति के जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को लेकर विपक्ष द्वारा लगातार की जा रही राजनीति पर पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने कहा कि श्री धनखड़ जी ने अपने स्वास्थ्य का हवाला देते हुए अपने विवेक से इस्तीफा दिया है और विपक्ष को इस पर विश्वास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर बात को लेकर मीन-मेक निकालना ठीक बात नहीं है।

तीज महोत्सव बना परंपरा, नारी सशक्तिकरण और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 25 जुलाई। दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित तीन दिवसीय तीज महोत्सव 2025 का शुभारंभ आज दिल्ली हाट, पीतमपुरा में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और कला, संस्कृति, भाषा व पर्यटन मंत्री श्री कपिल मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। यह महोत्सव 25 से 27 जुलाई तक चलेगा और राजधानी की सांस्कृतिक पहचान, महिला भागीदारी और लोक परंपराओं का उत्सव बनकर उभरा है। सीएम ने कहा कि महिला मोर्चा की मेरी बहनों और मेरी सांसद बहनों ने इस कार्यक्रम में आकर, पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित इस आयोजन में चार चांद लगा दिए। इस बार हमने तीज के कार्यक्रम को यादगार बनाने की मंशा से इसे भव्य रूप देने की योजना बनाई। कपिल मिश्रा जी ने कहा कि जिस भव्यता के साथ इस कार्यक्रम को मनाने का विचार है, उसी भव्यता के साथ यह आयोजन संपन्न होगा। आज यहां आकर मैंने अपनी बहनों का जोश देखा और कार्यक्रम की तैयारियाँ देखीं तो यह स्पष्ट हुआ कि यह आयोजन बिल्कुल वैसा ही है जैसा हमने कल्पना की थी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को भव्यता के साथ मनाने के लिए भगवान भी साथ दे रहे हैं — आज बारिश नहीं हुई है। यहां रंग-बिरंगे स्टॉल लगे हैं, चाट-पकौड़ी और सुंदर संगीत का पूरा इंतज़ाम है। सभी लोग भरपूर आनंद लें। सीएम ने महिलाओं से आग्रह किया कि वे तीनों दिन इस कार्यक्रम का आनंद लें। उन्होंने कहा, जब खुशी का मौका होता है तो मेरी बहनों को न सर्दी लगती है, न गर्मी। वे पूरी ऊर्जा से कार्यक्रम में रंग भर देती हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने उद्घाटन संबोधन में कहा कि तीज केवल पारंपरिक पर्व नहीं, बल्कि महिला गरिमा, सामुदायिक सहभागिता और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने दिल्ली की महिलाओं से आग्रह किया कि वे इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लें और इसे एक सांस्कृतिक आंदोलन का रूप दें। इस अवसर पर मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि तीज महोत्सव को केवल सांस्कृतिक नहीं, बल्कि रचनात्मकता, उद्यमिता और सामूहिक गौरव का उत्सव बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह आयोजन पूर्णतः निःशुल्क रखा गया है ताकि हर वर्ग की महिला इसमें भाग ले सके। मंत्री ने कहा कि दिल्ली

अब केवल प्रशासनिक राजधानी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक राजधानी बनने की दिशा में अग्रसर है, और ऐसे महोत्सव इसकी मिसाल हैं। महोत्सव के दौरान 100 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें से 80 स्टॉल पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों को समर्पित हैं, जबकि 25 स्टॉल विभिन्न राज्यों के पारंपरिक व्यंजनों की विविधता को प्रस्तुत कर रहे हैं। महिला उद्यमियों द्वारा संचालित स्टॉल्स पर विशेष छूट भी दी जा रही है, जिससे महिला स्वावलंबन को प्रोत्साहन मिले। तीज के पारंपरिक रंगों को आधुनिक स्वरूप देने हेतु इस महोत्सव में मेहंदी प्रतियोगिता, बिंदी सजावट, रंगोली, सेल्फी पॉइंट्स, पारंपरिक झूले, तथा बच्चों के लिए किड्स ज़ोन जैसी विशेष गतिविधियाँ शामिल की गई हैं। किड्स ज़ोन में स्टोरी टेलिंग, मैजिक शो, और रचनात्मक खेलों का आयोजन किया जा रहा है ताकि पूरा परिवार महोत्सव का आनंद ले सके। इस आयोजन की तैयारियों के लिए मंत्री श्री कपिल मिश्रा द्वारा दिल्ली सचिवालय में विभिन्न बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें बीजेपी महिला मोर्चा, महिला संगठनों, चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (ष्ट्ञ्जढ्ढ) और सामाजिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी रही।

शेष पृष्ठ 3 पर

राहुल गांधी ने दिल्ली के जेलर वाला बाग और वजीरपुर इलाकों का दौरा किया, डिमोलिशन प्रभावित परिवारों से मिले

एजेंसी
नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली के अशोक विहार स्थित जेलर वाला बाग और वजीरपुर इलाकों का दौरा किया है। यह वही इलाके हैं, जहां कुछ दिनों पहले दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने डिमोलिशन अभियान चलाया था। इस अभियान के तहत बुलडोजर से सैकड़ों झुग्गियों को तोड़ा गया था। राहुल गांधी ने डिमोलिशन के दौरान प्रभावित हुए जेलर वाला बाग और वजीरपुर में झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। राहुल गांधी ने इन लोगों से यह जानने की कोशिश की कि कितने एकड़ में झुग्गियों को तोड़ा गया। स्थानीय लोगों ने उन्हें बताया कि करीब 500 मीटर के एरिया में कार्रवाई की गई थी। कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'नेता विपक्ष राहुल गांधी ने अशोक विहार स्थित जेलरवाला बाग और वजीरपुर का दौरा किया, जहां डीडीए ने 500 से ज्यादा झुग्गी-झोपड़ियां

तोड़ दी थीं। राहुल गांधी ने यहां प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी शिकायतें सुनीं और उनका दर्द बांटा।' इसी बीच, आम आदमी पार्टी ने दावा किया कि आने वाले दिनों में शालीमार बाग और शाहदरा इलाके में बुलडोजर चलाने की तैयारी है। शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री और आप नेता आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'पिछले 6 महीने से दिल्ली में गरीबों के घर पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। 'जहां झुग्गी है, वहां मैदान बना देंगे' यही भाजपा की सच्चाई है।'आतिशी ने कहा कि पिछले 6 महीने में वजीरपुर, मद्रासी कैंप, जेलरवाला बाग, गोकुलपुर और मादीपुर समेत कई इलाकों में बुलडोजर चलाए गए। उन्होंने आरोप लगाए कि दो और इलाकों में बुलडोजर चलाने की तैयारी हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 'सीएम रेखा गुप्ता के विधानसभा क्षेत्र शालीमार बाग के इंदिरा कैंप में 15 दिन के भीतर झुग्गी पर बुलडोजर चलाने का नोटिस लगाया गया है। रेखा गुप्ता कहती हैं कि एक भी झुग्गी को तोड़ा नहीं जाएगा, लेकिन एक झुग्गी पर बुलडोजर चल चुका है और दूसरी झुग्गी पर चलने वाला है।÷ आतिशी ने दावा किया कि शाहदरा में लाल बाग की झुग्गियों पर भी बुलडोजर चलाने की नोटिस लगा है।

राबड़ी देवी का बड़ा आरोप : तेजस्वी को 4 बार मारने की कोशिश हुई, हम जानते हैं कौन कर रहा है

एजेंसी
पटना। बिहार की राजनीति में उस वक्त हलचल मच गई जब आरजेडी की वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने तेजस्वी यादव पर जानलेवा हमले की साजिश का सनसनीखेज आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि तेजस्वी यादव की हत्या की कोशिश अब तक चार बार हो चुकी है और उन्हें पता है कि इसके पीछे कौन लोग हैं। राबड़ी देवी ने साफ कहा कि बीजेपी और जेडीयू मिलकर तेजस्वी पर हमला करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रक के जरिए तेजस्वी को मारने की साजिश रची गई, और अब तक चार बार ऐसे प्रयास हो चुके हैं। राबड़ी ने चेतावनी भरे लहजे में कहा– हम चुप नहीं बैठेंगे, हमें मालूम है ये कौन करवा रहा है। राबड़ी देवी बिहार सरकार की एसआईआर नीति को लेकर भी हमलावर रहीं। उन्होंने कहा कि ये नीति उन चार करोड़ बिहारी प्रवासियों के साथ अन्याय है जो

रोज़गार की तलाश में राज्य से बाहर गए हैं। उन्होंने कहा, ये सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, ये बिहार की मेहनतकश आत्माएं हैं, जिनका अपमान हो रहा है। एसआईआर लागू कर सरकार बिहारी जनता को बांटने की साजिश कर रही है। हम पांच दिनों से विधानसभा में इसका विरोध कर रहे हैं और करते रहेंगे। राबड़ी देवी ने राज्य सरकार से तत्काल जवाब देने की मांग की और कहा कि बिहार की जनता यह सब देख रही है। इस बयान के बाद साफ हो गया है कि आने वाले दिनों में बिहार की सियासत और अधिक तूफ़ानी मोड़ लेने वाली है। जहां एक ओर तेजस्वी यादव की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं, वहीं एसआईआर नीति पर आरजेडी और विपक्ष का आक्रोश भी चरम पर है।

विजेंद्र गुप्ता ने उपराज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 25 जुलाई। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कल दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर गुप्ता ने उपराज्यपाल को दिल्ली विधानसभा को राष्ट्रीय महत्व की धरोहर तथा एक जीवंत सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना के बारे में बताया । उपराज्यपाल ने इस पहल को पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया और संबंधित सभी विभागों से सक्रिय सहयोग सुनिश्चित कराने का आश्वासन दिया। इस दिशा में शीघ्र एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई जाएगी। साथ ही, माननीय उपराज्यपाल जल्द ही विधानसभा परिसर का दौरा करेंगे ताकि इस विषय पर विस्तार से चर्चा की जा सके। इस भेंट के दौरान, गुप्ता ने उपराज्यपाल को विधानसभा की ऐतिहासिक धरोहर को संजोने और उजागर करने की विभिन्न पहलों की जानकारी दी, विशेष रूप से भारत के स्वतंत्रता पूर्व और विधायी विकास में इसकी केंद्रीय भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने विधानसभा परिसर में एक समर्पित स्थल की स्थापना के बारे में भी बताया जहाँ अभिलेखीय दस्तावेज़, और

डिजिटल प्रदर्शनियों के माध्यम से जनसामान्य को जानकारी दी जा सके और शिक्षा संबंधी दृष्टिकोण से भी उपयोगी बनाया जा सके। गुप्ता ने कहा, दिल्ली विधानसभा हमारे लोकतांत्रिक सफर का गौरवपूर्ण प्रतीक है। इसकी विरासत को संरक्षित कर देशवासियों तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है। इसके अतिरिक्त, गुप्ता ने उपराज्यपाल को विधान सभा परिसर के परिदृश्य सौंदर्यीकरण (लैंडस्केपिंग) परियोजना के बारे में बताया, जिसका उद्देश्य विधानसभा को एक दर्शनीय और पर्यावरण-संवेदनशील स्थल में रूपांतरित करना है। यह पहल सौंदर्यात्मक आकर्षण को पर्यावरणीय जागरूकता से जोड़ने का प्रयास है, जो दिल्ली में हरित सार्वजनिक स्थलों के लिए एक नया मानक स्थापित करेगी। इस परियोजना का उद्देश्य नागरिकों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाना, संरक्षण को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें एक हरित शहर के संरक्षक के रूप में प्रेरित करना है। उपराज्यपाल ने इस दृष्टिकोण में गहरी रुचि दिखाई है। यह बैठक दिल्ली विधानसभा को लोकतांत्रिक धरोहर के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उपराज्यपाल के पूर्ण समर्थन और साझा दृष्टिकोण के साथ यह पहल आगामी हफ्तों में महत्वपूर्ण प्रगति की ओर अग्रसर होगी।

महाराष्ट्र में भारी बारिश से कई नदियां उफान पर, जनजीवन अस्त व्यस्त

एजेंसी
मुंबई। मुंबई सहित महाराष्ट्र के कई जिलों में पिछले दो दिनों से हो रही भारी बारिश से कई जिलों में नदियां उफान पर हैं। इससे इन जिलों में जनजीवन बहुत ज्यादा प्रभावित हुआ है और लोगों को कई तरह की दिक्कतें उठानी पड़ रही है। मौसम विभाग ने मुंबई के लिए शुक्रवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और दिन भर भारी बारिश की संभावना जताई है। रायगढ़ और गोंदिया जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। जिससे इन जिलों में भारी बारिश की संभावना है। भारी बारिश को देखते हुए प्रशासन सतर्क है और नागरिकों को आवश्यक काम होने पर ही घर से निकलने की अपील की है। मुंबई के कांदिवली, बोरीवली, मलाड, अंधेरी, जुईनगर, बेलापुर और वाशी इलाकों में आज तड़के से तेज बारिश हो रही है। जिससे मुंबई के निचले इलाकों में जलभराव हो गया है और सुबह काम पर जाने वाले श्रमिकों को परेशान होना पड़ा है, लेकिन मुंबई में परिवहन व्यवस्था और लोकल ट्रेन सेवाएँ फिलहाल सुचारू रूप से चल रही हैं। साथ ही कल्याण से बदलापुर इलाके में कल रात से लगातार बारिश हो रही है। अगर बारिश की तीव्रता इसी तरह जारी रही तो पूरे इलाके में सड़कों पर जलभराव होने की संभावना है। मुंबई नगर निगम द्वारा घोषित ज्वार-भाटा कार्यक्रम के अनुसार 24 से 27 जुलाई के बीच समुद्र में उच्च ज्वार आएगा। आज दोपहर 12.40 बजे समुद्र में 4.66 मीटर ऊँची लहरें उठने की संभावना है। 26 जुलाई को सबसे ऊँची लहर 4.67 मीटर ऊँची पहुँचने की संभावना है।

आने वाले दिनों में भारत और मालदीव के रिश्ते नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे: पीएम मोदी

नई दिल्ली/माले । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मालदीव की राजकीय यात्रा पर राजधानी माले पहुंच गए हैं। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया है कि आने वाले समय में भारत-मालदीव के रिश्ते नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की ओर से भव्य स्वागत पर पीएम मोदी ने खुशी जताई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'मैं माले पहुंच गया हूं। मुझे बहुत खुशी है कि राष्ट्रपति मुइज्जू मेरा स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट पर आए। मुझे विश्वास है कि आने वाले दिनों में भारत और मालदीव के रिश्ते नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे। इससे पहले, विदेश मंत्रालय ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट किया, जिसमें लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मालदीव के माले पहुंचे, जहां उनका औपचारिक स्वागत किया गया। एक विशेष सम्मान के रूप में राष्ट्रपति मुइज्जू और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों ने एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। प्रधानमंत्री की मालदीव की यह तीसरी यात्रा है। प्रधानमंत्री मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में 'मुख्य अतिथि' के रूप में भाग लेंगे।'

भारतीय प्रधानमंत्री की यह यात्रा अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ और मालदीव तथा भारत के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है। राष्ट्रपति मुइज्जू के कार्यकाल के दौरान किसी भी राष्ट्राध्यक्ष या सरकार के प्रमुख की यह पहली यात्रा भी है। दोनों नेता अक्टूबर 2024 में मालदीव के राष्ट्रपति की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान अपनाए गए 'व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी' के लिए भारत-मालदीव संयुक्त दृष्टिकोण के कार्यान्वयन में प्रगति का भी जायजा लेंगे। पीएम मोदी और राष्ट्रपति मुइज्जू के बीच चर्चा में बुनियादी ढांचे के विकास, रक्षा सहयोग और आर्थिक संपर्क जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद है, जिससे दोनों देशों के बीच बहुआयामी साझेदारी मजबूत होगी। भारत और मालदीव के बीच लंबे समय से जातीय, भाषाई, सांस्कृतिक, धार्मिक और वाणिज्यिक संबंध रहे हैं। भारत 1965 में मालदीव की स्वतंत्रता को मान्यता देने और राजनयिक संबंध स्थापित करने वाले पहले देशों में से एक था। वर्षों से यह संबंध घनिष्ठ, सौहार्दपूर्ण और राजनीतिक विवाद से मुक्त रहे हैं। मालदीव में 1988 के तख्तापलट के प्रयास के दौरान भारत की त्वरित सैन्य सहायता ने स्थायी विश्वास का निर्माण किया। इसके बाद भारतीय सैनिकों की त्वरित वापसी ने मालदीव की संप्रभुता को सुनिश्चित करने में मदद की, जिससे भारत की एक विश्वसनीय सहयोगी के रूप में छवि मजबूत हुई।

संक्षिप्त समाचार

ओहायो के लोरेन में फायरिंग, तीन पुलिसकर्मी घायल; एक व्यक्ति की मौत

लोरेन, एजेंसी। अमेरिका के ओहायो राज्य के लोरेन शहर में बुधवार दोपहर एक औद्योगिक इलाके में हुई फायरिंग में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए और एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह जानकारी लोरेन के मेयर जैक ब्रैडली ने दी। ब्रैडली ने बताया कि दो पुलिसकर्मियों की हालत गंभीर है और उन्हें एयर एंबुलेंस से ट्रॉमा सेंटर भेजा गया है, जबकि तीसरे घायल पुलिसकर्मी का इलाज लोरेन के मर्सी अस्पताल में किया जा रहा है। मेयर ने कहा कि मृत व्यक्ति के बारे में अभी जानकारी नहीं मिल पाई है और उन्हें नहीं पता कि घटना कैसे घटी। पड़ोसी शहर एलिरिया की पुलिस और लोरेन काउंटी के अभियोजक टोनी सिल्लो इस मामले की जांच कर रहे हैं।

ईरान में बिजली बचाने के लिए सरकारी छुट्टी

तेहरान, एजेंसी। ईरान में बुधवार को बहुत ज्यादा गर्मी और बिजली की खपत कम करने के लिए कुछ इलाकों में सरकारी आदेश पर छुट्टी घोषित की गई। देश के कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है, जिससे बिजली की मांग बढ़ गई और ग्रिड पर दबाव पड़ा। तेहरान समेत आठ प्रांतों में सरकारी दफ्तर और बैंक बंद रहे। लेकिन निजी दुकानदारों ने फिर भी काम जारी रखा। सरकारी कर्मचारियों के लिए यह अवकाश बिजली बचाने के लिए था। इस फैसले से राजधानी शहर में दो अलग-अलग हालात बन गए। एक तरफ सरकारी दफ्तर और बैंक पूरी तरह बंद थे और दूसरी तरफ निजी दुकानें और शॉपिंग सेंटर चल रहे थे, जहां एयर कंडीशनर चलते रहे। कई लोगों के लिए यह अचानक आई छुट्टी एक राहत की तरह रही। ईरान में गुरुवार को सप्ताहांत होता है, इसलिए लोग राजधानी से बाहर, खासकर ठंडी जगहों की ओर निकल पड़े।

अमेरिका में प्रजनन दर अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंची, मां बनने में महिलाओं की रुचि कम हुई

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में भी लोग अब बच्चे पैदा करने से कतरा रहे हैं और इसी का नतीजा है कि अमेरिका में प्रजनन दर साल 2024 में सबसे न्यूनतम रही। अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में हर महिला 1.6 बच्चों से भी कम बच्चे पैदा कर रही है। एक समय अमेरिका में औसतन प्रजनन दर प्रति महिला 2.1 बच्चे था, लेकिन बीते दो दशकों से अमेरिका में प्रजनन दर में भारी कमी आई है और अब वहां की महिलाएं या तो बच्चे पैदा करने में लंबा समय ले रही हैं या फिर बच्चे पैदा ही नहीं कर रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप को दी राहत, उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा आयोग से तीन सदस्यों को हटाने की दी मंजूरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ी राहत देते हुए उनके एक फैसले को मंजूरी दे दी है। दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप ने उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा आयोग के तीन डेमोक्रेटिक सदस्यों को आयोग से हटा दिया था। हालांकि एक संघीय जज ने ट्रंप के फैसले को गलत बताते हुए उनके आदेश पर रोक लगा दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के पक्ष में फैसला दिया है और तीन सदस्यों को हटाने की मंजूरी दे दी। न्याय विभाग ने संघीय जज के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की। न्याय विभाग ने दावा किया कि आयोग, राष्ट्रपति ट्रंप के नियंत्रण में है और राष्ट्रपति बिना किसी कारण के आयोग के सदस्यों को हटा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी सरकार के तर्क को माना और ट्रंप प्रशासन के पक्ष में फैसला दिया। उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा आयोग, उपभोक्ताओं को खतरनाक उत्पादों से बचाने और गलत उत्पादों को बाजार से वापस मंगाने, गलत प्रैक्टिस करने वाली कंपनियों के खिलाफ मुकदमा दायर करने जैसे कई काम करता है। इस आयोग में पांच सदस्य होते हैं।

बांग्लादेशः पूर्व सीजीआई खैरुल हक ढाका में गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। गुरुवार सुबह बांग्लादेश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एबीएम खैरुल हक को उनके धनमंडी स्थित घर से गिरफ्तार कर लिया गया। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की जासूसी शाखा (डीबी) ने ये गिरफ्तारी की है। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार %ढाका ट्रिब्यून% के मुताबिक डीबी के संयुक्त आयुक्त मोहम्मद नसीरुल इस्लाम के अनुसार एबीएम खैरुल हक के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। पूछताछ के लिए उन्हें मिंटो रोड स्थित डीबी मुख्यालय ले जाया गया। फिलहाल गिरफ्तारी के बारे में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है। खैरुल हक ने 2010 में पदभार ग्रहण करते हुए देश के 19वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। अनिवार्य सेवानिवृत्ति आयु 67 वर्ष होने पर एबीएम खैरुल हक पिछले वर्ष सेवानिवृत्त हो गए। हक को साल 2013 में तीन साल के कार्यकाल के लिए लॉ कमीशन का चेयरमैन नियुक्त किया गया था। इसके बाद उन्हें कई बार इस पद पर पुनः नियुक्त किया गया। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष अप्रैल के अंत में, बीएनपी समर्थक वकीलों के एक मंच, बांग्लादेश जातीयताबादी ऐनजीबी फोरम (बीजेएएफ) ने पूर्व एबीएम खैरुल हक की गिरफ्तारी और मुकदमे की मांग की थी। बीएसएस न्यूज एजेंसी के अनुसार, उन पर देश की न्यायपालिका और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने में अहम भूमिका निभाने का आरोप है।

युद्ध की कगार पर थाइलैंड और कंबोडिया, एफ-16 विमानों से एयरस्ट्राइक, राजनयिक वापस बुलाए

बैंकॉक, एजेंसी। थाइलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद ने गुरुवार को खतरनाक मोड़ ले लिया। दोनों सेनाओं की ओर से गोलीबारी के बाद, थाइलैंड ने कंबोडिया के सैन्य ठिकानों पर एफ-16 लड़ाकू जेट विमानों से हमला किया है। थाई सेना के अनुसार, यह कार्रवाई सीमा पर बढ़ते तनाव और हाल के हमलों के जवाब में की गई, जिसमें कम से कम दो थाई नागरिकों की मौत हुई और कई घायल हुए। थाई सेना के उप-प्रवक्ता कर्नल रिचा सुक्सुवनन ने पत्रकारों को बताया, ÷हमने सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए, जैसा कि योजना थी।÷ थाइलैंड ने सीमा पर छह एफ-16 जेट तैनात किए हैं, जिनमें से एक ने कंबोडिया में सैन्य ठिकाने को नष्ट कर दिया। दूसरी ओर, कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने फेसबुक पर दावा किया कि थाइलैंड ने उनकी सेना के ठिकानों पर हमला किया, जिसमें ओड्डार मीनचे और प्रीह विहार प्रांतों के मंदिर क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा, ÷कंबोडिया हमेशा शांतिपूर्ण समाधान की पक्षधर रही है, लेकिन इस सशस्त्र आक्रमण के खिलाफ हमें बल प्रयोग करना पड़ रहा है। थाइलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद लंबे समय से सुर्खियों में है, जिसने दोनों देशों के बीच तनाव को चरम पर पहुंचा दिया है। यह विवाद गुरुवार, 24 जुलाई को थाइलैंड के सुरिन प्रांत और कंबोडिया के ओड्डार मीनचे प्रांत की सीमा पर स्थित प्राचीन प्रसात ता मुएन थॉम मंदिर के पास हुई गोलीबारी के साथ और गहरा गया। इस झड़प ने न केवल सैन्य तनाव को बढ़ाया, बल्कि दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों को भी गंभीर रूप से प्रभावित किया है, जिसके परिणामस्वरूप दोनों देशों ने अपने-अपने राजनयिकों को वापस बुला लिया है।

विवाद का ऐतिहासिक पहलू समझिए : थाइलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद दशकों पुराना है, जिसकी जड़ें औपनिवेशिक काल में फ्रांस द्वारा खींची गई सीमा रेखाओं में निहित हैं। 1863 से 1953 तक कंबोडिया फ्रांसीसी शासन के अधीन था, और 1907 में फ्रांस ने एक नक्शा जारी किया जिसमें प्रेह विहेयर मंदिर और आसपास के क्षेत्र को कंबोडिया में दिखाया गया। थाइलैंड ने इस नक्शे को मानने से इनकार कर दिया, क्योंकि उनका दावा है कि प्रेह विहेयर मंदिर और कुछ अन्य क्षेत्र, जैसे प्रसात ता मुएन थॉम, उनकी सीमा के भीतर आते हैं। यह विवाद 2008 में और तीखा हो गया जब प्रेह विहेयर मंदिर को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया, जिसे थाइलैंड ने अपनी संप्रभुता पर हमला माना। प्रसात ता मुएन थॉम थाइलैंड के सुरिन प्रांत में स्थित है, लेकिन इस पर कंबोडिया दावा करता है। यह जगह लंबे समय से दोनों देशों के बीच तनाव का केंद्र रही है। यह क्षेत्र सामरिक और सांस्कृतिक दोनों दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, और दोनों देश इसे अपने क्षेत्र का हिस्सा मानते हैं। 24 जुलाई को सुबह प्रसात ता मुएन थॉम मंदिर के पास दोनों देशों की सेनाओं के बीच गोलीबारी शुरू हुई। थाई सेना के अनुसार, कंबोडियाई सैनिकों ने एक निगरानी ड्रोन तैनात किया और छह सशस्त्र सैनिक थाई सैन्य चौकी के पास पहुंचे, जिसके बाद गोलीबारी शुरू हुई। ताजा घटनाक्रम के बाद थाईलैंड ने कंबोडियाई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले शुरू किए हैं। इन हमलों के बाद दोनों देशों में भीषण युद्ध की आशंका और गहरा गई है। थाइलैंड ने दावा किया कि कंबोडियाई सेना ने पहले हमला किया। वहीं, कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा कि थाई सैनिकों ने बिना उकसावे के उनके क्षेत्र में घुसपैठ की और गोलीबारी शुरू की। इस झड़प में कम से कम दो सैनिक घायल हुए, और थाइलैंड की ओर से जारी एक लाइवस्ट्रीम वीडियो में स्थानीय लोग अपने घरों से भागकर कंक्रीट के बंकरों में छिपते दिखे। गोलीबारी के दौरान धमाकों की आवाजें भी सुनाई दीं। इस घटना से पहले, बुधवार को उबोन रत्चाथानी प्रांत में एक बारूदी सुरंग विस्फोट में एक थाई सैनिक का पैर उड़ गया, और चार अन्य सैनिक घायल हो गए। थाइलैंड ने दावा किया कि ये सुरंगें हाल ही में कंबोडिया द्वारा बिछाई गई थीं, और ये रूस निर्मित थीं, जो थाई सेना के पास नहीं हैं। कंबोडिया ने इस आरोप का खंडन किया और कहा कि विस्फोट उनके प्रियह वियार प्रांत में हुआ।

समंदर में किनारे नहीं लगने दिया इजरायली जहाज, 1600 यात्री थे सवार, मजबूरी में बदला रूट

येरूशलम, एजेंसी। इजरायल के खिलाफ दुनिया भर में फिलिस्तीन समर्थक ऐक्टिव हैं। पिछले दिनों अमेरिका के कई विश्वविद्यालयों से लेकर सड़कों तक पर इजरायल के लोगों का विरोध हुआ था। यही नहीं इजरायली दूतावास के दो कर्मचारियों की वॉशिंगटन में गोली मारकर हत्या कर दी थी। अब ग्रीस में इजरायल के एक जहाज को समंदर के किनारे पर रुकने नहीं दिया गया। इसके चलते जहाज को मजबूरन वापस लौटना पड़ा। जहाज में 1600 यात्री सवार थे। ये प्रदर्शनकारी नारेबाजी कर रहे थे और नो-एंट्री टू इजरायल चिल्ला रहे थे। इस विरोध प्रदर्शन के चलते जहाज को वापस लौटना पड़ा और फिर साइप्रस के रास्ते आया। क्राउन इरिस नाम का क्रूज शिप 6 घंटे की यात्रा करके पहुंचा था, लेकिन उसे रुकने ही नहीं दिया गया। जहाज को ग्रीस के सायरोस में रुकना था और कुछ यात्रियों को उतरना था। फिर विरोध ऐसा हुआ कि जहाज को वापस ले जाया गया और वह साइप्रस के रास्ते अपनी मंजिल पर पहुंचा। इस जहाज को लिमासोल जाना था, जो साइप्रस का ही दूसरा सबसे बड़ा शहर है। चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक जिस जहाज को रुकने ही नहीं दिया गया, उसमें करीब 400 बच्चे भी सवार थे। जहाज में सवार लोगों और क्रू मेंबर का कहना था कि बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी बैठे थे। ऐसे में विरोध प्रदर्शन हिंसक होने से उनकी जान को खतरा हो सकता था। उन्हें बचाने के लिए ही जहाज को वहां से आगे बढ़ा लिया गया। जहाज में सवार लोगों को सुरक्षा के नजरिए से अंदर ही बने रहने को कहा गया। उनसे खिड़कियां और दरवाजे बंद करने को कहा गया।

कोलंबिया विश्वविद्यालय की ट्रंप प्रशासन से डील, संघीय फंडिंग के बदले सरकार को मिलेंगे 22 करोड़ डॉलर

वॉशिंगटन, एजेंसी। कोलंबिया विश्वविद्यालय ने बुधवार को बताया कि उनकी ट्रंप प्रशासन के साथ एक समझौते पर सहमति बन गई है। इस समझौते के तहत विश्वविद्यालय प्रशासन संघीय सरकार को 22 करोड़ डॉलर से ज्यादा का भुगतान करेगा और इसके बदले में संघीय सरकार, विश्वविद्यालय की संघीय रिसर्च फंडिंग को बहाल करेगी। ट्रंप सरकार ने बीते साल विश्वविद्यालय परिसर में बड़े पैमाने पर हुए यहूदी विरोधी विरोध प्रदर्शनों से नाराज होकर संघीय फंडिंग रोकने का एलान किया था। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि समझौते के तहत कोलंबिया यूनिवर्सिटी प्रशासन तीन साल में सरकार को 20 करोड़ डॉलर का भुगतान करेगी। व्हाइट हाउस ने बताया कि साथ ही दो करोड़ डॉलर से ज्यादा की राशि विश्वविद्यालय परिसर के भीतर यहूदी कर्मचारियों के नागरिक अधिकारों के उल्लंघन के लिए दिए जाएंगे। इस्राइल पर 7 अक्तूबर 2023 को हुए हमले के बाद इस्राइल और हमास के बीच युद्ध छिड़ गया, जिसमें हजारों लोग मारे जा चुके हैं। इस्राइल के गाजा पर हमलों के खिलाफ अमेरिका के कई विश्वविद्यालयों में इस्राइल और यहूदी विरोधी प्रदर्शन हुए। ट्रंप प्रशासन द्वारा फंडिंग रोकने के बाद विश्वविद्यालय को सरकार से मिलने वाले अरबों डॉलर पर अनिश्चितता के बादल मंडरा गए थे।

पत्नी पर अपमानजनक दावे से भड़के फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों, अमेरिकी पॉडकास्टर पर मानहानि का केस

पेरिस, एजेंसी। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और उनकी पत्नी ब्रिजिट मैक्रों पिछले कुछ समय से लगातार सुर्खियों में रहे हैं। पिछले दिनों एक अमेरिकी पॉडकास्टर ने दावा किया था कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति की पत्नी पहले पुरुष हुआ करती थीं। उस अपमानजनक दावे पर मैक्रों ने अब अदालत का रुख किया है। इमैनुएल मैक्रों और उनकी पत्नी ब्रिगिट ने बुधवार को उसी अमेरिकी पॉडकास्टर कैंडेस ओवेन्स के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। सोशल मीडिया एक्स और यूट्यूब पर कैंडेस ओवेन्स के लाखों फॉलोअर्स हैं। मैक्रों ने डेलावेयर सुपीरियर कोर्ट में कैंडेस ओवेन्स के खिलाफ 218 पन्नों की शिकायत दर्ज कराई है और उनसे हर्जाने की मांग की है। अपने वकील द्वारा जारी एक बयान में मैक्रों ने कहा कि उन्होंने यह मुकदमा तब दायर किया, जब ओवेन्स ने ÷बीकमिंग ब्रिगिट÷ नामक आठ-भाग वाली यूट्यूब और पॉडकास्ट श्रृंखला में दिए गए झूठे और मानहानिकारक बयानों को वापस लेने के अनुरोधों को बार-बार नजरअंदाज कर दिया।

हमने उन्हें पीछे हटने का हर मौका दिया : उन्होंने कहा, ÷ओवेन्स ने यह मानहानिकारक अभियान हमें और हमारे परिवार को परेशान करने, पीड़ा पहुँचाने, मानहानि करने, लोगों का ध्यान खींचने, पैसे कमाने और हमें बदनाम करने के लिए चलाया था। इसके बावजूद हमने उन्हें इन दावों से पीछे हटने का हर मौका दिया, लेकिन उन्होंने हर बार इनकार कर दिया।÷ अब सारे रास्ते बंद हो चुके हैं। उन्होंने कहा, ÷हमें पूरी उम्मीद है कि यह मुकदमा सारी बातें साफ कर देगा और मानहानि के इस अभियान को हमेशा के लिए खत्म कर देगा।÷

परिवार को बदनाम करने की कोशिश : इस मुकदमे में ओवेन्स पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने अपने लोकप्रिय पॉडकास्ट का इस्तेमाल मैक्रों और उनके परिवार के बारे में झूठे दावे करने और उस परिवार को बदनाम करने के लिए किया है। इसमें यह भी कहा गया है कि ओवेन्स ने ब्रिगिट मैक्रों पर अपमानजनक टिप्पणी की और दावे किए कि वह एक पुरुष के रूप में पैदा हुई थीं और वे आपस में रक्त संबंधी हैं। सर्वोच्च अदालत में भी अपील बता दें कि 72 वर्षीय ब्रिगिट मैक्रों ने भी अपने पुरुष के रूप में पैदा होने के दावों के खिलाफ फ्रांस की अदालतों का रुख किया है। इसी तरह के एक अन्य मामले में पिछले साल सितंबर में फ्रांस की निचली अदालत ने दो महिलाओं (अमंडाइन रॉय और नताशा रे) को दोषी ठहराया था। दिसंबर 2021 में एक यूट्यूब वीडियो पोस्ट करके इन महिलाओं पर झूठे दावे फैलाने का आरोप लगाया गया था।

नेतन्याहू की हत्या की साजिश रचने वाली 70 वर्षीय महिला गिरफ्तार, आईडी ब्लास्ट के जरिये हमले की थी तैयारी

तेल अवीव, एजेंसी। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की हत्या की साजिश करने के शक में इस्राइल की सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने बुधवार को एक 70 साल की बुजुर्ग महिला को गिरफ्तार किया है। इस्राइली न्यूज कान पब्लिक ब्रॉडकास्टर की रिपोर्ट के मुताबिक महिला पर आरोप है कि वह आईडी ब्लास्ट के जरिए नेतन्याहू पर हमला करने की साजिश रच रही थी। गुरुवार को महिला के खिलाफ अपराध की साजिश रचने और आतंकी कार्रवाई करने की साजिश के आरोप में चार्जशीट दाखिल की जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, महिला को दो हफ्ते पहले भी गिरफ्तार किया गया था, लेकिन उसे कुछ शर्तों के साथ रिहा कर दिया गया था। इन शर्तों में उसे सभी सरकारी संस्थानों में प्रवेस करने और प्रधानमंत्री के करीब जाने से प्रतिबंधित किया गया था। पुलिस के मुताबिक, यह महिला जानी-मानी सरकार विरोधी प्रदर्शनकारी है। उसने अन्य प्रदर्शनकारियों से हथियार हासिल करने और प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी लेने की कोशिश की थी। अदालत ने महिला की पहचान को गोपनीय रखने कहा था, लेकिन जांचकर्ताओं की अपील पर बुधवार को गोपनीयता का आदेश हटा लिया गया। हालांकि जांच पूरी होने के बाद भी पुलिस ने महिला की पहचान को उजागर नहीं किया है। पुलिस ने कहा कि स्टेट अटॉर्नी ऑफिस और सरकारी वकील को आगे की कार्रवाई और चार्जशीट के लिए जरूरी दस्तावेज सौंप दिए गए हैं।

पिछले साल भी हमला हुआ था : यह पहली बार नहीं है जब इस्राइली पीएम पर हमला हुआ है। पिछले साल अक्तूबर पर नेतन्याहू के सीजेरिया स्थित घर पर फिर से हमला हुआ था। नेतन्याहू के घर की तरफ 2 फ्लेयर्स (आग के गोले) दागे गए, जो घर के आंगन में गिरे थे। हमले के वक्त नेतन्याहू और उनका परिवार परिवार घर पर नहीं थे। इससे पहले भी नेतन्याहू के घर पर हिजबुल्ला ने हमला किया था। तब एक ड्रोन नेतन्याहू के घर के पास एक इमारत पर गिरा था। उस समय भी नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा घर पर नहीं थे।

ईरान पर हो रहा शक : दोनों देशों के बीच हुआ हालिया युद्ध के बाद ईरान से नेतन्याहू की हत्या के आह्वान की आवाजें उठी हैं। ऐसे में इस महिला को लोग ईरान से जोड़कर भी देख रहे हैं कि ईरान भी अपना खुफिया जाल इस्राइल में बना रहा है।

ओबामा ने 2016 के चुनावों में किया अमेरिकी खुफिया जानकारी का गलत इस्तेमाल, गबार्ड ने जारी किए दस्तावेज

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने बुधवार को नए दस्तावेज जारी कर ओबामा पर 2016 चुनावमें अमेरिकी खुफिया जानकारी का गलत तरीके से इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। गबार्ड ने कहा कि ओबामा ने इस झूठ को बढ़ावा दिया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और रूसी सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 2016 का चुनाव जीतने में मदद की थी। सोशल मीडिया पोस्ट में गबार्ड ने कहा, अमेरिकी इतिहास में खुफिया जानकारी के सबसे भयावह हथियारीकरण और राजनीतिकरण के नए सबूत सामने आए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर मैंने हाउस इंटेलिजेंस कमेटी की निगरानी रिपोर्ट को सार्वजनिक कर दिया है, जो इस बात का खुलासा करती है कि कैसे ओबामा प्रशासन ने जनवरी 2017 के इंटेलिजेंस कम्युनिटी असेसमेंट को गढ़ा, जिसके बारे में उन्हें पता था कि वह गलत है। उन्होंने इस झूठ को बढ़ावा दिया कि व्लादिमीर पुतिन और रूसी सरकार ने राष्ट्रपति ट्रंप को 2016 का चुनाव जीतने में मदद की थी। ऐसा करके, उन्होंने अमेरिकी जनता की इच्छा को कुचलने की साजिश रची, मीडिया में अपने सहयोगियों के साथ मिलकर इस झूठ को बढ़ावा दिया, ताकि राष्ट्रपति ट्रंप की वैधता को कमजोर किया जा सके।

ओबामा पर लगाए हैं धोखाधड़ी का आरोप : उन्होंने पूर्व डीएनआई जेम्स क्लैपर, सीआईए निदेशक जॉन ब्रेनन और एफबीआई निदेशक जेम्स कॉमी पर झूठी खुफिया रिपोर्ट तैयार कराने का आरोप लगाया। गबार्ड ने इसे 'देशद्रोही साजिश' करार दिया और कहा कि यह सब ट्रंप को कमजोर करने और एक लंबे समय तक चली साजिश की नींव थी। गबार्ड ने दावा किया कि ओबामा प्रशासन ने मीडिया में झूठी खबरें फैलाने के लिए जानबूझकर गोपनीय सूचनाएं लीक कीं। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन पोस्ट जैसी प्रमुख मीडिया संस्थाओं में यह खबर फैलाई गई कि रूस ने ट्रंप की जीत में साइबर हमला कर दखल दिया। गबार्ड के अनुसार, 6 जनवरी 2017 को जारी की गई नई खुफिया रिपोर्ट भी एक फर्जी दस्तावेज पर आधारित थी जिसे पहले ही अविश्वसनीय माना जा चुका था। इस तरह ओबामा ने ट्रंप के खिलाफ वर्षों तक असफल तख्तापलट का प्रयास किया। दूसरी तरफ, गबार्ड के इस बयान के खिलाफ ओबामा के कार्यालय के प्रवक्ता पैट्रिक रोडेनबुश ने कहा, यह आरोप हास्यास्पद हैं।

यूक्रेन में जेलेंस्की के खिलाफ विरोध प्रदर्शनःनया कानून लाए, भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसियों की आजादी खत्म की

कीव, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध के 3 साल बाद पहली बार यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई शहरों में राष्ट्रपति जेलेंस्की के खिलाफ आम जनता और सैनिक सड़कों पर उतर आए। यूक्रेन की संसद ने हाल ही में एक कानून पास किया है, जिसके तहत 2 प्रमुख भ्रष्टाचार विरोधी संस्थाओं, नेशनल एंटी-करप्शन ब्यूरो ऑफ यूक्रेन (एनएबीयू) और स्पेशलाइज्ड एंटी-करप्शन प्रोसिक्यूटर ऑफिस (एसएपीओ) पर निगरानी बढ़ाई जाएगी।

आलोचकों का कहना है कि यह कानून इन संस्थाओं की आजादी छीन लेगा और राष्ट्रपति जेलेंस्की के नियुक्त किए गए अटॉर्नी जनरल को जांच का नियंत्रण देगा। इस फैसले से पारदर्शिता, लोकतंत्र और युद्ध के मूल उद्देश्यों को आघात पहुंचा है।

कई घायल सैनिकों ने इसे मोर्चे पर लड़ रहे जवानों के साथ विश्वासघात बताया। इस कदम की यूरोपीय संघ और जी-7 देशों ने भी आलोचना की है, जिससे यूक्रेन की ईयू सदस्यता की संभावनाएं प्रभावित हो सकती हैं। यूक्रेन के लिए भ्रष्टाचार से लड़ना अहम है, क्योंकि यह यूरोपीय संघ में शामिल होने और पश्चिमी देशों से मिल रही अरबों डॉलर की मदद को बनाए रखने के लिए जरूरी है। इस कानून के पास होने से यूक्रेन में लोगों में गुस्सा है। कई लोगों का कहना है कि रूस के ड्रोन और मिसाइल हमलों से ज्यादा यह कानून नैतिक रूप से बड़ा झटका है।

जेलेंस्की ने कहा- भ्रष्टाचार पर लगाम कसने के लिए जरूरी कानून को लेकर राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि करोड़ों डॉलर की भ्रष्टाचार जांचें लंबित थीं और एजेंसियों की जवाबदेही तय करना जरूरी हो गया था। देश में भ्रष्टाचार पर लगाम कसने के लिए यह जरुरी है। यूक्रेन सरकार ने कहा है कि युद्ध के दौरान यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी था। सरकार का कहना है है कि इन एजेंसियों में रूसी खुफिया एजेंसियों की घुसपैठ हो चुकी थी, इसलिए उन्हें अटॉर्नी जनरल के अधीन लाना जरूरी हो गया। विपक्ष- एजेंसियों पर काबू चाहते हैं जेलेंस्की यूक्रेनी विपक्ष ने फैसले पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उनका आरोप है कि यह कानून लोकतंत्र को कमजोर करने और पूरी सत्ता को जेलेंस्की के कब्जे में लाने की कोशिश है। उनका कहना है कि पहले ही रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते 3 साल से जेलेंस्की चुनाव नहीं करा रहे रहे हैं। पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ने आरोप लगाया कि जेलेंस्की युद्ध का बहाना बनाकर चुनाव नहीं करा रहे और सत्ता में बने रहने की कोशिश कर रहे हैं। दोनों संस्थाओं ने बयान जारी किया नए कानून को लेकर दोनों संस्थाओं ने एक संयुक्त बयान में कहा, अगर यह कानून लागू हुआ, तो एसएपीओ का प्रमुख सिर्फ नाम का रह जाएगा, और एनएबीयू अपनी आजादी खोकर प्रॉसिक्यूटर जनरल के ऑफिस का हिस्सा बन जाएगा। यूरोपीय संघ की विस्तार आयुक्त मार्टा कोस ने इस कानून पर चिंता जताई। उन्होंने एक्स पर लिखा, यह कदम यूक्रेन को पीछे ले जाएगा है। एनएबीयू और एसएपीओ जैसी स्वतंत्र संस्थाएं यूक्रेन के ईयू में शामिल होने के रास्ते के लिए बहुत जरूरी हैं। कानून का शासन ईयू में शामिल होने की शर्तों के केंद्र में है।

प्रदेश के सभी स्कूल भवनों का सुरक्षा ऑडिट किया जाए: मुख्यमंत्री

कौमी पत्रिका

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में उच्च स्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रदेश के सभी स्कूल भवनों का सुरक्षा ऑडिट किया जाए। जर्जर एवं असुरक्षित स्कूल भवनों में बच्चों को किसी भी स्थिति में न बैठाया जाए। बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जहां भी स्कूल भवन मरम्मत योग्य हो, वहां शीघ्र मरम्मत कराया जाए और जहां पुनर्निर्माण की आवश्यकता हो, वहां उसकी कार्य योजना बनाकर तत्परता से क्रियान्वयन किया जाए। प्रदेश के सभी पुलों का भी सुरक्षा ऑडिट करने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिये हैं। उन्होंने कहा कि जिन पुलों की स्थिति खराब हो रही है, उनका आवश्यकतानुसार मरम्मत और पुनर्निर्माण का कार्य प्राथमिकता पर किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि पुलों की स्थिति पर नियमित निगरानी रखी जाए और कहीं भी जर्जर पुलों के कारण कोई जनहानि न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्रियुगीनारायण और राज्य के अन्य स्थल जो वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किये जा रहे हैं, उनकी कार्यवाही में तेजी लाई जाय। यह राज्य के पर्यटन और स्थानीय रोजगार को ब?ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन स्थलों के विकास में गुणवत्ता, सुविधा और सांस्कृतिक गरिमा का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही, अन्य राज्यों की वेडिंग पॉलिसी का अध्ययन भी किया जाए ताकि उत्तराखंड में एक प्रभावी और आकर्षक वेडिंग डेस्टिनेशन नीति विकसित की जा सके। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि राज्य में दो स्पिरिचुअल इकोनॉमिक जोन विकसित किये जाने की दिशा में तेजी से कार्य किये जाएं। उन्होंने कहा कि यह पहल राज्य में धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पर्यटन को सुदृढ़ करने के साथ-साथ आर्थिक गतिविधियों को भी सशक्त करेगी। संबंधित विभागों को इस दिशा में आपसी समन्वय के साथ ठोस कार्य योजना बनाकर कार्य करने के उन्होंने निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में उच्च शिक्षा में निवेश के लिए बना अनुकूल वातावरण

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 25 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज प्रदेश को एक और ऐतिहासिक उपलब्धि देने जा रहे हैं। वे उन्नाव जनपद में भारत के पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ऑगमेंटेड मल्टीडिसिप्लिनरी विश्वविद्यालय चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के उत्तर प्रदेश परिसर का उद्घाटन करेंगे। यह विश्वविद्यालय लखनऊ-कानपुर राजमार्ग पर स्थापित किया गया है और तकनीकी, रोजगारोन्मुखी तथा वैश्विक स्तर की शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीते छह वर्षों में ऐसा सकारात्मक और विश्वासपूर्ण वातावरण बना है जिससे देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थान अब उत्तर प्रदेश में निवेश कर रहे हैं। चंडीगढ़ विश्वविद्यालय का आगमन इसी का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि चंडीगढ़ विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत की शीर्ष पांच यूनिवर्सिटी में शामिल है। यहां पर सभी कोर्सेज एआई आधारित टेक्नोलॉजी की मदद से संचालित किए जाएंगे, जिससे छात्र भविष्य की वैश्विक आवश्यकताओं के अनुसार दक्ष बनेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की नीति सभी छात्रों को सरल, सहज, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की है। अब तक प्रदेश में लगभग 20 निजी विश्वविद्यालय स्थापित हो चुके हैं, जबकि 8 सरकारी विश्वविद्यालय भी बनकर तैयार हो चुके हैं। सरकार द्वारा सभी विश्वविद्यालयों को यह निर्देश दिए गए हैं कि वे ऐसे पाठ्यक्रम तैयार करें जो रोजगारोन्मुखी, तकनीकी और अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा को बढ़ावा दें। एआई आधारित शिक्षा से छात्रों की नवाचार क्षमता बढ़ेगी और स्टार्टअप संस्कृति को भी प्रोत्साहन मिलेगा। इस नई शुरुआत से उत्तर प्रदेश की छवि अब केवल पारंपरिक शिक्षा के केंद्र के रूप में नहीं, बल्कि तकनीक-सम्मत, भविष्य उन्मुख और वैश्विक शिक्षा केंद्र के रूप में उभर रही है। चंडीगढ़ विश्वविद्यालय का यह नया परिसर प्रदेश को राष्ट्रीय एजुकेशन हब की ओर ले जाने वाला निर्णायक कदम माना जा रहा है।

साक्षी ने कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी में किया ओवर ऑल टॉप

यमुनानगर। डीएवी गर्ल्स कालेज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की छात्रा साक्षी ने कुरुक्षेत्र विश्विद्यालय की मेरिट सूची में ओवर ऑल टॉप किया है। साक्षी की इस उपलब्धि पर कार्यवाहक प्रिंसिपल डा. सुदिंदर कौर ने छात्रा व विभाग अध्यक्ष परमेश कुमार त्यागी को बधाई दी। साथ ही कहा कि यह गर्व की बात है कि साक्षी ने कुवि की मेरिट सूची में टॉप कर प्रदेशभर में कॉलेज का नाम रोशन किया है। वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में उसे सम्मानित किया जाएगा। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष परमेश कुमार त्यागी ने बताया कि कुवि की ओर से बीए-मॉस कम्यूनिकेशन अंतिम वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है। अंतिम वर्ष की छात्रा साक्षी ने 76.6 प्रतिशत अंक (3000 में से 2299 अंक) अंक अर्जित कर कुवि की मेरिट सूची में ओवर ऑल टॉप किया है। जो कि सभी के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी साक्षी पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी अग्रणीय रही है। वह राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बहुत सारी ट्रॉफी हासिल कर चुकी है। साक्षी का कहना है कि वह एंकरिंग के क्षेत्र में करियर बनाना चाहती है। 12वी की परीक्षा नॉन मेडिकल से पास करने के बावजूद उसने कम्यूनिकेशन स्किल्स को बेहतर व कॉंफिडेंस को मजबूत करने के लिहाज से उसने बीए मास कम्यूनिकेशन कोर्स का चयन किया था।

हरियाणा सरकार ने एसएएस कैडर के अधिकारियों को दिए निर्देश

चंडीगढ, 24 जुलाई। हरियाणा सरकार ने विभिन्न विभागों में वित्तीय अनुशासन को ब?ाने और दक्षता में सुधार लाने के उद्देश्य से, प्रशासकीय विभागों में तैनात राज्य लेखा सेवा (एसएएस) संवर्ग के अधिकारियों के लिए व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, जिनके पास वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का कार्यभार भी है, ने इस बारे में सभी प्रशासकीय सचिवों को एक पत्र जारी किया है। पत्र में कहा गया है कि विभिन्न प्रशासनिक विभागों में कार्यरत अनुभाग अधिकारी, लेखा अधिकारी, वरिष्ठ लेखा अधिकारी और मुख्य लेखा अधिकारी जैसे एसएएस कैडर के अधिकारियों द्वारा कई वित्तीय प्रस्ताव बिना समुचित प्रारंभिक जांच के वित्त विभाग की अनुमति हेतु भेजे जा रहे हैं। इससे विभागीय सचिवालय पर अतिरिक्त बोझ प? रहा है और प्रस्तावों के निपटान में विलंब हो रहा है। इसलिए विभिन्न प्रशासनिक विभागों में कार्यरत एसएएस कैडर के अधिकारियों की यह जिम्मेदारी होगी कि वे वित्तीय निहितार्थों वाले सभी प्रस्तावों को वित्त विभाग के पास भेजने से पहले प्रारंभिक स्तर पर पूरी गंभीरता और सावधानी के साथ उनकी जांच सुनिश्चित करें। उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि ऐसे सभी प्रस्ताव वित्त विभाग की नीतियों, परिपत्रों, बजटीय प्रावधानों और वित्तीय शक्तियों के अनुरूप हों। सम्बन्धित अधिकारी अनुशंसा, आपत्तियों या अवलोकन के साथ अंतिम जांच की स्पष्ट टिप्पणी दर्ज करेंगे और यह भी सुनिश्चित करेंगे कि सभी आवश्यक दस्तावेज, चेकलिस्ट और अनुमोदन प्रस्ताव के साथ संलग्न हों। वे प्रशासनिक विभागों को किसी भी प्रक्रियागत या वित्तीय खामी की पूर्व सूचना देंगे ताकि प्रस्ताव को अंतिम रूप देने से पहले उसमें आवश्यक सुधार किया जा सके। विभागों में तैनात वित्त विभाग के अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक प्रस्ताव की वित्तीय जांच निर्धारित प्रमुख मापदंडों के आधार पर की जाए। इसके अंतर्गत संबंधित मद के अंतर्गत बजट की उपलब्धता की पुष्टि तथा आवश्यकता होने पर पुनः विनियोजन (री-एप्रोप्रियेशन) का सुझाव शामिल है। प्रस्तावों की जांच इस दृष्टि से भी की जाएगी कि वे वित्त विभाग के सभी निर्देशों, विशेष रूप से मितव्ययिता, व्यय नियंत्रण तथा खरीद संबंधी परिपत्रों के अनुरूप हों। सम्बन्धित अधिकारी यह भी परखेंगे कि प्रस्ताव सौंपी गई वित्तीय शक्तियों के अंदर है या उच्च स्तरीय अनुमोदन की आवश्यकता है। प्रत्येक प्रस्ताव के पीछे वित्तीय औचित्य का स्पष्ट मूल्यांकन किया जाएगा, जिसमें यदि कोई विकल्प तलाशा गया हो तो उसका भी उल्लेख किया जाएगा। आवर्ती और अनावर्ती व्यय की पहचान कर दीर्घकालिक वित्तीय प्रभावों का आकलन किया जाएगा। खरीद प्रक्रियाओं का पालन हरियाणा सेवा नियमावली (एचएसआर मैनुअल), सामान्य वित्तीय नियम (जीएफआर) अथवा विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुसार सुनिश्चित किया जाएगा। स्टाफ संबंधी प्रस्ताव जैसे पद सृजन, वेतन संशोधन, सलाहकारों की नियुक्ति या जनशक्ति नियोजन से संबंधित प्रस्ताव को वित्त विभाग के मानदंडों के अनुरूप जांचा जाएगा। समयबद्ध योजनाओं और परियोजनाओं में अनुमोदित लागत, वित्तीय प्रवाह और समय-सीमा की पुष्टि की जाएगी। साथ ही, किसी भी प्रकार के अमान्य व्यय मद की पहचान कर उसे रेखांकित किया जाएगा। इसके अलावा, यदि कोई प्रस्ताव किसी नई योजना से संबंधित हो, तो वित्त विभाग के अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि समान उद्देश्य की कोई अन्य योजना पहले से न चल रही हो। ऐसे प्रस्तावों में योजना का संक्षिप्त पृष्ठभूमि विवरण तथा स्कीम का छह-स्तरीय प्रारूप (मेजर हेड, सब-मेजर हेड, माइनर हेड, सब हेड, डिटेल्ड हेड और ऑब्जेक्ट हेड) अनिवार्य रूप से शामिल होना चाहिए। साथ ही, वित्त विभाग की सहमति हेतु भेजे जाने वाले प्रत्येक प्रस्ताव के साथ संबंधित विभाग में तैनात वित्त विभाग के अधिकारी का एक प्रमाण-पत्र संलग्न किया जाना चाहिए। इसमें यह स्पष्ट रूप से उल्लेख हो कि प्रस्ताव को वित्त विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जांचा गया है, बजटीय प्रावधान उपलब्ध है, सभी मानकों का पालन किया गया है तथा यह प्रस्ताव सहमति हेतु अनुशंसित है या नहीं। प्रशासनिक विभागों में कार्यरत वित्त विभाग के अधिकारी प्रस्तावों की वित्तीय जांच की शुद्धता के लिए उत्तरदायी होंगे और वे वित्तीय औचित्य के संरक्षक के रूप में कार्य करेंगे। वित्त विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि इन अधिकारियों को वित्तीय जांच की शुद्धता और पारदर्शिता के लिए सीधे उत्तरदायी माना जाएगा, और यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाई जाती है तो उसके विरुद्ध प्रशासनिक कार्रवाई की जा सकती है। सभी प्रशासनिक सचिवों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने विभागों में तैनात एसएएस अधिकारियों को इन दिशा-निर्देशों का क?ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दें।

सेक्टर 42 में पौधे लगा कर पर्यावरण और क्षेत्र को हरा भरा करने की पौधारोपण अभियान की शुरुआत

चंडीगढ। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, सेक्टर 42 में एक विशाल पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह पहल न केवल प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी को दर्शाती है, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा और स्वस्थ वातावरण बनाने की दिशा में एक मजबूत संदेश भी देती है। आज शनिवार को सेक्टर 42 में आयोजित इस कार्यक्रम में 300 विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए। जिसकी देखरेख की जिम्मेदारी भी वार्ड निवासियों ने ली। यह कार्यक्रम ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण जैसी वैश्विक चुनौतियों से लड़ने में स्थानीय प्रयासों के महत्व को रेखांकित करता है। इस पौधारोपण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चंडीग? नगर निगम के सीनियर डिप्टी मेयर और वार्ड पार्षद जसबीर सिंह बंटी थे। यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज की बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है। इस अवसर पर के 200 पौधे किनैर के 25 फिक्सैस के पौधे एवं बाकि आंवला व मिरिंगा के भी पौधे लगाए गए। पेड़ ही जीवन का आधार– पौधारोपण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जसबीर सिंह बंटी ने कहा कि जब तक पृथ्वी पर पेड़ों का अस्तित्व है, तब तक ही मानव सभ्यता का अस्तित्व है। उन्होंने पेड़ों की सुरक्षा को हमारा परम दायित्व बताते हुए, पेड़ों को हमारे जीवन का अभिन्न अंग बताया। उनके ये शब्द पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हैं और हमें पेड़ों के महत्व को समझने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा पेड़-पौधे लगाने से पर्यावरण में सुधार के साथ-साथ वर्षा भी अधिक होती है। उन्होंने यह भी कहा कि पौधे लगाकर ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण को आसानी से कम किया जा सकता है। इस मौके पर सनातन धर्म मंदिर के चेयरमैन श्री जे सी बत्रा, आर डब्ल्यू ए के प्रधान राजकुमार शर्मा, पवन सिंगला, आरती भाटिया आनंद भाटिया, ए के डोगरा, अनंत देवधार, ज्योति बबली शर्मा,बलजिंदर शर्मा और जे ई हरि मोहन भी मौजूद रहे।

बरसात के मौसम में खान-पान का ध्यानपूर्वक उपयोग करें

फगवाड़ा। बरसात के मौसम में खान-पान का ध्यानपूर्वक उपयोग करके हम कई बीमारियों से आसानी से बच सकते हैं, यह बात सिविल अस्पताल फगवाड़ा में तैनात बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. नरेश कुंद्रा ने कही। उन्होंने कहा कि इस मौसम में छोटे बच्चों में उल्टी-दस्त होने का डर रहता है, जिससे उनके शरीर में पानी की कमी हो जाती है और बच्चे की मौत भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि दस्त का सही इलाज ओआरएस और जिंक की गोलियां हैं और ज़रूरत पड़ने पर बच्चे को ये गोलियां दी जा सकती हैं, जिससे बच्चे के शरीर में पानी की कमी नहीं होती और ताकत बनी रहती है। इसलिए दस्त होने पर बच्चे को हर दस्त के बाद थोड़ी-थोड़ी मात्रा में ओआरएस घोल बनाकर देना चाहिए, साथ ही 14 दिनों तक जिंक की गोलियां भी देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन घरों में छोटे बच्चे हों, वहाँ ओआरएस के पैकेट होने चाहिए जो सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों से मुफ़्त में उपलब्ध हों। जिंक की खुराक के बारे में उन्होंने बताया कि 2 से 6 महीने के बच्चे को 20 मिलीग्राम की आधी गोली और छह महीने से बड़े बच्चे को 14 दिनों तक रोज़ाना एक गोली देनी चाहिए। जिंक की गोलियां देने से बच्चा जल्दी ठीक होता है और यह जिंक की गोली बच्चे को तीन महीने तक डायरिया और निमोनिया जैसी बीमारियों से भी बचाती है। उन्होंने बताया कि बरसात के मौसम में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए, खाने-पीने की चीजों को ढककर रखना चाहिए और अच्छी तरह उबालने के बाद ही इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने बताया कि बरसात के मौसम में ज्यादा पके या ज्यादा कच्चे और बिना छिलके वाले फल खाने से बचना चाहिए और पानी उबालकर पीना चाहिए, साफ खाना खाना चाहिए, शौच के बाद और खाने से पहले हाथों को अच्छी तरह धोना चाहिए।

तीज महोत्सव बना परंपरा, नारी सशक्तिकरण और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक

प्रथम पृष्ठ का शेष

इन बैठकों में तीज महोत्सव को अधिक समावेशी, सुलभ और आकर्षक बनाने हेतु कई रचनात्मक सुझाव लिए गए। मंत्री कपिल मिश्रा ने अंत में कहा कि यह तीज महोत्सव दिल्ली की महिलाओं, उनकी सांस्कृतिक चेतना और सामूहिक ऊर्जा को समर्पित है। यह आयोजन न केवल परंपरा को सहेजने का प्रयास है, बल्कि दिल्ली को एक सांस्कृतिक राजधानी के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी एक ठोस कदम है।

शिवसेना की दोहरी सत्ता व्यवस्था व उपराज्यपाल शासनकाल पर पूर्ण विराम की मांग

जम्मू: 6 अगस्त को खत्म होने जा रहे उपराज्यपाल के कार्यकाल के साथ पद को समाप्त कर ड्यूल पावर सिस्टम पर पूर्ण विराम, सेवानिवृत्त सेना व पुलिस अधिकारी की राज्यपाल पद पर नियुक्ति व धारा 371 के तहत विशेषाधिकार के साथ राज्य दर्जा बहाली हो , यह कहना है शिवसेना(यूबीटी) जम्मू-कश्मीर ईकाई प्रमुख मनीश साहनी का। पार्टी प्रदेश मध्यवर्ती कार्यालय में आयोजित आज एक पत्रकार वार्ता में प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने कहा कि अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से धारा 370 के निरस्तीकरण के साथ केन्द्र शासित प्रदेश बनाने का प्रयोग पूरी तरह से असफल साबित हुआ हैं। इस दौर को भूपुत्रो के अधिकारों का हनन व स्थानीय सांस्कृति पहचान को मिटाने की साजिशों का तौर पर देखा जाएगा । वहीं आंतकवाद , टारगेट किलिंग, नशा तस्करी, अपराध , महिला तस्करी जैसी नापाक व अवैध गतिविधियों बदस्तूर जारी है। देश का मुकुट कहे जाने वाले जम्मू-कश्मीर में आंतकवाद के साथ नशे के करोबार भी चर्म पर है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (ह्ष्टक्रक्च) के आंकड़ों के अनुसार, 2018 से 2022 के बीच जम्मू-कश्मीर में 1.12 लाख किलोग्राम से ज्यादा नशीली दवाएं जब्त की गईं हैं। वहीं पुलिस विभाग के केन्द्रीय गृहमंत्रालय के अधीन होने व उपराज्यपाल के अधिकार क्षेत्र में बढ़ौतरी के बाद जवाबदेही का दौर लगभग समाप्त हो चुका है। कश्मीरी पंडित के पुनर्वास का सपना भी अधूरा है । निर्वाचित सरकार के गठन के 11 महीने बीतने के बावजूद जम्मू-कश्मीर से राज्यसभा की चार सीटें खाली पड़ी है। वहीं बड़गाम , नगरोटा की विधानसभा सीटों पर उपचुनावों की घोषणा नहीं की जा रही। साहनी ने केंद्र की मोदी सरकार से राजनेता को नहीं बल्कि सेवानिवृत्त किसी वरिष्ठ सेना व पुलिस अधिकारी (आंतकवाद से लडने का अनुभव वाले) की राज्यपाल पद पर नियुक्ति व धारा 371 के तहत विशेषाधिकार के साथ राज्य दर्जा बहाली की मांग की है।

NAME CHANGE
I, Mohd jafar S/o Md Nafil, Plot No. Z-29 KH No.15 Z-Block New Roshan Pura Najafgarh New Delhi 110043 Have Changed My Name Moha To Mohammad Jafar to Mohd jafar for All Future Purposes

NAME CHANGE
It is for general information that I, RAM SINGH BISHT S/O S S BISHT R/O 3478 E-2/81, MOLAR BAND EXTENSION, BADARPUR, JAIT PUR, SOUTH DELHI, DELHI-110044, declare that name of mine and my father has been wrongly written as RAM SINGH and SHYAM SINGH in my 10th class educational documents. The actual name of mine and my father are RAM SINGH BISHT and S S BISHT, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
This is to inform public at large that my client Sarita W/o Late Sh. Ramesh Kumar resident of H. No. 75, Pandit Jot Ram Chowk, Bharthal, New Delhi-110077 has Disclaimed, Debarred, Disinherited and Disowned their son namely Mr. Deepak Kumar S/o Late Sh. Ramesh Kumar and his wife Tritika D/o Sh. Govind Singh with immediate effect from all her movable and immovable properties due to their disrespectful behavior and being out of control and have severed all her relations with them. If anybody deals with them in any manner he/she shall do at his/her own risks and consequences. My client will not be held liable or responsible for the same in any manner.
MANOJ BHARDWAJ Advocate
Office at: 101, Vardhman Crown Mall, Sec-19, Dwarka, Near DCP Office, New Delhi-110075.

COURT NOTICE
PROCLAIMATION REQUIRED ATTENDENCE OF DEFENDANTS
(Order 5 Rule 20 of the Code of Civil Procedure)
IN THE COURT OF MS. CHARU GUPTA JUDGE/MACT S/E SAKET NEW DLEHI
SUIT NO. 209/20
SHAHID ALI..Petitioner/s
TARIKAT ALL...Respondent/s
To
1. TARIKAT ALL
ADDRESS S/O-RIASAT ALI R/O JAMIDARAN MUSAMAN GARHMUKTESAR DISTT HAPUR.245205.UP. (DRIVER CENTER NO.UP37 AT 3178)
2. FIRASAT
ADDRESS-R/O.11/24 MOUSAMKHANI KITHORE MEERUT (OWNER CENTER NO.UP37 AT 3178)
Whereas (Petitioner) SHAHID ALI has presented the petition under the Motor Vehicles Act for grant of compensation on account of injuries/loss suffered in a motor vehicle accident, and whereas you are respondent No. 01 &02 in the said case proceedings and whereas despite reasonable efforts and attempts for service, your presence could not be secured, as you are intentionally evading service of summons, it is hereby notified that the next date of hearing in the said proceedings is 25.08.2025 You are required to appear in the said proceedings in person, or through your representative, and in case of failure/default in appearance in the said proceedings on 25.08.2025, the matter be proceeded ex-parte against you.
(CHARU GUPTA) PO-MACT-01, SOUTH-EAST SAKET, NEW DELHI

NAME CHANGE
I, Teresa Toppo, W/o Bibisan Kamble, R/o Flat No. 49, Metro Apartment, DDA Flats, Jahangir Puri, N.S. Mandi, North West Delhi-110033 have changed my name from Teresa to Teresa Toppo for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Shoeb Malik s/o Mohd Raees Malik R/O 12-A/147, Gali No.10, Near Tent Wala School, Vijay Mohalla, Maujpur Garhi Mendu, Delhi-110053, have changed my name to Mohd Shoaib Malik permanently

NAME CHANGE
I, MO Tahir s/o Mohd Rashid R/O D-3-A Part Plot No.3, DDA Colony, New Jafrabad, Delhi-110032, have changed my name to Mohd Tahir Ansari permanently.

NAME CHANGE
I, Ridima Gupta, D/o Ajay Gupta, R/o 50, First Floor, Bank Enclave, Laxmi Nagar, Delhi -110092, intimate that my correct date of birth is 11 October 2000, as also reflected in my CBSE Class X Grade Sheet.

NAME CHANGE
I hitherto known as Savita W/o Ram Niwas R/o Ward No-5, Rasoolpur, (Aheeran) Pacheri Badi, Jhunjhunun, Rajasthan-333515 (UID No. 7436 7947 6489) hereby declare that I Savita, Sabita Bai, are the one and same person and I shall hereafter be known as Sabita Devi and my exact and correct D.O.B. 01.04.1973 according my education record Enrolment No.571.

PUBLIC NOTICE
This is to inform general public at large that our client **Mrs. Jaffrina** W/o Mr. Gulzar who has approached **M/s Varthana Home Finance Ltd.** to borrow Loan Against Property in respect of Land Area Measuring **1 Kanal 8.4 Marla (1 Kanal 0.16 Marla + 8.25 Marla)** Comprised in Khata/Khatoni No. 164/198, Mu. No. 24, Kila No. 3 (4-15), 4/2 (7-7), total area 12 Kanal 2 Marla's 1/12 part i.e. Area 1 Kanal 0.16 Marla and Khata/Khatoni No. 165/199, Mu. No. 24, Kila No. 8/2 (4-19), total area 4 Kanal 19 Marla's 1/12 part i.e. Area 0 Kanal 8.25 Marla, Situated at Waka Mouja Manauta, Tehsil Punhana & Distt. Nuh, Haryana. vide
1. Sale Deed dated 19.08.2013 executed by **Mr. Bashir** S/o Mr. Mahtab in favour of **Mrs. Sayara** W/o Mr. Ratti, Having **Reg. as Doc No. 1551, Book 1, SR-Punhana.**
2. Sale Deed dated 24.04.2014 executed by **Mrs. Sayara** W/o Mr. Ratti in favour of **1.) Mrs. Samina** W/o Mr. Liyakat **2.) Mrs. Farmina** W/o Mr. Saukat and **3.) Mrs. Sanni** W/o Mr. Wasar. Having Regd. **as Doc No. 96, Book 1, SR-Punhana.**
3. Sale Deed dated 20.08.2021 executed by **1.) Mrs. Samina** W/o Mr. Liyakat 1/3 Part **2.) Mrs. Farmina** W/o Mr. Saukat 1/3 Part and **3.) Mrs. Sanni** W/o Mr. Wasar 1/3 Part in favour of **Mrs. Rasidan** W/o Mr. Isreal. Having **Reg. as Doc No. 1809, Book 1, SR-Punhana.**
It is to mention that the abovementioned Sale Deeds are lost by **Mrs. Jaffrina** W/o Mr. Gulzar.
And the said property is going to be mortgaged in **M/s. Varthana Finance Pvt. Ltd, Unit No-3 Ground Floor, Pearls Omaxe Tower, Plot B-1, Netaji Subhash Place, Pitam Pura Delhi-110034**All persons, if any, including bank, financial institutions, or any party/ies having any claim (Objection to Khasra Number), demand, right, interest in respect of or against the said property or any part thereof by way of inheritance, assignment, mortgage, charge, possession, lien or otherwise, are hereby required to make the same known in writing within 7 days with the documentary evidence from the date of publication, falling which the said claim of the person/s, if any will be considered waived and settled.
Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. T/181, UGF, Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New Delhi-110059

NAME CHANGE
I SHAHANA KHATOON W/O KASHIF JAMAL R/O H78/19 4TH FLR R/S BATLA HOUSE NR SHAHAB MASJID JAMIA NAGAR OKHLA DELHI PIN 110025 HAVE CHANGED MY NAME TO SHAHANA JAMAL

NAME CHANGE
I SURAFRAJ ALUM S/O MOHD SHOEB R/O R-214 GALI NO-9 RAMESH PARK LAXMI NAGAR EAST DELHI-110092 HAVE CHANGED MY NAME TO SARFRAZ ALAM

NAME CHANGE
I, No-18008745X, Rank-SPR, Name-ANUPOM MONDAL legal father of ISHAAN MONDAL residing at-VILL-LAKSHMIPUR, PO-GOHALIARA, PS-DUBRAJPUR, DISTT-BIRBHUM, WEST BENGAL-731126, have changed my minor son's name from ISHAAN MONDAL to ISHAN MONDAL for all future purposes vide affidavit dated 25/07/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-2615208K Rank-HAV Name-JOSEPH VINOTH S R/o Door no 3/391, VILL-MATTIYARENDAL, PO-MATTIYARENDAL, TEHSIL-MUDUKULATHUR, DIST-RAMANA THAPURAM, TAMIL NADU-623533, have changed my minor son's name from J DHISHVA JOVITH to DHISHVA JOVITH J for all future purposes vide Affidavit dated 25/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-2615208K Rank-HAV Name-JOSEPH VINOTH S R/o Door no 3/391, VILL-MATTIYARENDAL, PO-MATTIYARENDAL, TEHSIL-MUDUKULATHUR, DIST-RAMANA THAPURAM, TAMIL NADU-623533, have changed my minor son's name from J DHISHVA AARO to DHISHVA AARO J for all future purposes vide Affidavit dated 25/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, DIPIKA MAKAWANA Wife of No.-4575158L Rank-HAV Name-RATHOD CHANDARKANT KANUBHAI residing at F/66, CHAMUNDA NAGAR, B/S KUMBHAJI'S CHALI, NR RAMESHWAR MAHADEV, BHARGAV RD. MEGHANI NAGAR, AHMEDABAD, GUJARAT-380016, have changed my name from DIPIKA MAKAWANA to RATHOD DIPIKABEN for all future purposes vide Affidavit dated 25/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, IRFAN S/O SAHEED AHMED residing at H NO-B-23, DAKSHIN PURI, DR AMBEDKAR NAGAR, DELHI-110062 have changed my name to IRFAN AHMED all future purposes

PUBLIC NOTICE
To be Known to all that I (Name of the Allottee) Amit Kumar Arora S/o Savtantar Kumar Arora Plot No.442, Block - C, Pocket - 04, Sector 28, Rohini, Delhi has applied for conversion of the aforesaid Plot No. 442, Block-C, Pocket-04 situated in Sector 28, Rohini, Delhi from lease hold to free hold in DDA. The original documents i.e Demand Letter, Possession Letter in issued by DDA File No. F-40(645)04/LSB(R) of the above flat have been lost. An FIR to this effect has been lodged in Police Station Crime Branch Delhi & SO No. 430/2014 & LR No. 3019371/2025 Any person (S) Claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents may write contact with above named person at above address within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objections with respect to this property can personally inform or write to Dy. Director (LAB) H or Director (H)-1, D-Block, 3rd Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, NO-14646243X Rank-HAV Name-ASIM KUMAR DOLAI residing at VILL-MIRJAPUR, PO-HIJALBERIA, TEHSIL-TAMLUK, DIST-PURBA MEDINIPUR, WEST BENGAL-721649, in my service records my mother's (SARASWATI DOLAI) date of birth wrongly mentioned as 01/10/1962 instead of her correct date of birth as 24/06/1960 vide Affidavit dated 30/06/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, NO-14646243X Rank-HAV Name-ASIM KUMAR DOLAI residing at VILL-MIRJAPUR, PO-HIJALBERIA, TEHSIL-TAMLUK, DIST-PURBA MEDINIPUR, WEST BENGAL-721649, in my service records my father's (AJIT DOLAI) date of birth wrongly mentioned as 01/10/1958 instead of his correct date of birth as 01/01/1955 vide Affidavit dated 30/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-14646243X Rank-HAV Name-ASIM KUMAR DOLAI residing at VILL-MIRJAPUR, PO-HIJALBERIA, TEHSIL-TAMLUK, DIST-PURBA MEDINIPUR, WEST BENGAL-721649, have change my father's name from AJIT KUMAR DOLAI to AJIT DOLAI vide Affidavit dated 30/06/2025 before Notary Public, Delhi.

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती चंचल और श्री अशोक कुमार, बिना छत के अधिकार वाली दूसरी मंजिल, क्षेत्रफल 250 वर्ग गज, फ्रीहोल्ड संपत्ति संख्या 2268 का हिस्सा, प्लॉट संख्या 2 और 3 पर निर्मित, ग्राम शकूरपुर, दिल्ली राज्य, राजा पार्क, शकूर बस्ती, दिल्ली-110034 में स्थित, के मालिक हैं। उक्त संपत्ति के संबंध में, श्री सूरजभान गोयल के पक्ष में श्री बनवारी लाल द्वारा दिनांक 02.02.1954 को निष्पादित विक्रय विलेख, विधिवत रूप से पंजीकृत। क्रमांक 568, बाद में, जिनकी मृत्यु 23.11.1969 को हुई और उनकी पत्नी श्रीमती कुंती देवी की भी मृत्यु 03.04.2004 को हुई और उन्होंने अपने कानूनी उत्तराधिकारियों को पीछे छोड़ दिया, अर्थात् श्रीमती निर्मला गुप्ता, (2) श्रीमती अंजू, (3) श्री अनिल कुमार गोयल, श्री सुशील कुमार गोयल, श्री विमल कुमार गोयल, श्री विपिन गोयल, श्री प्रदीप गोयल।, बाद में, दिनांक 13.12.2017 को श्रीमती निर्मल गुप्ता, श्रीमती अंजू द्वारा श्री अनिल गोयल, श्री सुशील कुमार गोयल, श्री विमल कुमार गोयल, श्री विपिन गोयल, श्री प्रदीप गोयल के पक्ष में (1) संपत्ति संख्या 2268, 250 वर्ग गज क्षेत्र को मापने वाली संपत्ति, और (2) संपत्ति संख्या 2302, 140 वर्ग गज क्षेत्र को मापने वाली संपत्ति, विधिवत रूप से पंजीकृत दस्तावेज के संबंध में त्याग पत्र निष्पादित किया गया। क्रमांक 14745, बाद में, जिन्होंने उक्त संपत्ति के संबंध में श्री वरुण बत्रा और श्रीमती सुमन बत्रा के पक्ष में दिनांक 18.06.2018 को बिक्री विलेख निष्पादित किया, विधिवत रूप से दस्तावेज़ क्रमांक 8696 के रूप में पंजीकृत, बाद में, पंजीकृत एसपीए दिनांक 04.02.2019 को श्रीमती सुमन बत्रा द्वारा उक्त संपत्ति के संबंध में श्री वरुण बत्रा के पक्ष में निष्पादित किया गया, विधिवत रूप से दस्तावेज़ क्रमांक 193 के रूप में पंजीकृत, बाद में, जिन्होंने स्वयं और श्रीमती सुमन बत्रा के एसपीए द्वारा उक्त संपत्ति के संबंध में श्रीमती लक्ष्मी अरोड़ा के पक्ष में दिनांक 08.02.2019 को बिक्री विलेख निष्पादित किया, विधिवत रूप से दस्तावेज़ क्रमांक 1958 के रूप में पंजीकृत, अंत में, जिन्होंने उक्त संपत्ति के संबंध में श्रीमती चंचल और श्री अशोक कुमार के पक्ष में दिनांक 05.12.2023 को बिक्री विलेख निष्पादित किया, संख्या 2023/15/1/19124, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 12422 के पृष्ठ संख्या 163 से 186 पर। जो कोई भी अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त अचल संपत्ति को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के पास गिरवी रखने का इरादा रखता है। यदि किसी को भी उक्त गिरवी पर कोई आपत्ति है या किसी का उक्त संपत्ति पर दावा, अधिकार या हित है, तो वह 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति के साथ अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करे। ऐसा न करने पर यह मान लिया जाएगा कि इस संपत्ति पर कोई आपत्ति या दावा नहीं है।
नई दिल्ली
दिनांक: 24/7/2025
प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

NAME CHANGE
I, RASHMI GOYAL W/o DEEPAK GARG R/O PLOT NO-7, OMAXE CITY, SECTOR-14, PALWAL, HARYANA-121102 HAVE CHANGED MY NAME TO RASHMI GARG FOR ALL FUTURE PURPOSE

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. D.P. Upadhyay S/o Late Mr. J.N. Upadhyay is the owner of Freehold Residential Built-Up Upper Ground Floor (without roof right) Built on Property Bearing Plot No. 51, Area measuring 30 Sq. Yds., out of Khasra no. 64/24/1, Situated in the revenue Estate of Village Hastasl Delhi State Delhi in the Colony known as Gram Sabha, Mohan Garden Uttam Nagar New Delhi-110059. by virtue of GPA along with ATS Will dated 28.01.2024, now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property Sold too be Mr. Rakesh Kumar Sharma & Mrs. Rekha Devi and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: LAXMI NAGAR, DELHI. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री महताब खान, बिल्ट-अप संपत्ति संख्या IX/4397, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज (अर्थात् 41.80 वर्ग मीटर), जो कि खसरा संख्या 163 से संबंधित है, जो अबादी गली नंबर 07, अजीत नगर, गांधी नगर, गांव सीलमपुर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110031 में स्थित है — के स्वामी हैं। इस सम्पत्ति के मूल मालिक श्री राम सिंह थे, जिन्होंने सम्पूर्ण संपत्ति को विक्रय विलेख दिनांक 26.05.1966 के माध्यम से श्री मुन्ना लाल और श्रीमती गंगा देवी को बेचा था। तत्पश्चात, श्री मुन्ना लाल और श्रीमती गंगा देवी ने संपत्ति का आपसी विभाजन विभाजन विलेख के माध्यम से किया। इसके उपरांत, श्री मुन्ना लाल ने दिनांक 10.08.2015 को एक पृथक पंजीकृत वसीयत श्री संजय कुमार श्रीवास्तव एवं श्री राजेश श्रीवास्तव के पक्ष में निष्पादित की। दुर्भाग्यवश, श्री मुन्ना लाल का निधन दिनांक 25.11.2020 को हो गया। इसके पश्चात, स्व. श्री मुन्ना लाल के पुत्र श्री संजय कुमार श्रीवास्तव उर्फ संजय कुमार श्रीवास्तव एवं श्री राजेश उर्फ राजेश श्रीवास्तव ने उक्त संपत्ति को श्री मोहम्मद आसिफ और श्री मोहम्मद इस्माइल को विक्रय विलेख दिनांक 09.06.2023 के माध्यम से बेचा। बाद में, श्री मोहम्मद इस्माइल ने श्री मोहम्मद आसिफ को सामान्य मुख्तारनामा (रक्त संबंध के आधार पर) दिनांक 17.07.2023 के माध्यम से अपना अभिकर्ता नियुक्त किया। इसके पश्चात, श्री मोहम्मद आसिफ ने स्वयं के लिए और श्री मोहम्मद इस्माइल के अभिकर्ता के रूप में उक्त संपत्ति को श्री भरत भूषण नंदा को विक्रय विलेख दिनांक 28.03.2024 के माध्यम से बेचा। अंततः, श्री भरत भूषण नंदा ने उक्त संपत्ति को श्री महताब खान को विक्रय विलेख दिनांक 28.02.2025 के माध्यम से विक्रय कर दिया। परिणामस्वरूप, श्री महताब खान उक्त संपत्ति के पूर्ण और निर्विवाद स्वामी हैं, और यह संपत्ति किसी भी प्रकार के विवाद, ऋण, देयता, भार या दावे से मुक्त है। कृपया ध्यान दें कि दस्तावेज़ों की श्रृंखला में, स्व. श्री मुन्ना लाल का मृत्यु प्रमाण पत्र, जीवित सदस्य प्रमाण पत्र तथा प्रोबेट आदेश उपलब्ध नहीं हैं। यह संपत्ति वर्तमान में डीसीबी बैंक लिमिटेड (DCB Bank Ltd), करोल बाग शाखा, नई दिल्ली के माध्यम से वित्तपोषित की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 15 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122, Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, Teresa Toppo, W/o Bibisan Kamble, R/o Flat No. 49, Metro Apartment, DDA Flats, Jahangir Puri, N.S. Mandi, North West Delhi-110033 I am one and the same person referred to as Teresa and Teresa Toppo for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती रूपवती पत्नी श्री ओमकार, निवासी, ग्राम भामरा, परगना अगौता, तहसील व जिला बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश, एक आवासीय प्लॉट, क्षेत्रफल 88.88 वर्ग गज या 74.36 वर्ग मीटर, खसरा संख्या 62, स्थित ग्राम अर्धनगरीय, परगना आगोटा, तहसील व जिला बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज बिक्री पत्र दिनांक 30.06.2020, क्रमांक 2691, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 7858, पेज 189/204, सब रजिस्ट्रार 1, बुलंदशहर, द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। उपरोक्त कथित प्रॉपर्टी का पूर्व का दस्तावेज आरिजनल बिक्री पत्र दिनांक 08.05.2012, क्रमांक 3190, जिल्द संख्या 5263, पेज 167/184 कही खो गया, जिसके बावत खोने की रपट ऑनलाइन थाना पुलिस कंप्यूटर सेंटर, टेक्निकल सर्विसेज हेड क्वाटर, लखनऊ में , एल ए आर नंबर 20250000201876, दिनांक 23.03.2025, को दर्ज है। मेरे मुव्किकल श्रीमती रूपवती उक्त संपत्ति को गिरवी रखकर ऋण ले रही हैं जो सत्या माइक्रो हाउसिंग फाइनेन्स प्राइवेट लि0, शाखा हापुड़, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित दस्तावेज मिले या कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या सत्या माइक्रो हाउसिंग फाइनेन्स प्राइवेट लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।
रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम, गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती ऊषा उर्फ ऊषा देवी पुत्री श्री देव प्रसाद, पत्नी श्री कैलाश चन्द, निवासी मकान संख्या 18, वार्ड संख्या 09, उपाध्याय नगर, गढ़मुक्तेश्वर, जिला हापुड़, उत्तर प्रदेश, एक आवासीय प्लॉट, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज या 83.64 वर्ग मीटर, खसरा संख्या 290/घ, स्थित मोहल्ला रामेश्वरवन वार्ड नंबर 18, जिला हापुड़, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज बिक्री पत्र दिनांक 02.03.2021, क्रमांक 2603, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 4778, पेज 299/318, सब रजिस्ट्रार गढ़मुक्तेश्वर, द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। उपरोक्त कथित प्रॉपर्टी का पूर्व का दस्तावेज आरिजनल बिक्री पत्र दिनांक 05.11.2011, क्रमांक 8466, जिल्द संख्या 1790, पेज 291/304 कही खो गया, जिसके बावत खोने की रपट ऑनलाइन थाना पुलिस कंप्यूटर सेंटर, टेक्निकल सर्विसेज हेड क्वाटर, लखनऊ में , एल ए आर नंबर 20250000515242, दिनांक 22.07.2025, को दर्ज है। मेरे मुव्किकल श्रीमती उषा उक्त संपत्ति को गिरवी रखकर ऋण ले रही हैं जो सत्या माइक्रो हाउसिंग फाइनेन्स प्राइवेट लि0, शाखा हापुड़, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित दस्तावेज मिले या कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या सत्या माइक्रो हाउसिंग फाइनेन्स प्राइवेट लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।
रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम, गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

आढ़तियों की मांगों को जल्द पूरा करेगी सरकार : श्याम सिंह राणा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि राज्य सरकार आढ़तियों की जायज मांगों को जल्द पूरा करेगी। राणा चंडीगढ़ में आढ़ती एसोसिएशन के प्रतिनिधियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। राणा ने कहा कि राज्य सरकार जनकल्याणकारी है और सभी वर्गों का पूरा ख्याल रखती है। उन्होंने आढ़तियों की गेहूं की बकाया आढ़त का भुगतान जल्द करने का आश्वासन दिया। बैठक में मंडी व्यापारियों की पुरानी दुकानों का नो-ड्यूज, उनके लाइसेंस, मंडी की सफ़ाई व्यवस्था के अलावा मिलर-एसोसिएशन तथा फ्लोर-मिल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। कृषि मंत्री ने सभी व्यापारियों की मांगों को ध्यानपूर्वक सुना और अधिकारियों को निर्देश दिए कि इनकी सभी जायज मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करके पूरा किया जाए।

हरियाणा में लागू होंगे जमीनों के नए कलेक्टर रेट

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार जल्द ही प्रदेश में जमीनों के नए कलेक्टर रेट लागू करने जा रही है। नई दरें लागू होने से हरियाणा में जमीनों की खरीदो-फरोख्त महंगी हो जाएगी। राज्य में पिछले साल पहले लोकसभा और फिर विधानसभा चुनाव की आचार संहिता के चलते एक दिसंबर को ही नए कलेक्टर रेट लागू किए जा सके थे। बाद में सरकार ने इसे 30 मार्च तक मान्य कर दिया था। हरियाणा में 2025-26 के लिए कलेक्टर दरों में बढ़ोतरी नहीं हो सकी थी। करीब 3 महीने पहले सीएम नायब सैनी की अध्यक्षता में संशोधन को लेकर बैठक हुई थी। मगर, सीएम ने संशोधन को स्थगित कर दिया था। अब 2025-26 के लिए 1 अगस्त से नए कलेक्टर रेट के हिसाब से ही जमीनों की रजिस्ट्रियां होंगी। राजस्व विभाग की तरफ से सभी मंडल आयुक्तों तथा जिला उपायुक्तों को इस संबंध में पत्र जारी किया गया है। नए कलेक्टर रेट के लिए विभिन्न स्थानों पर 5 से 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। पिछले साल जमीन के कलेक्टर रेट 12 से 32 प्रतिशत तक बढ़ाए गए थे। देश की राजधानी दिल्ली के नजदीक होने के कारण एनसीआर में जमीन बहुत अधिक महंगी है।

सीईटी के परीक्षार्थी के लिए हरियाणा कर्मचारी आयोग ने जारी की विशेष हिदायत

पानीपत। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) द्वारा आयोजित की जा रही सीईटी परीक्षा की तैयारियों को लेकर उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र कुमार दहिया ने लघु सचिवालय के सभागार में ड्यूटी मैजिस्ट्रेट और केंद्र अधीक्षकों के साथ बिंदुवार समीक्षा की। उनके साथ हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य कपिल अत्रेजा भी मौजूद रहे। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन सीईटी परीक्षा के लिए हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा जारी किए गए तयमानक प्रणाली (एसओपी) अनुसार सभी प्रकार की तैयारियां कर ली है। उन्होंने केंद्र अधीक्षकों को निर्देश दिए कि वे पारदर्शी और नकल रहित परीक्षा करवाने के लिए अपनी जिम्मेवारी निभाएं। परीक्षा केंद्रों पर किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि परीक्षा के लिए जो मानदंड तय किए गए है उनकी पालना सुनिश्चित हो और केंद्र अधीक्षक को सभी प्रकार की एसओपी का ज्ञान होना आवश्यक है। गाइडलाइन अनुसार ही परीक्षा आयोजित करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करें कि ओएमआर शीट और प्रश्न-पत्र के बॉक्स उनके कोड के अनुसार एक ही स्थान पर रखे जाएं। एक कोड के बॉक्स अलग-अलग जगह पर नहीं होने चाहिए। ट्रेजरी से लेकर परीक्षा केंद्र तक हर जगह बॉक्स रखने, खोलने की सारी कार्यवाई की वीडियोग्राफी की जाए।

दवि में हरियाणवी संस्कृति के रंगों की खुशबू से महकेगी गुलाब वाटिका

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) में हरियाली तीज के पावन पर्व को पारंपरिक उत्साह और भव्यता के साथ मनाने जा रहा है। गुलाब वाटिका में आयोजित होने वाले इस रंगारंग कार्यक्रम में हरियाणा की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराएं और पारंपरिक खानपान की झलक देखने को मिलेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसे यादगार बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह की अध्यक्षता में तीज आयोजन को लेकर कुलपति कार्यालय में विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने कार्यक्रम को भव्य और सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने और समाज में सांस्कृतिक चेतना फैलाने का माध्यम बनते हैं। इस विशेष आयोजन में हरियाणवी तीज गीतों की मधुर स्वर लहरियां गूंजेंगी। पारंपरिक परिधानों में सजी-धजी महिलाएं झूलों पर झूलती नजर आएंगी और लोक नृत्य प्रस्तुत कर हरियाणा की लोक शैली को जीवंत करेंगी। लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां इस अवसर को और भी खास बनाएंगी। गुलाब वाटिका हरियाणवी रंगों में रंगी दिखाई देगी, जहां लोक परंपराओं की सजीव झलक हर दिशा में महसूस होगी। खान-पान के शौकीनों के लिए भी कार्यक्रम में खास इंतजाम होगा। पारंपरिक व्यंजन जैसे सुहाली, पुड़े, घेवर, जलेबी और अन्य हरियाणवी मिठाइयों और नमकीन पकवानों का स्वाद इस तीज को और भी रोचक बना देगा।

राजनीति नहीं, जनसेवा करने के लिए नॉन-स्टॉप सरकार : मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में जल्द ही पुलिस भर्ती निकाली जाएगी और इसके लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि आगामी 26-27 जुलाई को प्रदेशभर में सीईटी परीक्षा को लेकर सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए बसों की व्यवस्था की गई है, ताकि वे परीक्षा केंद्रों तक सुचारू रूप से पहुंच सकें। लड़कियों के साथ उनके परिवार के एक सदस्य को भी बस में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी गई है।

मुख्यमंत्री ?वीरवार को जिला चरखी दादरी के बाढड़ा विधानसभा क्षेत्र के झोझूकलां में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने लगभग 68 करोड़ रुपये लागत की 19

परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 54 करोड़ 84 लाख रुपये की लागत की 17 परियोजनाओं का शिलान्यास तथा लगभग 13 करोड़ 5 लाख रुपये लागत की 2 परियोजनाओं का उद्घाटन शामिल है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि चरखी-दादरी की मिट्टी अपने आप में इतिहास की गवाही देती है। यहां की हवा में शौर्य है, यहां के कण-कण में वीरता बसती है। 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम हो, आजादी की लड़ाई हो अथवा आजादी के बाद चीन व पाकिस्तान से होने वाले युद्ध हों, यहां के जवानों ने सदा वीरता की नई मिसाल कायम की है। परिश्रम, स्वाभिमान और परंपराएं ही इस क्षेत्र की पहचान हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि बाढड़ा क्षेत्र का भविष्य उज्ज्वल होगा और यह विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ेगा। हमारी सरकार क्षेत्र के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी। वर्ष 2014 से अब तक सरकार ने बाढड़ा विधानसभा क्षेत्र में 495 करोड़ रुपये की लागत के विकास कार्य किये मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से अब तक हमारी सरकार ने बाढड़ा विधानसभा क्षेत्र में 495 करोड़ रुपये की लागत के विकास कार्य करवाए हैं, जबकि कांग्रेस सरकार के 10 वर्षों में 175 करोड़ रुपये के काम हुए थे। पिछले 10 वर्षों में बाढड़ा विधानसभा क्षेत्र के लिए कुल 203 घोषणाएं की गई।

परीक्षा केंद्रों के 500 मीटर के दायरे में लागू होगी धारा 163

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 26 व 27 जुलाई को आयोजित की जाने वाली सीईटी परीक्षा के मद्देनजर हरियाणा पुलिस द्वारा राज्यभर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने सभी जिलों में पुलिस के उच्च अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि परीक्षा के दिन सभी परीक्षा केन्द्रों के 500 मीटर के दायरे में धारा 163 बीएनएसएस लगाई जाएगी। सभी जिला पुलिस प्रमुख संबंधित उपायुक्तों के साथ परीक्षा से एक दिन पहले भी परीक्षा केन्द्रों का दौरा करेंगे तथा परीक्षा के दिन स्वयं पैट्रोलिंग पर निकलेंगे। निर्देशों में कहा गया है कि काफी परीक्षार्थी रेल व बस के माध्यम से परीक्षा से एक दिन पहले सांय को संबंधित स्टेशन पर पहुंचना शुरू हो जाते हैं तथा वहां से ऑटो व टैक्सी के माध्यम से परीक्षा केन्द्र के नजदीक होटल व धर्मशालाओं के लिए जाते हैं। भीड़ के कारण होने वाली अव्यवस्था से बचने के लिए अतिरिक्त ट्रैफिक ड्यूटी लगाने के लिए कहा गया है। जिला पुलिस द्वारा भर्ती परीक्षा के एक दिन पहले सांय से शहर में नाके लगाकर बाहर से आने वाली सभी संदिग्ध गाड़ियों को चैक करने के लिए निर्देशित किया गया है। यह कार्य परीक्षा समाप्त होने तक जारी रखा जाएगा। परीक्षा केन्द्रों के आसपास 200 मीटर के दायरे में वाहनों को पार्किंग की अनुमति नही होगी। परीक्षा के दिन केन्द्रों के आसपास मौजूद फोटोस्टेट/प्रिंटिंग की दुकानों को बंद करवाने के लिए कहा गया है। परीक्षा के दौरान जिला पुलिस द्वारा लोकल वायरलेस नेटवर्क पर ही सूचना का आदान-प्रदान किया जाएगा।

डीसी ने एचपीएससी के प्रतिनिधियों, ड्यूटी मजिस्ट्रेट व परीक्षा केंद्र अधीक्षकों के साथ की बैठक

एजेंसी

हिसार। सीईटी परीक्षा के सफल संचालन के लिए उपायुक्त अनीश यादव ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के प्रतिनिधियों, ड्यूटी मजिस्ट्रेट तथा परीक्षा केंद्र अधीक्षकों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने कहा कि पारदर्शिता के साथ परीक्षा संपन्न करवाना हम सभी का नैतिक दायित्व और जिम्मेवारी है। परीक्षा को नकल रहित, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना हरियाणा सरकार व जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उपायुक्त अनीश यादव ने आयोजित इस बैठक में कहा कि परीक्षा केंद्र अधीक्षक कर्मचारी चयन आयोग द्वारा जारी प्रोफार्मा, विशेषकर एनेक्जर तीन के तहत विभिन्न रिपोर्ट समयबद्ध ढंग से देना सुनिश्चित करें। दिव्यांगजन परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्रों पर विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। सभी अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश के समय रोल नंबर स्लिप के साथ निर्धारित पहचान पत्र अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना

होगा। उपायुक्त अनीश यादव ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस जैसे डिजिटल वॉच, मोबाइल फोन, ब्लूटूथ डिवाइस आदि पूर्णत- प्रतिबंधित रहेंगे। किसी भी अभ्यर्थी को ऐसे उपकरणों के साथ परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त यदि कोई व्यक्ति किसी अन्य अभ्यर्थी की जगह परीक्षा देने का प्रयास करता है, तो ऐसे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए तत्काल गिरफ्तारी की जाएगी और संबंधित के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। परीक्षा केंद्र अधीक्षकों की यह जिम्मेवारी बनती है कि वे ऐसी किसी भी अनैतिक गतिविधि की तुरंत सूचना दें। परीक्षा केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं जैसे कि बिजली, स्वच्छ पेयजल और साफ-सुथरे शौचालयों की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बैठक में पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने कहा कि सभी सेंटर पर सीसीटीवी कैमरा, जैमर्स व बायोमेट्रिक हाजरी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इसकी रिपोर्टिंग भी समयबद्ध ढंग से की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की पवित्रता तथा कानून व्यवस्था स्थापित करने के लिए धारा-163 लगाई जाएगी।

सीईटी के लिए रोडवेज बसों का टाइम टेबल जारी

एजेंसी

झज्जर। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 26 व 27 जुलाई को आयोजित होने वाली सीईटी परीक्षा के सुचारू संचालन और परीक्षार्थियों के सुगम आवागमन के लिए हरियाणा रोडवेज द्वारा विशेष बस सेवाओं की व्यवस्था की गई है। इन बसों का संचालन निर्धारित रूटों और समय के अनुसार किया जाएगा। परीक्षार्थियों को समय से पहले बस अड्डे पर पहुंचने की सलाह दी गई है। परीक्षार्थियों से आग्रह किया गया है कि वे समय पर बस अड्डे पर पहुंचें और अपने प्रवेश पत्र एवं पहचान पत्र साथ लेकर चलें, ताकि उन्हें परीक्षा केंद्र पर समय से पहुंचने में कोई कठिनाई न हो।

फरीदाबाद के लिए यहां से चलेंगीं बसें

झज्जर-न्यू बस स्टैंड झज्जर, बहादुरगढ़- न्यू बस स्टैंड बहादुरगढ़, बेरी-बस स्टैंड बेरी, साल्हावास ब्लॉक से-एचडी स्कूल साल्हावास,

मातनहेल ब्लॉक से - अनाज मंडी मातनहेल, बादली- बीडीपीओ ऑफिस बादली, ब्लॉक माछरौली से- राजकीय माध्यमिक विद्यालय माछरौली परीक्षार्थियों के लिए पिक-अप प्वाइंट रहेगा। यहां से बसें रवाना होगी। पहली शिफ्ट की परीक्षा के लिए बसें निर्धारित स्थानों से सुबह तीन बजे से चलेंगी व आखिरी बस सुबह 4.45 बजे रवाना होगी। जबकि दूसरी शिफ्ट की परीक्षा के परीक्षार्थियों के लिए रोडवेज बसें सुबह साढ़े सात बजे से सुबह नौ बजे तक चलेंगी।

रोहतक के लिए यहां से चलेंगी बसें

झज्जर-बस स्टैंड झज्जर, बहादुरगढ़-बस स्टैंड बहादुरगढ़ से रोडवेज बसों का संचालन होगा। सुबह की शिफ्ट के लिए सात बजे से आठ बजे तक बसों का संचालन होगा। परीक्षार्थी समय पर पहुंचकर निशुल्क बस सेवा की सुविधा लें । महिला अभ्यर्थी के साथ परिवार का एक सदस्य साथ में निशुल्क यात्रा कर सकता है। फरीदाबाद पहुंचने पर आगे निःशुल्क शटल सेवा की व्यवस्था की गई है। सभी जगह पर प्रशासन द्वारा हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं।

ध्यान दें...सुबह 09:15 बजे व दोपहर 02:30 बजे के बाद सीईटी परीक्षा केंद्रों में प्रवेश नहीं

एजेंसी

गुरुग्राम। आगामी 26 व 27 जुलाई को आयोजित होने वाली हरियाणा सीईटी परीक्षा को लेकर डीसी अजय कुमार ने परीक्षा की तैयारियां व पूरी होने की बात कही। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिला उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि गुरुग्राम जिला में 107 शिक्षण संस्थानों पर 145 परीक्षा केंद्र बनाए बनाए गए हैं। जिसमें रोहतक, नूंह, सोनीपत तथा रेवाड़ी से प्रत्येक शिफ्ट में कुल 36 हजार से अधिक परीक्षार्थी परीक्षा देने आएंगे। दोनों दिन की चार शिफ्ट में एक लाख 45 हजार 488 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इसी प्रकार गुरुग्राम से 7800 परीक्षार्थी परीक्षा देने के लिए फरीदाबाद के लिए रवाना होंगे। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन गुरुग्राम ने गुरुग्राम में अन्य जिलों से आने वाले तथा गुरुग्राम से फरीदाबाद जाने वाले परीक्षार्थियों के सुगन आवागमन के लिए 623 बसों का

बेड़ा तैयार किया है।

गुरुग्राम से फरीदाबाद जाने के लिए जिला में छह स्थानों गुरुग्राम बस स्टैंड, सोहना, पटौदी, सेक्टर 52, मानेसर आईएमटी चौक व फर्रुखनगर से बसें रवाना होंगी। इसी प्रकार बाहरी जिलों से गुरुग्राम आने वाले परीक्षार्थियों के लिए एसजीटी यूनिवर्सिटी, आईएमटी चौक मानेसर, राजीव चौक, ताऊ देवीलाल स्टेडियम तथा लेजर वैली ग्राउंड सेक्टर 29 से परीक्षा केंद्रों के लिए शटल बस सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। गुरुग्राम से फरीदाबाद के लिए 26 जुलाई को सुबह 4 बजे से बस सेवाएं शुरू हो जाएंगी, जोकि 27 जुलाई को रात 10 बजे तक सेवाएं देंगी। सीईटी के परीक्षार्थी यात्रा संबंधी जानकारी के लिए परिवहन विभाग के हेल्पलाइन नंबर 0124-2320222 एवं 0124-4912626 पर भी संपर्क कर सकते हैं। प्रशासन द्वारा परीक्षार्थियों की सहायता के लिए लघु सचिवालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। किसी भी जानकारी या सहायता के लिए परीक्षार्थी कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 0124-2972349, 2972351, 2973347, 2973348 और 2974350 पर संपर्क कर सकते हैं।

डीसी अजय कुमार ने बताया कि 26 व 27 जुलाई को दो शिफ्ट में परीक्षा आयोजित की जाएगी। जिसमें सुबह की शिफ्ट में 10 बजे से 11.45 की शिफ्ट निर्धारित की गई है। वहीं दोपहर की शिफ्ट की परीक्षा के लिए 3.15 बजे से शाम 5 बजे का समय निर्धारित किया गया है। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा परीक्षा केंद्र पर प्रवेश के लिए सुबह की शिफ्ट के लिए 7.30 बजे से 9.15 बजे तथा दोपहर की शिफ्ट के लिए 12.45 से 2.30 बजे का समय निर्धारित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय के उपरांत किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र पर प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

सीएम फ्लाइंग ने की छापेमारी

एजेंसी

जींद। सीएम फ्लाइंग और कृषि विभाग की टीम ने खाद व बीज की चार दुकानों पर गुरूवार को छापेमारी की और स्टॉक की जांच की। इनमें दो दुकानों का रिकार्ड सही पाया गया जबकि दुकानों में रिकार्ड मेंटेन नहीं मिला। इस पर टीम ने दोनों दुकानों के लाइसेंस सस्पेंड करने की सिफारिश की है। सीएम फ्लाइंग की टीम के पास खाद.बीज की कालाबाजारी की सूचना पहुंच रही थी। इस पर सीएम फ्लाइंग के एसाआई सतपाल सिंह, एएसआई चरण सिंह, कृषि विभाग से क्वालिटी कंट्रोलर इंस्पेक्टर नरेंद्रपाल, कृषि विभाग से एसडीओ बलजीत सिंह, एडीओ सुशील कुमार ने पिल्लूखेड़ा में दस्तक दी। इसके बाद अनाज मंडी में देशवाल पेस्टीसाइड, धड़ौली रोड पर अत्री बीज भंडार, देव देशवाल पेस्टीसाइड भाग खेड़ा और सूरज ऑटोमोबाइल पेस्टीसाइड की शॉप नंबर 234 में रेड की। यहां पर यूरिया के स्टॉक को जांचा गया। देशवाल पेस्टीसाइड और देव देशवाल पेस्टीसाइड के पास यूरिया का स्टॉक तो मिला लेकिन मालिक इसके संबंध में रिकार्ड पेश नहीं कर पाया। रिकार्ड बोर्ड भी नहीं लगा हुआ

था। अत्री और सूरज के पास जितना स्टॉक था, उसका रिकार्ड ठीक मिला। सीएम फ्लाइंग और कृषि विभाग की टीम ने देव देशवाल तथा देशवाल पेस्टीसाइड का लाइसेंस संस्पेंड करने की सिफारिश के साथ रिपोर्ट मुख्यालय भेज दी है।

सीईटी परीक्षा के लिए विशेष निर्देश, हर बिंदु पर रखें सतर्कता: सुशील सारवान

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 26 और 27 जुलाई को आयोजित की जा रही ग्रुप-सी की सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) को लेकर प्रशासन ने पूरी सतर्कता और पारदर्शिता के साथ तैयारियां तेज कर दी हैं। सोनीपत के उपायुक्त सुशील सारवान ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि परीक्षा के दोनों दिन किसी भी कर्मचारी को अवकाश न दिया जाए और सभी कर्मचारी अपने निर्धारित ड्यूटी स्थलों पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। परीक्षा संचालन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह परीक्षा राज्यभर के लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़ी है, इसलिए पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता से परीक्षा प्रक्रिया संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। परीक्षार्थियों के लिए आयोग द्वारा क्या करें और क्या न करें संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। परीक्षार्थी स्पष्ट रंगीन प्रवेश पत्र (दोनों ओर एक ही पृष्ठ पर) के साथ नवीनतम फोटो चिपका कर और एक मूल फोटो पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, पासपोर्ट आदि अनिवार्य रूप से साथ लाएं। परीक्षा केंद्र पर समय से पूर्व पहुंचें और केंद्र का स्थान

पहले ही देख लें। धार्मिक या परंपरागत पोशाक पहनने वाले अभ्यर्थी समय से पहले रिपोर्ट करें। परीक्षा कक्ष में प्रवेश के बाद बुकलेट और ओएमआर शीट की जांच कर लें और सभी निर्देशों का पालन करें। परीक्षा में मोबाइल, घड़ी, बेल्ट, पेन, आभूषण, कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, व्हाइटनर जैसी वस्तुएं सख्त निषिद्ध हैं। एचएसएससी द्वारा बॉलपॉइंट पेन उपलब्ध कराया जाएगा। स्वयं का पेन लाना मना है। ओएमआर शीट पर किसी भी प्रकार का कटाव, मोड़ या निशान करना प्रतिबंधित है। रिपोर्टिंग समय के बाद प्रवेश नहीं मिलेगा और अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर उम्मीदवारी रद्द होने के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई भी हो सकती है। उपायुक्त ने परीक्षार्थियों से अपील की है कि वे आयोग के सभी निर्देशों का पालन करें ताकि परीक्षा निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

राजस्थान सीमा से सटे हरियाणा जिलों में नेटवर्क समस्या का समाधान

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में राजस्थान से सटे जिलों में अब लोगों को नेटवर्क की समस्या से निजात मिलेगी। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल)ने सीमावर्ती गांवों में 829 नये टावर स्थापित किए हैं। बीएसएनएल की ही ब्राडबैंड सुविधा - भारत नेट के तहत हरियाणा में अभी तक एक लाख 59 हजार 949 फाइबर टू द होम (एफटीटीएच) कनेक्शन भी दिए हैं।

भिवानी-महेंद्रगढ़ के सांसद धर्मबीर ने भिवानी, महेंद्रगढ़ और नूंह जिलों में खराब मोबाइल कनेक्टिविटी वाले सीमावर्ती क्षेत्रों की पहचान को लेकर जानकारी मांगी थी। केंद्रीय संचार तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने हरियाणा के सांसद धर्मबीर सिंह द्वारा उठाए गए सवाल के जवाब में बताया कि भिवानी, महेंद्रगढ़ व नारनौल के सदूर इलाकों में अब मोबाइल सिग्नल न होने के चलते कनेक्टिविटी की समस्या खत्म हो गई है। उन्होंने कहा कि बीएसएनएल ने अपने नवीनतम चरण 9.2 परियोजना के तहत तीनों जिलों में 829 साइटें स्थापित की हैं। इनमें ज्यादातर राजस्थान सीमा से सटे हरियाणा के गांव शामिल हैं। डिजिटल भारत निधि के तहत हरियाणा में दूर संचार सेवाओं को बेहतर बनाने और ब्राडबैंड कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए 970 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की है। इसमें से 771 करोड़ रुपये भारत नेट परियोजना पर खर्च होंगे। अब तक राज्य में भारत नेट के तहत 1 लाख 59 हजार 949 फाइबर टू द होम (एफटीटीएच) कनेक्शन दिए हैं। उन्होंने कम कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में नए 4जी व 5जी टावर स्थापित करने के लिए तैयार की गई योजना पर भी जवाब मांगा था। सिंधिया ने कहा कि भिवानी, महेंद्रगढ़ और नूंह जिले के सभी 1,070 गांवों में 4जी मोबाइल कनेक्टिविटी मौजूद है। धर्मवीर सिंह के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रदेश में अब तक भारत नेट के तहत 1,59, 949 फाइबर टू द होम (एचटीटीएच) कनेक्शन दिए हैं। 2059 4जी साइट स्थापित की हैं।

हरियाणा में 40 लाख से कम कीमत वाले इलेक्ट्रिक वाहनों पर मिलेगी सब्सिडी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य के मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं को राहत देते हुए एक बड़ा निर्णय लिया है। 40 लाख रुपये से कम कीमत वाले इलेक्ट्रिक वाहनों पर दी जाने वाली सब्सिडी को पुनर्बहाल किया जाएगा, ताकि पर्यावरण हितैषी परिवहन को बढ़ावा मिले और आमजन लाभान्वित हो सके। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह नई एमएसएमई नीति को लेकर उद्योग विभाग के अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। प्रदेश में वर्तमान में केवल 40 लाख रुपये से अधिक कीमत वाले इलेक्ट्रिक वाहनों पर 15 प्रतिशत तक की सब्सिडी उपलब्ध है, जो मध्यमवर्ग की पहुंच से बाहर है। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना तभी सार्थक होगा, जब इसका लाभ आम नागरिक तक पहुंचे। उन्होंने निर्देश दिए कि इस संबंध में आवश्यक नीतिगत निर्णय तत्काल प्रभाव से लिया जाए। मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत मिलने वाली अनुदान राशि के लिए राज्य स्तर पर प्रक्रियाएं तय समय में पूरी की जाएं, जिससे फंड समय पर प्राप्त हो और एमएसएमई नीति जल्द लागू करने के निर्देश भी दिए। बैठक में मंत्री ने केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही आरएएमपी स्कीम, पदमा स्कीम, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमी स्कीम, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा

औद्योगिक विकास में कोई बाधा न आए। उन्होंने अधिकारियों को 2019 की एमएसएमई नीति में आवश्यक संशोधन शीघ्र पूर्ण करने और नई स्कीम, मिनी क्लस्टर योजना, प्लग एंड प्ले स्कीम, हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति-2020 जैसी कई योजनाओं की समीक्षा की गई।

अगस्त में मेडिकल कॉलेज में चालू होगी ओपीडी : डा. कृष्ण मिड्ढा

एजेंसी

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसका प्रत्येक पात्र व्यक्ति को घर बैठे लाभ दिया जा रहा है। अगस्त में मेडिकल कॉलेज में ओपीडी चालू करवा दी जाएगी। इस ओपीडी के चालू होने से जिला ही नहीं, बल्कि नजदीक लगते क्षेत्र के लोगों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अधिकारी आमजन की शिकायतों को गंभीरता से लें और उनका त्वरित आधार पर समाधान करवाना सुनिश्चित करें। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा गुरूवार को लोक निर्माण विश्राम गृह में जनता दरबार लगा कर आमजन की शिकायतें सुन रहे थे। सभी शिकायतों पर डिप्टी स्पीकर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इन सभी शिकायतों का त्वरित आधार पर समाधान करें। डिप्टी स्पीकर द्वारा अधिकतम शिकायतों का मौके पर समाधान किया गया और दूरभाष से माध्यम से उच्च अधिकारियों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम को देखते हुए अधिकारी अपनी सभी पूरी तैयारी रखें, ताकि शहर एवं गांवों में कहीं भी पानी एकत्रित न हो और सीवरेज व्यवस्था को सुचारू रूप से चालू रखे। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने पत्रकारों से बातचीत करने के दौरान कहा कि जल्द ही मुख्यमंत्री नायब सैनी जींद में आएंगे और जिला को करोड़ों रुपये की विकासात्मक परियोजनाओं की सौगात देंगे। कोशिश है कि मेडिकल कॉलेज में अगले वित्त वर्ष से युवाओं का दाखिला प्रारंभ हो जाए। अब हमको चिकित्सा सुविधा को और सुदृढ़ बनाने के लिए 18 डॉक्टर मिले हैं। इन डॉक्टरों के मिलने से चिकित्सा सुविधा और बेहतर होगी। इस मौके पर पब्लिक हैल्थ के कार्यकारी अभियंता भानु प्रकाश, बिजली बोर्ड के कार्यकारी अभियंता विकास मलिक, मनोनित पार्षद राममेहर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। डिप्टी स्पीकर ने श्याम नगर की पांच गलियों का उद्घाटन भी किया। इन गलियों के निर्माण पर एक करोड़ 67 लाख रुपये की लागत आई है। इन गलियों के बनने से शहरवासियों को काफी फायदा पहुंचा है।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते से वाहन उद्योग को बड़ा अवसरः सियाम

- प्रधानमंत्री और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की उपस्थिति में लंदन में हस्ताक्षर किए गए

नई दिल्ली।

भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीएए) पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की उपस्थिति में लंदन में हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौते के तहत भारत-ब्रिटेन के बीच व्यापारिक शुल्कों में कटौती होगी, जिससे विशेष रूप से वाहन उद्योग सहित कई घरेलू क्षेत्रों को बड़ा लाभ मिलेगा। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के एक अधिकारी ने कहा कि यह समझौता भारतीय वाहन उद्योग के लिए विकास के नए रास्ते खोलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार और उद्योग मिलकर काम करेंगे ताकि इस समझौते के माध्यम से वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़े और तकनीकी उन्नति हो। उन्होंने इसे भारत की वैश्विक आर्थिक भागीदारी को मजबूत करने वाला एक अहम कदम बताया। यह समझौता भारत को ब्रिटेन के बाजार में चमड़ा, विद्युत मशीनरी, रसायन जैसे कई क्षेत्रों में शुल्क मुक्त पहुंच प्रदान करेगा, जिससे लगभग 23 अरब अमेरिकी डॉलर के व्यावसायिक अवसर सृजित होंगे। सियाम ने सरकार द्वारा व्यापार वार्ता में हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श की भी प्रशंसा की है। यह समझौता दोनों देशों के बीच रणनीतिक भागीदारी को गहरा करेगा और वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के बीच भारत के बढ़ते नेतृत्व को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वाहन क्षेत्र के शुल्कों में राहत से उपभोक्ताओं को भी फायदा होगा, जो भारतीय उद्योग के व्यापक हित में है।

नेस्ले इंडिया का मुनाफा 13.4 फीसदी गिरा, लागत बढ़ने से लाभ में कमी

नई दिल्ली।

नेस्ले इंडिया लिमिटेड ने अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में 13.4 प्रतिशत की गिरावट के साथ 646.59 करोड़ का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया है। पिछले साल की इसी अवधि में कंपनी का लाभ 746.6 करोड़ था। हालांकि, इस दौरान कंपनी की उत्पाद बिक्री से आय 5.86 प्रतिशत बढ़कर 5,073.96 करोड़ रही, जो पिछले वर्ष 4,792.97 करोड़ थी। कंपनी ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में घरेलू बिक्री 5.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,860.01 करोड़ रही, जबकि निर्यात 16 प्रतिशत बढ़कर 213.95 करोड़ पर पहुंच गया। नेस्ले इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तिमाही में कच्चे माल की कीमतों में तेजी और विनिर्माण गतिविधियों के विस्तार के कारण परिचालन लागत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इसका

सीधा असर कंपनी के मुनाफे पर पड़ा।

कंपनी का कुल व्यय 9.25 प्रतिशत बढ़कर 4,199.73 करोड़ हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 3,844.52 करोड़ था।

वित्त वर्ष 2025-26 में पांच बड़ी आईटी कंपनियों की रफ्तार रहेगी सीमित

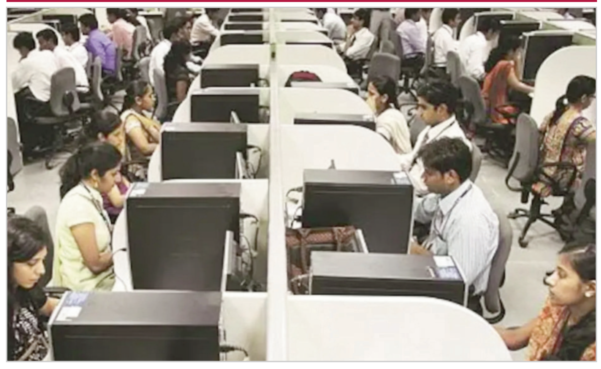

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के नतीजों के बाद देश की पांच सबसे बड़ी आईटी कंपनियों टीसीएस, इन्फोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, विप्रो और टेक महिंद्रा की परफॉर्मेंस देखकर विशेषज्ञों का मानना है कि इस साल सेक्टर में हाई सिंगल डिजिट ग्रोथ की संभावना बेहद कम है। एक रिसर्च फर्म के मुताबिक` वित्त वर्ष 26 में टेक सर्विसेज इंडस्ट्री की ग्रोथ 3-5 फीसदी के बीच रह सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले समय में इन कंपनियों की ग्रोथ मामूली रहेगी और किसी मजबूत रिकवरी की उम्मीद निकट भविष्य में नहीं की जा सकती। इस सुस्ती के पीछे कई वजहें बताई जा रही हैं जैसे वैश्विक आर्थिक कमजोरी, अमेरिका की ट्रेड पॉलिसी में बदलाव और कई देशों में जारी भू-राजनीतिक तनाव, इन वजहों से डील बंद होने में देरी हो रही है और क्लाइंट खर्च में भी तेजी नहीं दिख रही। गौरतलब है कि पिछले दो वित्त वर्षों में इन शीर्ष पांच कंपनियों की रेवेन्यू ग्रोथ लगातार कमजोर रही है। देश की शीर्ष पांच आईटी कंपनियों ने` वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में मिला-जुला प्रदर्शन दिखाया है। टीसीएस ने तिमाही दर तिमाही रेवेन्यू में गिरावट के बावजूद 9.4 अरब डॉलर का ऑर्डर बुक दर्ज किया। इंफोसिस ने भी 3.8 अरब डॉलर के बड़े सौदे हासिल किए, जबकि एचसीएलटेक के लिए कुल ऑर्डर वैल्यू 1.81 अरब डॉलर रही। इंफोसिस का प्रदर्शन सबसे बेहतर माना जा रहा

दुर्लभ खनिज संकट के बीच ईवी कंपनियों को नहीं मिली राहत

- केंद्र सरकार ने कहा, ईवी कंप नियों को ट्रैक्शन मोटर भारत में ही बनानी होगी

नई दिल्ली । भारत सरकार ने इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहन निर्माताओं को स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि वे पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत ट्रैक्शन मोटर और इलेक्ट्रॉनिक थ्रॉटल जैसे महत्वपूर्ण पुर्जों का स्थानीय निर्माण सुनिश्चित करें। भारी उद्योग मंत्रालय की ओर से यह निर्देश ऐसे समय आया है जब चीन ने 4 अप्रैल को दुर्लभ खनिज मैग्नेट के निर्यात पर पाबंदी लगा दी है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला पर असर पड़ा है। मंत्रालय की नामित परीक्षण एजेंसियों ने वाहन निर्माताओं को एक घोषणा पत्र भेजा है, जिसमें यह पुष्टि करने को कहा गया है कि उनके पास नियोडिमियम और डिस्प्रोसियम जैसे दुर्लभ खनिजों का पर्याप्त भंडार है। इन खनिजों का उपयोग ईवी में ट्रैक्शन मोटर और इलेक्ट्रॉनिक थ्रॉटल के निर्माण में होता है। बिना इस घोषणा के कंपनियां सरकार की सब्सिडी योजना का लाभ नहीं उठा सकेंगी। उद्योग जगत ने इस सख्त रुख पर चिंता जताई है। कई कंपनियों का कहना है कि वे स्थानीयकरण के पक्ष में हैं, लेकिन मौजूदा वैश्विक हालात में यह व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने अस्थायी रूप से पूरी तरह असेंबल की गई मोटर्स के आयात की अनुमति मांगी थी, जिसे मंत्रालय ने अस्वीकार कर दिया। महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी, हीरो मोटोकॉर्प, एथर एनर्जी और बजाज ऑटो जैसी कंपनियों ने इस बारे में टिप्पणी नहीं की है। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार का यह कदम आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के इरादे से है, लेकिन इससे ईवी क्षेत्र की वृद्धि फिलहाल प्रभावित हो सकती है।

बाइक आलट्राहाइक 450 को अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेश

नई दिल्ली।

महंगी बाइक बनाने वाली कंपनी मोटो मोरिनी ने अपनी नई एडवेंचर बाइक आलट्राहाइक 450 को अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेश कर दिया है। फिलहाल यूरोप में इस बाइक के लिए प्री-ऑर्डर शुरू हो चुके हैं और सितंबर 2025 से इसकी डिलीवरी भी शुरू होने की योजना है। यह दमदार बाइक सीधे तौर पर रॉयल एनफील्ड हिमालयन 450 और सीएफमोटो 450 एमटी को टक्कर देती है।

हालांकि भारत में इसकी लॉन्च को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन मोटो मोरिनी की भारत में मौजूदा उपस्थिति इसे यहां लाने की संभावनाएं बढ़ा देती है। ब्रेकिंग के लिए दोनों पहियों में सिंगल डिस्क ब्रेक और डुअल-चैनल एबीएस की सुविधा मौजूद है। 190 किलोग्राम के ड्राई वेट वाली इस बाइक में 18.5 लीटर का फ्यूल टैंक, 215एमएम ग्राउंड क्लीयरेंस और ट्रैक्शन कंट्रोल, नेविगेशन, यूएसबी पोर्ट, एडजस्टेबल विंडस्क्रीन जैसी सुविधाएं भी शामिल हैं। इसका स्टाइल भी बेहद आकर्षक है, जिसमें बग-आई हेडलैंप, बीक फ्रंट फेंडर और लंबा टेल सेक्शन दिया गया है।

भारत में लॉन्च होने पर यह बाइक एडवेंचर बाइक सेगमेंट में एक मजबूत खिलाड़ी बन सकती है। आलट्राहाइक 450 को खासतौर पर एडवेंचर लवर्स के लिए तैयार किया गया है। इसमें 450 सीसी का लिक्विड-कूल्ड ट्विन-सिलेंडर इंजन है, जो 44.2 बीएचपी की ताकत और 42एनएम का टॉर्क देता है। स्टील फ्रेम पर बनी इस बाइक में केवायबी का एडजस्टेबल सस्पेंशन, 21-इंच फ्रंट और 18-इंच रियर स्पोक व्हील्स, फ्रंट में यूएसडी फोर्क्स और रियर में लिंक टाइप मोनोशॉक सस्पेंशन दिया गया है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 15 पैसे की गिरावट के साथ ही 86.55 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख और विदेशी की पूंजी निकासी से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई जिससे रुपया शुरुआती कारोबार में 19 पैसे टूटकर 86.59 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि स्थानीय मुद्रा सीमित दायरे में कारोबार कर रही है क्योंकि निवेशक नवीनतम वैश्विक व्यापार घटनाक्रमों पर विचार कर रहे हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.59 पर खुला जो पिछले बंद भाव से 19 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.40 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.23 फीसदी की बढ़त के साथ 97.60 पर आ गया।

एनएसडीएल का आईपीओ 30 जुलाई से खुलेगा

नई दिल्ली । नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) ने अपने 4,011 करोड़ के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 760 से 800 प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। यह आईपीओ 30 जुलाई से 1 अगस्त 2025 तक खुला रहेगा, जबकि एंकर निवेशक 29 जुलाई को ही बोली लगा सकेंगे। आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल पर आधारित है, जिसमें 5.01 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। इससे कंपनी को कोई नया पूंजी निवेश नहीं मिलेगा। शेयर बेचने वालों में एनएसई, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, आईडीबीआई बैंक, यूनियन बैंक शामिल हैं। इस निर्गम के प्रमुख प्रबंधकों में आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, एक्सिस कैपिटल, एचएसबीसी और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स शामिल हैं।

एम्बेसी ऑफिस पार्क्स आरईआईटी ने 2,000 करोड़ के एनसीडी जारी किए

नई दिल्ली । एम्बेसी ऑफिस पार्क्स (आरईआईटी) ने गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र (एनसीडी) जारी कर 2,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। यह एनसीडी 10 वर्ष की अवधि के लिए जारी किए गए हैं, जिनकी कूपन दर पहले पांच वर्षों के लिए 7.25 फीसदी और अगले पांच वर्षों के लिए 7.45 फीसदी है। कंपनी ने इस राशि का उपयोग अपने मौजूदा ऋणों के पुनर्वित्त और ब्याज लागत बचाने के लिए किया जाएगा। इस निर्गम में बीमा कंपनियां, पेंशन फंड, म्यूचुअल फंड सहित 15 से अधिक संस्थागत निवेशकों ने भाग लिया। एम्बेसी आरईआईटी भारत का पहला सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट है, जिसके पास 5.11 करोड़ वर्ग फुट से अधिक कार्यालय क्षेत्र है। यह कार्यालय पार्क बेंगलुरु, मुंबई, पुणे, दिल्ली-एनसीआर और चेन्नई में फैले हुए हैं। कंपनी की यह पहल उसके वित्तीय स्वास्थ्य को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डिक्सन को लॉन्गचियर के साथ संयुक्त उद्यम के लिए मिली सरकार की मंजूरी

नई दिल्ली । डिक्सन टेक्नोलॉजीज को इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से चीन की लॉन्गचियर की सिंगापुर इकाई के साथ संयुक्त उद्यम (जेवी) स्थापित करने की मंजूरी मिल गई है। शेयर बाजार को दी जानकारी के अनुसार, इस जेवी में डिक्सन की 74 फीसदी और लॉन्गचियर की 26 फीसदी हिस्सेदारी होगी। दोनों कंपनियां आपसी सहमति से इसका खाका तैयार करेंगी। डिक्सन इस जेवी के जरिए मोबाइल फोन और लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में प्रयुक्त घटकों के निर्माण और बिक्री को बढ़ावा देगी। कंपनी ने पहले ही चीन की चोंगकिंग युहाई प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग और कुनशान क्यू टेक्नोलॉजी की भारतीय इकाई के साथ समझौते किए हैं। इसके साथ ही, डिक्सन चीनी स्मार्टफोन निर्माता वीवो के साथ भी जेवी की संभावनाएं तलाश रही है। यह साझेदारी भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण को बढ़ावा देने और मेक इन इंडिया पहल को मजबूती देने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

एमएंडबी इंजीनियरिंग का आईपीओ 30 जुलाई को खुलेगा

नई दिल्ली । देश की प्रमुख इंजीनियरिंग कंपनी एमएंडबी इंजीनियरिंग लिमिटेड का 650 करोड़ का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ)। 30 जुलाई को खुलेगा और 1 अगस्त को बंद होगा। इस आईपीओ का मूल्य दायरा 366 से 385 प्रति शेयर तय किया गया है। इसमें 275 करोड़ के नए शेयर और 375 करोड़ की बिक्री पेशकशउ शामिल है, जो प्रवर्तकों द्वारा की जाएगी। कंपनी इस निर्गम से जुटाई गई राशि का उपयोग मशीनरी खरीद, ऋण चुकाने, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों के लिए करेगी। इस इश्यू के प्रबंधक इक्विरस कैपिटल और डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स हैं। कंपनी के शेयर 6 अगस्त को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हो सकते हैं। निवेशकों में इस आईपीओ को लेकर उत्सुकता देखी जा रही है।

ट्रंप ने किया मस्क का समर्थन, टेस्ला पर संकट बरकरार

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टेस्ला के गिरते शेयरों के बीच एलन मस्क की कंपनियों का समर्थन करते हुए कहा है कि उनका मस्क की कंपनियों को बर्बाद करने का कोई इरादा नहीं है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, मैं एलन और देश के सभी व्यवसायों को फलता-फूलता देखना चाहता हूं। यह बयान उस वक़्त आया है जब दोनों के बीच बीते कुछ हफ्तों से जुबानी जंग तेज़ हो गई थी। ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि सरकार मस्क की कंपनियों को मिलने वाली सब्सिडी और कॉन्ट्रैक्ट्स खत्म कर बजट में भारी बचत कर सकती है। इसके जवाब में मस्क ने ट्रंप पर तीखे हमले किए और यहां तक कहा कि ट्रंप के यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंध थे। इस राजनीतिक टकराव का असर टेस्ला और स्पेसएक्स जैसी मस्क की कंपनियों पर पड़ता दिख रहा है। सरकार द्वारा मिलने वाले इलेक्ट्रिक वाहन टैक्स क्रेडिट जैसे 7,500 के नए और 4,000 के इस्तेमालशुदा ईवी टैक्स क्रेडिट 30 सितंबर से खत्म हो रहे हैं। इसके अलावा, व्हाइट हाउस ने डिफेंस डिपार्टमेंट और नासा को स्पेसएक्स के अरबों डॉलर के कॉन्ट्रैक्ट्स की समीक्षा करने को कहा है, जिसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई माना जा रहा है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 721 अंक, निफ्टी 225 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली वाली रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 721.08 अंक नीचे आकर 81,463.09 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 225.10 अंक टूटकर 24,837.00 पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस के शेयरों में जून तिमाही के परिणामों की घोषणा के बाद सबसे ज्यादा 4.73 फीसदी की गिरावट रही। वहीं पावर ग्रिड, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, ट्रेंट, टाटा मोटर्स, एनटीपीसी और अदानी पोर्ट्स के शेयर भी टूटे। केवल सन फार्मा और भारती एयरटेल के शेयर ही ऊपर आये। जानाकारों के अनुसार कंपनियों के तिमाही परिणाम उम्मीद के अनुसार नहीं रहने और दुनिया भर से नकारात्मक संकेतों से भी बाजार गिरा। इसके अलावा लार्ज-कैप शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन और विदेशी संस्थागत

निवेशकों (एफआईआई) की बड़ी शॉर्ट पोजीशन से भी बाजार पर दबाव आया। इस गिरावट से बीएसई लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकर 4.75 लाख करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 453.35 लाख करोड़ रुपये रह गया। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयर थे। बजाज फाइनेंस की एसेट क्वालिटी में गिरावट आई है। कंपनी का ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स (जीएनपीए) एक साल पहले के 0.86 फीसदी से बढ़कर 1.03 फीसदी हो गया है। वहीं नेट एनपीए भी 0.38 फीसदी से बढ़कर 0.50 फीसदी हो गया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचयूएल, टाटा स्टील और मारुति भी गिरावट के साथ ही लाल निशान पर खुले। दूसरी ओर एटरनल (जोमेटो), एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक और एचसीएल टेक में बढ़त देखी गई। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। सेंसेक्स 244 अंक की गिरावट के साथ 81,939 और निफ्टी 86 अंक की कमजोरी के साथ 24,985 पर खुला।

स्कॉर्पियो-एन पिकअप अपने दमदार लुक से मचाएगी तहलका

नई दिल्ली।

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा अपनी लोकप्रिय एसयूवी स्कॉर्पियो-एन के बेस पर एक दमदार पिकअप ट्रक लॉन्च करने जा रही है। एक बार फिर से स्कॉर्पियो-एन पिकअप भारतीय ऑटो मार्केट में तहलका मचाने को तैयार है। यह न केवल स्टाइलिश दिखेगा, बल्कि पावर और यूटिलिटी के मामले में भी शानदार परफॉर्मेंस देगा। यह नया मॉडल खासतौर पर उन ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है जो एक साथ फैमिली और कमर्शियल दोनों तरह के कामों के लिए एक मजबूत और भरोसेमंद वाहन चाहते हैं। इस पिकअप का लुक स्कॉर्पियो-एन एसयूवी से काफी मिलता-जुलता होगा, लेकिन इसमें डबल कैब और सिंगल कैब ऑप्शन, बड़ा लोडिंग बे, नया यूटिलिटी बंपर, शार्क फिन एंटीना और रोलओवर प्रोटेक्शन बार जैसे खास फीचर्स होंगे। स्पाई शॉट्स से इसके दमदार स्टाइल का अंदाजा लगाया जा सकता है। आरडब्ल्यूडी और 4डब्ल्यूडी ड्राइव ऑप्शन के साथ यह पिकअप ऑफ-रोडिंग के शौकीनों के लिए भी एक बेहतरीन विकल्प साबित होगा।

हालांकि लॉन्च डेट अभी तय नहीं है, लेकिन उम्मीद है कि जल्द ही महिंद्रा इसे ऑफिशियली पेश करेगी। फीचर्स की बात करें तो इसमें लेवल-2 अडास, 5जी कनेक्टिविटी, ट्रेलर स्वे कंट्रोल और कई एयरबैग्स जैसे आधुनिक सुरक्षा और टेक्नोलॉजी फीचर्स मिल सकते हैं। इंजन के रूप में इसमें वही 2.0-लीटर टर्बो पेट्रोल और 2.2-लीटर डीजल इंजन होंगे जो स्कॉर्पियो-एन और थार में मिलते हैं।

आईटीसी मध्यम अवधि में नई विनिर्माण इकाइयों में 20,000 करोड़ का करेगी निवेश

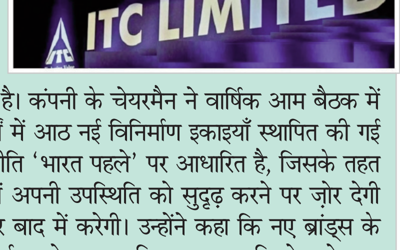

कोलकाता । आईटीसी लिमिटेड ने मध्यम अवधि में अपने विनिर्माण नेटवर्क को मजबूत करने के लिए 20,000 करोड़ निवेश की घोषणा की है। कंपनी के चेयरमैन ने वार्षिक आम बैठक में बताया कि पिछले वर्षों में आठ नई विनिर्माण इकाइयाँ स्थापित की गई हैं। आईटीसी की रणनीति 'भारत पहले' पर आधारित है, जिसके तहत कंपनी घरेलू बाज़ार में अपनी उपस्थिति को सुदृढ़ करने पर ज़ोर देगी और विदेशों में विस्तार बाद में करेगी। उन्होंने कहा कि नए ब्रांड्स के माध्यम से मूल्य संवर्धन को बढ़ावा दिया जाएगा। सिगरेट से इतर व्यवसाय अब कंपनी की कुल आमदनी का 65त्न हिस्सा बन चुका है। आईटीसी आज एफएमसीजी, होटल, कृषि और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सक्रिय है। यह निवेश कंपनी के विविधीकृत विकास और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मोदी की मालदीव यात्रा से हिंद महासागर में फिर मजबूत हुई भारत की पकड़, चीन की बेचैनी बढ़ी

नीरज कुमार दुबे

मोदी की मालदीव यात्रा से पड़ने वाले असर को देखें तो इस ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब भी मालदीव की रणनीतिक प्राथमिकता है। साथ ही श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश जैसे पड़ोसी भी देख रहे हैं कि भारत बिना धमकाए, बिना ऋणजाल के, सहयोग और स्थिरता का मार्ग प्रस्तुत करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मालदीव यात्रा केवल एक औपचारिक राजकीय दौरा नहीं है, बल्कि यह दक्षिण एशिया की भू-राजनीतिक बिसात पर भारत की चतुर कूटनीति, रणनीतिक धैर्य और नेतृत्व क्षमता का स्पष्ट प्रदर्शन भी है। यह यात्रा इस प्रश्न का उत्तर भी है– कि कैसे भारत ने 'चीन की गोद में जाते' मालदीव को फिर से अपने पक्ष में मोड़ लिया।

हम आपको याद दिला दें कि 2023 में जब मोहम्मद मुइज्जू सत्ता में आए, तो उन्होंने खुलकर "India Out" अभियान का समर्थन किया और भारतीय सैन्य उपस्थिति पर सवाल उठाए। उनकी शुरूआती विदेश यात्राएं भी संकेत दे रही थीं कि मालदीव अब चीन के करीब जा रहा है। लेकिन भारत ने जल्दबाजी में कोई कड़ा कदम नहीं उठाया। इसके विपरीत, उसने "Engagement over Escalation" (संवाद, न कि टकराव) की नीति अपनाई। भारत ने रक्षा कर्मियों को तकनीकी विशेषज्ञों से बदला, जिससे मालदीव की 'संप्रभुता' की चिंता को दूर किया गया, लेकिन रणनीतिक उपस्थिति बनाए रखी गई। साथ ही विकास परियोजनाओं को बिना शोर के आगे बढ़ाया गया जिससे आम जनता को भारत की भूमिका का सकारात्मक प्रभाव दिखता रहा। इसके अलावा, आर्थिक मदद जैसे 30 अरब रुपये की ऋण सुविधा, करेंसी स्वैप और ट्रेजरी बिलों से मालदीव की डूबती अर्थव्यवस्था को सहारा दिया गया। साथ ही सांस्कृतिक, राजनीतिक और पार्टी-स्तरीय जुड़ाव को फिर से शुरू किया गया, जिससे भारत और मालदीव के बीच बहुस्तरीय संपर्क बने रहें।

इसके अलावा, 2024-25 में भारत ने नई परियोजनाएं घोषित करने की बजाय पूर्ववर्ती विकास कार्यक्रमों को तेजी से पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया। हनीमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट जैसे विशाल निर्माण कार्य इसके उदाहरण हैं। इनका न केवल आर्थिक, बल्कि रणनीतिक महत्व भी है क्योंकि ये चीन समर्थित बंदरगाह-राजनीति के विकल्प प्रस्तुत करते हैं।

देखा जाये तो भारत की नीति में जबरदस्त कूटनीतिक परिपक्वता थी। भारत ने मुइज्जू की ओर से उकसाने के बावजूद भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीतिक सोच के साथ अपने कदम आगे बढ़ाये। प्रधानमंत्री मोदी जब मालदीव पहुँचे तो उनके स्वागत के

लिए उमड़ी जनता और अगवानी के लिए पहुँचे मुइज्जू की खुशी देखने लायक थी। हम आपको बता दें कि मालदीव जैसे राष्ट्र में यह परंपरा नहीं रही कि राष्ट्रपति स्वयं एयरपोर्ट पर किसी राष्ट्राध्यक्ष की अगवानी करें। मुइज्जू का प्रधानमंत्री मोदी को हवाई अड्डे पर व्यक्तिगत रूप से रिसीव करना कई गहरे संदेश देता है। जैसे- यह "India Out" अभियान से पूरी तरह यू-टर्न है। अब राष्ट्रपति खुद भारत के सर्वोच्च नेता के स्वागत में खड़े हैं। इसके अलावा, मुइज्जू यह दिखाना चाहते हैं कि अब भारत के साथ सहयोग राष्ट्रहित में है। यह संकेत देशवासियों के लिए है कि भारत शत्रु नहीं, सहायक है। यह कूटनीतिक संकेत भी है कि भारत, अब भी मालदीव की विदेश नीति में सर्वोपरि है, चाहे चीन ने कितनी भी कोशिश की हो।

इसके अलावा, मालदीव की राजधानी माले में, भारत की मदद से बने रक्षा मंत्रालय भवन पर प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर प्रदर्शित होना भी अपने आप में महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। यह न केवल भारत की रक्षा सहायता की स्थायित्व को दशार्ता है, बल्कि यह मालदीव की जनता को दिखाता है कि चीन कर्ज देता है लेकिन भारत सुरक्षा और स्थिरता देता है। देखा जाये तो यह भारत की Soft Power की जीत है, जो किसी भी सैन्य हथियार या बंदरगाह समझौते से अधिक प्रभावशाली साबित हुई है।

मोदी की मालदीव यात्रा से पड़ने वाले असर को देखें तो इसने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब भी मालदीव की रणनीतिक प्राथमिकता है। साथ ही श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश जैसे पड़ोसी भी देख रहे हैं कि भारत बिना धमकाए, बिना ऋणजाल के, सहयोग और स्थिरता का मार्ग प्रस्तुत करता है। इसके अलावा, मालदीव की भौगोलिक स्थिति हिंद महासागर की व्यापक सामरिक निगरानी के लिए महत्वपूर्ण है। मोदी की यात्रा के बाद भारत की मौजूदगी और वैधता वहाँ स्थिर और वैधानिक हो गई है– यह चीन के लिए एक रणनीतिक अवरोध है।

हम आपको बता दें कि यह पहली बार है जब कोई भारतीय प्रधानमंत्री गैर-MDP सरकार द्वारा आमंत्रित होकर स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर 'मुख्य अतिथि' बना है। यह न केवल आपसी सम्मान का परिचायक है, बल्कि यह भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति की सफलता का भी प्रमाण है। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की यह राजकीय यात्रा किसी शासनाध्यक्ष की पहली राजकीय यात्रा भी है, जिसकी मेजबानी राष्ट्रपति मुइज्जू नवंबर 2023 में पदभार ग्रहण करने के बाद से कर रहे हैं। हम आपको यह भी बता दें कि मालदीव में एक परम्परा रही है कि नया राष्ट्रपति बनने वाला व्यक्ति पहला दौरा भारत का करता है लेकिन मुइज्जू ने सबसे पहला दौरा तुर्की का किया था उसके बाद वह संयुक्त अरब अमीरात गये थे। उसके बाद उन्होंने चीन की बहुप्रचारित यात्रा भी की थी लेकिन उन्हें जब दूसरों के कर्ज जाल और भारत की निस्वार्थ मदद के बीच का अंतर समझ आया तो पिछले साल उन्होंने दो बार भारत का दौरा किया था और अब उन्होंने अपने कार्यकाल में किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष को राजकीय यात्रा पर आमंत्रित किया तो वह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं।

इस तरह देखा जाये तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मालदीव यात्रा एक प्रतीकात्मक ही नहीं, बल्कि रणनीतिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण घटना है। यह यात्रा न केवल द्विपक्षीय संबंधों में आई खटास के बाद एक 'रीसेट' का संकेत देती है, बल्कि यह दिखाती है कि भारत किस तरह अपने पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों को दीर्घकालिक दृष्टि से संभालता है।

बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा न केवल 60 वर्षों के द्विपक्षीय संबंधों का उत्सव है, बल्कि आने वाले दशकों की दिशा भी तय करती है। भारत और मालदीव के संबंध अब केवल सांस्कृतिक और ऐतिहासिक साझेदारी नहीं हैं– वे समुद्री सुरक्षा, विकास, और क्षेत्रीय संतुलन के मजबूत स्तंभ बनते जा रहे हैं। यह यात्रा एक स्पष्ट संकेत देती है कि भारत, आलोचना से विचलित हुए बिना, अपने पड़ोस में स्थिरता और सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। और यही किसी भी परिपक्व वैश्विक शक्ति की सबसे बड़ी पहचान होती है।

मुंबई लोकल ट्रेन बम धमाकों का फैसला और उठते सवाल

ललित गर्ग

जुलाई 11- 2006 को मुंबई की भीड़भरी लोकल ट्रेनों में हुए सीरियल बम धमाकों ने समूचे देश को झकझोर कर रख दिया था। पीडित परिवारों के साथ-साथ जन-जन को आहत किया था। 7 जगहों पर हुए इन धमाकों में 187 निर्दोष लोगों की जान गई और 824 से ज्यादा लोग घायल हुए। यह भारत के सबसे बड़े आतंकी हमलों में से एक था। लेकिन इन बम धमाके को लेकर सोमवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया, कोर्ट ने विशेष मकोका अदालत की ओर से 12 अभियुक्तों को दी गई सजा को गैरकानूनी करार दिया। इन सभी आरोपियों का बरी हो जाना सवाल के साथ-साथ चिन्ता भी पैदा करता है। इसीलिये करीब 19 साल बाद आए अदालत के इस फैसले को लेकर न केवल कानूनी दायरे में, बल्कि सामाजिक व नैतिक दृष्टिकोण से भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं। क्योंकि बॉम्बे हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद सवाल वहीं घूमकर आ जाता है कि इतने बड़े नुकसान का दोषी कौन है?

लम्बी न्यायिक प्रक्रिया एवं जांच के बाद 2015 में मुंबई की विशेष मकोका अदालत ने 12 अभियुक्तों को दोषी करार दिया, जिसमें से 5 को फांसी और 7 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। यह फैसला लगभग 8 वर्षों की सुनवाई, 250 से ज्यादा गवाहों और हजारों पन्नों की गवाही के बाद आया। लेकिन 2023 और फिर 2025 में कुछ सिविल सोसाइटी संगठनों, मानवाधिकार समूहों और कुछ कानूनी विशेषज्ञों ने फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कुछ दोषियों को पर्याप्त सबूतों के बिना फंसाया गया, पुलिस की जांच पक्षपातपूर्ण रही और कई जगह कानून के दायरे का अतिक्रमण किया गया। इसी को आधार बनाकर हाईकोर्ट में जिस तरह से एक-एक करके सारे सबूतों की धज्जियां उड़ायी, उससे पूरे सिस्टम को लेकर संदेह उठता है। जब इतने अहम मामले में इतनी लचर एवं लापरवाहीपूर्ण जांच हुई, तो फिर दूसरे तमाम केस में क्या होता होगा? गवाहों के बयान दर्ज करने से लेकर सबूत जुटाने तक, हर जगह लापरवाही एवं कौताही बरती गई।

कानून की दृष्टि में अपराध केवल घटना नहीं, उस घटना के पीछे की मंशा, सबूतों की पुष्टि, प्रक्रिया की शुद्धता और निष्पक्षता का भी मूल्यांकन करता है। ह्लदोषी को सजा मिलनी चाहिएह्व-यह एक सार्वभौमिक सिद्धांत है, लेकिन ह्लनिर्दोष को दंड न मिलेह्व-यह उससे भी अधिक महत्वपूर्ण नैतिक सिद्धांत है। भारतीय दंड संहिता, मकोका और गैरकानूनी गतिविधियाँ रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) जैसे सख्त कानून आतंकवाद से निपटने के लिए बनाए गए, लेकिन इनका उपयोग अक्सर राजनीतिक प्रभाव, मीडिया ट्रायल, या जनभावनाओं को शांत करने के लिए किया गया है। ट्रेनों में हुए सीरियल बम धमाकों के मामले में अनेक ज्वलंत सवाल खड़े हुए हैं कि क्या सभी दोषियों को वास्तव में पर्याप्त प्रमाणों के आधार पर दोषी ठहराया गया है? यदि नहीं, तो यह न्याय व्यवस्था के लिए एक गंभीर प्रश्न है। क्या पुलिस या जांच एजेंसियों ने निष्पक्ष जांच की? कई बार जांच एजेंसियों पर ह्यनतीजे पहले, जांच बाद मेंह्व का आरोप लगा है। क्या विशेष अदालतों का गठन निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करता है या त्वरित दंड की नीति अपनाता है? क्या कानून केवल सख्ती का पर्याय बन गया है या उसमें मानवीय संवेदना का स्थान है? क्या मीडिया ट्रायल ने वास्तविक न्याय को प्रभावित किया? इन प्रश्नों के उत्तर मिलना ही चाहिए।

देश के सामने आतंकवाद के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की चुनौती है, तो वहीं न्याय की नैतिकता बनाए रखने की भी जिम्मेदारी है। अगर कानून का इस्तेमाल अन्याय के लिए किया गया, तो आतंकवाद के खिलाफ जंग की नैतिकता ही सवालों में पड़ जाएगी। न्याय केवल प्रतिशोध नहीं, बल्कि नैतिक और विधिसम्मत संतुलन का नाम है। जो निर्दोष है, उसे दोषमुक्त करना और जो दोषी है, उसे यथोचित दंड देना- यही कानून का आदर्श उद्देश्य है। मुंबई बम धमाके जैसी वीभत्स घटनाएं देश के लिए चुनौती हैं, लेकिन इन चुनौतियों से निपटने के नाम पर अगर हम न्याय और कानून के मूलभूत सिद्धांतों से समझौता करते हैं, तो हम एक असुरक्षित और अन्यायपूर्ण समाज की नींव रखेंगे। आवश्यक है कि न्याय केवल न्यायालयों की प्रक्रिया न रहे, वह जनविश्वास का प्रतीक बने। एक बड़ा सवाल है कि न्याय व्यवस्था पर भरोसा कैसे बना रहे? इसके लिये जरूरी है कि जांच प्रक्रिया पारदर्शी हो, आरोपों की पुष्टि डिजिटल और वैज्ञानिक सबूतों से हो। अदालतें किसी दबाव, राजनीतिक प्रभाव या जनभावना से परे निर्णय लें। न्याय में देरी भी अन्याय है, लेकिन जल्दबाजी में न्याय भी गलत निर्णय की आशंका बढ़ाता है। सभी मामलों में उच्च न्यायालय व सर्वोच्च न्यायालय में स्वतंत्र और निष्पक्ष पुनरावलोकन की व्यवस्था रहे। निचली अदालते हो या सर्वोच्च अदालते- न्यायिक फैसलों का बदलना न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता एवं निष्पक्षता के लिये गंभीर चुनौती है। ऐसे अनेक मामले हैं जिनमें निचली अदालतों में दिये गये मौत की सजा को ऊपरी अदालतों ने बदल दिया। जांच में खामियों, गवाही में कमी और कमजोर सबूतों के चलते ऊपर की अदालतों में केस खारिज होते हुए बार-बार देखे गये हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने हाल में एक आरोपी की मौत की सजा को खारिज करते हुए कहा कि ह्यजब दांव पर इंसानी जिंदगी लगी हो और उसकी कीमत खून हो, तो मामले को पूरी ईमानदारी से देखा जाना चाहिए।ह्व दुर्भाग्य से मुंबई की लोकल ट्रेनों में हुए सीरियल बम ब्लास्ट की जांच में इस भावना का सही से पालन नहीं किया गया। इस मामले में सभी आरोपियों का बरी हो जाना न केवल न्याय प्रक्रिया पर बल्कि जांच एजेंसियों पर सवाल पैदा करता है। प्रश्न है कि अगर 12 लोग निर्दोष थे तो इतने बरसों तक आतंकी होने का दाग लिए जिल्लत की जिंदगी क्यों जीते रहे? अगर ये दोषी थे तो जांच इतनी कमजोर क्यों हुई? यह केस निचली अदालतों के कामकाज के तरीकों पर भी बड़ा सवालिया निशान है। सबूतों को लेकर इतने संदेह थे, लेकिन निचली अदालत ने उन पर गौर नहीं किया। यह विडम्बनापूर्ण एवं हमारी न्याय प्रक्रिया की विसंगति ही है। यह पहला मामला नहीं, जहां जांच में खामियों, गवाही में कमी और कमजोर सबूतों के चलते ऊपर की अदालतों में केस खारिज हो गया हो। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पिछले हफ्ते तीन लोगों की मौत की सजा रद्द करते हुए उन्हें हत्या के आरोपों से बरी कर दिया था। पिछले ही हफ्ते सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने भी 2011 में हुई दोहरी हत्या और रेप के आरोपी को छोड़ने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने जांच में गंभीर कमियां गिनाई थीं। इसी दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया था कि झूठे मुकदमों की वजह से जिन्हें लंबा समय जेल में बिताना पड़ा है, उन्हें मुआवजा देने के लिए कानून बनाने पर विचार करना चाहिए। अब मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट केस को लेकर महाराष्ट्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। महाराष्ट्र सरकार लोकल ट्रेन बम धमाके में आरोपियों को निर्दोष छोड़ने के बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुए अपील दायर की है।...

कारगिल युद्ध के नायकों के शौर्य और वीरता को नमन

योगेश कुमार गोयल

जुलाई 26 को देश कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ मनाएगा। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज को बुरी तरह धूल चटाई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच जम्मू कश्मीर के कारगिल जिले में हुआ वह युद्ध 60 दिनों तक चला था और पाकिस्तान फौज की करारी शिकस्त के बाद 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ था। पाकिस्तान पर भारत की इस जीत को याद करते हुए 26 जुलाई को ह्यकारगिल विजय दिवसह्व के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तानी सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन विजय' के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी। दरअसल उस युद्ध में भारत को विजय दिलाने में भारतीय सेना के सैंकड़ों जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में न केवल भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए थे बल्कि दो महीने तक चले उस युद्ध के दौरान 453 आम नागरिक भी मारे गए थे। इसीलिए भारतीय सेना की उस विजय के बाद सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 26 जुलाई को भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में कारगिल विजय दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। सही मायनों में कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके बलिदान को सम्मान देने का दिन है और 26 जुलाई का दिन विशेष रूप से देश के इन्हीं वीर सपूतों को समर्पित है। देश के जन-जन तक कारगिल युद्ध के इन्हीं नायकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा पहुंचाने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है।

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था। युद्ध की खास बात यह थी कि वह युद्ध काफी ऊंचाई पर लड़ा गया था, जिसमें कुछ सैन्य चौकियां तो 18 हजार फुट से भी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित थी। ऐसे में भारतीय सैनिकों के लिए वह लड़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमारे जांबाजों ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहूति देकर न केवल पाकिस्तान को उसकी असली औकात दिखाई बल्कि 700 से भी ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट भी उतारा। दुश्मन को रणनीतिक स्थानों से हटाने के लिए महत्वपूर्ण हवाई हमले करते हुए भारतीय वायुसेना ने उस युद्ध के दौरान बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय सेना ने युद्ध के दौरान टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 4875 सहित अन्य रणनीतिक चोटियों पर फिर से कब्जा कर लिया था।

कारगिल युद्ध की शुरूआत 26 मई 1999 को भारतीय सेना के हवाई हमले के साथ हुई थी। दरअसल भारतीय सेना को 3 मई 1999 को कारगिल में स्थानीय चरवाहों द्वारा पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बारे में सतर्क किया गया था और उसके दो ही दिन बाद 5 मई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के कम से कम 5 जवानों को मार डाला था। उसके बाद 10 मई 1999 को भारतीय सेना द्वारा ह्यऑपरेशन विजयह्व की शुरूआत की गई। उस दौरान कारगिल में पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के गोला-बारूद भंडार को निशाना बनाया। 26 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों पर हवाई हमला किया। 27 मई को भारतीय वायुसेना का एक मिग-27 गिर गया, जिसमें चार क्रू सदस्यों की मौत हो गई लेकिन विमान से बाहर निकलने वाले पायलट को पाकिस्तानी सैनिकों ने युद्धबंदी के रूप में पकड़ लिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 31 मई 1999 को घोषणा की कि कारगिल में युद्ध जैसी स्थिति है, जिसके बाद अमेरिका, फ्रांस सहित कुछ देशों ने अगले ही दिन भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय सेना ने 5 जून 1999 को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए, जिनसे पूरी दुनिया के समक्ष पाकिस्तान की करतूत का खुलासा हुआ।

भारतीय सेना ने 9 जून 1999 को कारगिल के बटालिक सेक्टर में दो महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया। अगले ही दिन पाकिस्तान ने जाट रेजिमेंट के 6 सैनिकों के शव क्षत-विक्षत हालत में भारत को लौटाए। 13 जून 1999 को भारत ने युद्ध की दिशा बदलते हुए महत्वपूर्ण टोलोलिंग चोटी पर भी कब्जा कर लिया और प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कारगिल का दौरा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 15 जून 1999 को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे हटाने का आग्रह किया लेकिन पाकिस्तान ने उस अपील को अनसुना कर दिया। 11 घंटे के भीषण संघर्ष के बाद भारतीय सेना ने 20 जून 1999 को टाइगर हिल के पास प्वाइंट 5060 और प्वाइंट 5100 पर भी पुनः कब्जा कर लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 5 जुलाई 1999 को नवाज शरीफ से मुलाकात की, जिसके बाद पाकिस्तान ने कारगिल से पाकिस्तानी सैनिकों को हटाने की घोषणा की। 11 जुलाई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने पीछे हटना शुरू किया और भारतीय सेना ने बटालिक की प्रमुख चोटियों पर कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने 14 जुलाई 1999 को ह्यऑपरेशन विजयह्व की सफलता की घोषणा की और 26 जुलाई 1999 को वीर 527 सैनिकों की शहादत के बाद कारगिल युद्ध समाप्त हुआ।

बहुत ऊंचाई पर लड़े गए उस भीषण युद्ध के दौरान अपनी बहादुरी और साहसिक कार्यों के लिए कई सैन्य अधिकारी राष्ट्रीय नायक बन गए, जिनमें 13 जेएके राइफल्स के कैप्टन विक्रम बत्रा, 18 ग्रेनेडियर्स के ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव, 1/11 गोरखा राइफल्स के लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, 18 ग्रेनेडियर्स के लेफ्टिनेंट बलवान सिंह, एएससी, 2 राज आरआईएफ के कैप्टन एन केंगुरुसे प्रमुख रूप से शामिल हैं। युद्ध के दौरान भारत सेना के अनेक नायकों ने अपने प्राणों की आहुति इसीलिए दी ताकि पूरा देश चैन की नींद सो सके। कारगिल युद्ध में शौर्य और पराक्रम के लिए ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव तथा लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे को परमवीर चक्र और लेफ्टिनेंट बलवान सिंह को महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। कैप्टन एन केंगुरुसे को मरणोपरांत महावीर चक्र और कैप्टन विक्रम बत्रा को मरणोपरांत परमवीर चक्र प्रदान कर उनकी शहादत का सम्मान किया। कारगिल युद्ध के दौरान कैप्टन विक्रम बत्रा के शब्द, ह्यये दिल मांगे मोरह्व तो अब भी लोगों के कानों में गूंजते हैं। कारगिल युद्ध के ऐसे ही वीर नायकों की बहादुरी, साहस और जुनून की कहानियां आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में जोश भर देती हैं।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

सवाल भारत की साख का

भारतीय खिलाड़ियों में जैसी क्षमता दिखती है, उससे उम्मीद है कि देश वैश्विक खेल परिदृश्य में महत्त्वपूर्ण स्थान बना लेगा। मगर इसके बरक्स जिस तरह डोपिंग के मामले बढ़ रहे हैं, वह चिंता का विषय है। गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 2036 ओलंपिक की दावेदारी के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल के दौरे के समय अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक परिषद ने डोपिंग में देश के खराब रिकार्ड पर चिंता जताई है। दरअसल, भारत पिछले महीने विश्व डोपिंग रोधी एजंसी के 2023 के जांच आंकड़ों में उन देशों में शीर्ष पर था, जिन्होंने पांच हजार या उससे ज्यादा नमूनों की जांच कराई थी, जबकि इसमें प्रतिबंधित पदार्थों का फीसद 3.8 दर्ज किया गया। ज्यादातर खेलों में डोपिंग की समस्या है। मगर दौड़ और कुश्ती में यह निराशाजनक है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजंसी की निलंबित खिलाड़ियों की सूची बताती है कि अन्य खेलों के मुकाबले कुश्ती में डोपिंग के सबसे अधिक उन्नीस मामले हैं। इनमें अगर पांच खिलाड़ी नाबालिग हैं, तो इससे साफ है कि उन्हें उचित मार्गदर्शन नहीं मिला और उन्होंने गलत कदम उठा लिया। लिहाजा अब यह सोचना होगा कि ऐसे खिलाड़ी सिर्फ खेल भावना के साथ देश के लिए खेलें और कुछ भी ऐसा न करें, जिससे उनके भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़े। कोई भी कामयाबी आत्मविश्वास और अनुशासन से ही मिलती है। हमारे खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत और लक्ष्य का संधान कर भारत का गौरव बढ़ाया है। मगर जल्द से जल्द शोहरत-सम्मान पाने की भूख चंद खिलाड़ियों को गलत रास्ते पर ले जा रही है। यह सही है कि किसी भी प्रतियोगिता में खिलाड़ी पदक के दावेदार के तौर पर सामने आते हैं, लेकिन विजेताओं को आर्थिक लाभ के साथ सरकारी नौकरियां मिलने से उनकी मानसिकता पर असर पड़ा है। दूसरी ओर उन्हें गुमराह करने वाले भी मिल जाते हैं। नतीजा यह है कि जानते-बूझते हुए भी वे गलत राह अपना लेते हैं। ऐसे में कोच का भी दायित्व है कि वे खिलाड़ियों के भीतर जागरूकता पैदा करें। फिलहाल एक बड़ा कदम भारतीय ओलंपिक संघ की कार्यकारी परिषद ने उठाया है। उसने एक पैनल का गठन कर स्पष्ट कर दिया है कि ऐसे मामले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

चिंतन-मनन

व्यक्तिगत चेतना का विस्तार

दूसरों के सुख-दुख का भागी बनने से हमारी व्यक्तिगत चेतना विकसित होकर विश्व चेतना बन जाती है। समय के साथ जब ज्ञान की वृद्धि होती है, तब उदासीनता संभव नहीं। तुम्हारा आंतरिक स्त्रोत ही आनन्द है।अपने दुःख को दूर करने का उपाय है विश्व के दुख में भागीदार होना और अपनी खुशी को बढ़ाने का उपाय है विश्व के आनन्द में सहभागी होना। जब सभी लोग इस विचार से आएंगे कि वे समाज को अपना क्या योगदान दें, तो वह दैवी समाज होगा।हम सबको अपनी व्यक्तिगत चेतना को शिक्षित और शिष्ट करना है ताकि समय के साथ ज्ञान की वृद्धि हो, परिवर्तन आए। यदि ध्यान में तुम्हें गहन अनुभव न हो रहे हों तो और सेवा करो- ध्यान में अधिक गहराई आएगी।ध्यान तुम्हारी मुस्कान वापस लाता है। कई व्यक्ति सेवा करना छोड़ देते हैं जब वे अपनी छवि, प्रतिष्ठा, सम्मान, सुविधा और आराम को लक्ष्य की प्राप्ति से अधिक महत्व देने लगते हैं। कई बार लोग सेवा से कतराने लगते हैं, जब उन्हें कोई पद नहीं मिलता या जब वे अपमानित महसूस करते हैं। जब उन्हें अपेक्षानुसार कम मिलता है या जब वे लक्ष्य की प्राप्ति को चुनौती न समझकर संघर्ष समझते हैं। इसीलिए, संसार में कुछ ही लोग लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब होते हैं।

जब ऐसा कुछ करना है जो तुम नहीं कर सकते, तब विश्राम नहीं कर सकते और तब भी विश्राम नहीं कर सकते जब लगता है कि तुम्हें वह बनना है जो तुम नहीं हो। ऐसा कुछ नहीं करना जो तुम नहीं कर सकते। तुमसे वह देने के लिए नहीं कहा जाएगा जो तुम नहीं दे सकते। जितना तुम कर सकते हो, केवल वही तुम्हारे हिस्से की सेवा है।यह समझ गहरा विश्राम देती है। यदि तुममें आकांक्षा या आलस्य है, तुम विश्राम नहीं कर सकते।दोनों ही गहरे विश्राम के विरुद्ध हैं। एक आलसी व्यक्ति रात भर करवटें बदलेगा, बेचैन रहेगा और एक आकांक्षी व्यक्ति अंदर ही अंदर जलेगा।गहन विश्राम तुम्हारी कलाओं और योग्यताओं को उभारता है और तुम्हें अपने स्वरूप के समीप लाता है।थोड़ा सा भी यह आभास कि ईश्वर तुम्हारे साथै है, गहरा विश्राम लाता है।प्रार्थना, प्रेम तथा ध्यान गहन विश्राम के विशिष्ट रस हैं।

कोटा में युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग, सीसीटीवी फुटेज आया सामने

कोटा (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा जिले में देर रात दादाबाड़ी थाना क्षेत्र के वक्फ नगर में 5 बदमाशों ने एक युवक इरशाद (28) पर उसके घर के बाहर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। हमले में इरशाद को दो गोलियां लगी हैं, और घायल इरशाद को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें बदमाश फायरिंग करते साफ दिख रहे हैं। इरशाद ने बताया कि अल्फेज, शाहरुख, सलमान और भाया नाम के बदमाश दो बाइकों पर आए और उन पर 7 राउंड फायर किए। इरशाद का कहना है कि इन लोगों से उनकी पुरानी दुश्मनी है और पहले भी उस पर चाकू से हमला कर चुके हैं। कोटा पुलिस ने बदमाशों की धरपकड़ के लिए टीम गठित कर दी है। डीएसपी योगेश शर्मा ने बताया कि देर रात फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुरानी रंजिश के चलते हुई इस वारदात में घायल इरशाद को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। बदमाशों की धरपकड़ के लिए टीम गठित कर दी गई है। पुलिस टीम अलग-अलग इलाकों में दबिश दे रही है और जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मनसे कार्यकर्ताओं ने होटलों के बाहर गुजराती में लिखे साइनबोर्ड हटाए

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने मराठी साइनबोर्ड के इस्तेमाल की मांग को लेकर मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर स्थित कई होटलों के बाहर गुजराती में लिखे साइनबोर्ड को हटा दिया। महाराष्ट्र का पालघर जिला गुजरात की सीमा से लगा हुआ है। यह प्रदर्शन राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में हिंदी को अनिवार्य करने को लेकर उठे विवाद के तुरंत बाद शुरू हुआ। सूत्रों ने बताया कि मनसे समर्थकों ने हलोली गांव के पास होटल के बाहर गुजराती में लिखा साइनबोर्ड तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि कई होटलों ने गुजराती में लिखे अपने बोर्ड काले कपड़े से ढक दिए हैं।

मायानगरी मुंबई में सुबह से हो रही मूसलाधार बारिश... कई इलाकों में जलभराव

मुंबई (एजेंसी)। मायानगरी मुंबई में शुक्रवार सुबह से ही लगातार बारिश हो रही है। भारी बारिश होने से कई इलाकों में जलभराव हो गया है। सुबह-सुबह दफ्तर जाते वक्त तेज बारिश से ट्रैफिक और लोकल ट्रेनों की रफ्तार भी थोड़ी सुस्त है। अंधेरी ईस्ट में भारी बारिश के कारण जलभराव हुआ है। इसकारण अंडरपास बंद किया गया है। बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स इलाके में भी मूसलाधार बारिश हो रही है। मुंबई में अगले कुछ दिनों तक मध्यम से भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। बता दें कि आईएमडी ने शुक्रवार सुबह के वक्त मुंबई, ठाणे और पालघर जिलों में कुछ स्थानों पर तेज बारिश होने की संभावना जाहिर की थी। वहीं, 27 जुलाई तक हाई टाइड (ऊँची समुद्री लहरें) की चेतावनी दी है। जुहू बीच, मरीन ड्राइव और अन्य समुद्री तटीय क्षेत्रों में जाने से मना किया गया है। हाई टाइड के समय समुद्र की लहरें 4.5 मीटर (लगभग 15 फीट) तक ऊंची हो सकती हैं। इससे निचले इलाकों में पानी भरने का खतरा बना हुआ है। लगातार बारिश को देखकर मुंबई पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। मुंबई और आसपास के ज़िलों में भारी बारिश के कारण नागरिकों को सलाह दी गई है कि जब तक बहुत ज़रूरी न हो, घर के अंदर ही रहें, तटीय इलाकों से बचें और सावधानी से गाड़ी चलाएं।

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को समन पर रोक का अंतरिम आदेश बरकरार रखा

-सावरकर पर टिप्पणी से जुड़ा हुआ है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ उत्तर प्रदेश में दर्ज एक आपराधिक मामले में समन पर लगी रोक को फिलहाल जारी रखा है। यह मामला 2022 में विनायक दामोदर सावरकर पर राहुल गांधी की कथित विवादास्पद टिप्पणी से जुड़ा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने शुक्रवार को इस मामले में सुनवाई करते हुए समन पर रोक को आगे भी बरकरार रखने का निर्देश दिया और अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद निर्धारित की है। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने निचली अदालत द्वारा जारी समन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर न्यायिक राहत की मांग की थी। अदालत ने पहले ही मामले की सुनवाई पर अंतरिम रोक लगाई हुई थी, जिसे अब आगे भी जारी रखा गया है।

राज्य सरकार ने दाखिल किया जवाब- उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गरिमा प्रसाद ने अदालत को सूचित किया कि राज्य सरकार ने राहुल गांधी द्वारा दाखिल याचिका के जवाब में अपना पक्ष कोर्ट में प्रस्तुत कर दिया है।

66 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति निष्ठा की शपथ ली

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में 66 कट्टर नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, जो राज्य में वामपंथी उग्रवाद के लिए एक बड़ा झटका है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसे सुरक्षा दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम बताया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यह सामूहिक आत्मसमर्पण पांच जिलों में हुआ, जिसमें बीजापुर से 25, दंतेवाड़ा से 15, कांकेर से 13, नारायणपुर से 8 और सुकमा से 5 उग्रवादियों ने औपचारिक रूप से हिंसा का त्याग किया और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति निष्ठा की शपथ ली। समूह में महिला उग्रवादियों का एक बड़ा हिस्सा शामिल था, जिनमें से कुछ दो दशकों से भी अधिक समय से नक्सली गतिविधियों में सक्रिय थीं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बताया कि हथियार डालने वालों में 49 उग्रवादी शामिल थे, जिन पर कुल 2.27 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। इनमें उच्च पदस्थ नेता और लंबे समय से उग्रवादी शामिल थे। इनमें सबसे प्रमुख रमन्ना इरपा उर्फ जगदीश था, जो विशेष क्षेत्रीय समिति का सदस्य था और जिस पर 25 लाख रुपए का इनाम था।

चुनाव आयोग पर कांग्रेस के आरोपों पर भड़के सुधांशु त्रिवेदी, बोले- आपातकाल के 50 साल बाद भी नहीं बदली मानसिकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए चुनाव आयोग पर बेतुके आरोप लगाने के लिए कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह संवैधानिक संस्थाओं को चुनाव जीते या नहीं के आधार पर मान्यता देने की उनकी 'मानसिकता' को दर्शाता है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगाने के फैसले का जिक्र करते हुए, जिसने संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता को काफी सीमित कर दिया था, सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की मानसिकता नहीं बदली है।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि चुनावों के मामले में, कांग्रेस, इंडिया गठबंधन और खासकर राहुल गांधी बेतुके आरोप लगा रहे हैं। यह उस मानसिकता को दर्शाता है कि आपातकाल के 50 साल बाद भी मानसिकता नहीं बदली है। अगर इंदिरा जी कहती थीं कि संवैधानिक संस्थाओं की मान्यता इस आधार पर तय होगी कि वे चुनाव जीती हैं या नहीं, तो आज राहुल गांधी कहते हैं कि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता इस आधार पर तय होगी कि वे चुनाव जीते हैं या नहीं।

त्रिवेदी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग पर कांग्रेस के आरोपों की कड़ी आलोचना की और कहा कि उनके अपने पूर्व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और महाराष्ट्र के प्रभारी (2018-2024), आशीष दुआ, कुछ और ही लिखते हैं। भाजपा नेता ने वार करते हुए कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र चुनावों पर क्या-क्या कहा था। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के एक पूर्व सचिव, जो 2018 से 2024 तक महाराष्ट्र के प्रभारी रहे, ने महाराष्ट्र में हार का विश्लेषण करते हुए एक लेख में लिखा था कि वे किसी और को दोष नहीं दे सकते, वे कांग्रेस पार्टी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन की कमियों के कारण महाराष्ट्र हार गए।

त्रिवेदी की यह टिप्पणी राहुल गांधी द्वारा गुरुवार को चुनाव आयोग को दी गई चेतावनी के बाद आई है कि विपक्ष उन्हें बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान से नहीं बचने देगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने गुरुवार को लोकसभा स्थगित होने के तुरंत बाद संसद के बाहर संवाददाताओं से कहा, 'मैं चुनाव आयोग को संदेश देना चाहता हूं: यदि आपको लगता है कि आप इससे बच निकलेंगे, यदि आपके अधिकारी सोचते हैं कि वे इससे बच निकलेंगे, तो आप गलत हैं। आप इससे बच नहीं पाएंगे, क्योंकि हम आपके पीछे पड़ जाएंगे।'

सांसद कंगना सहित पूरे कुल्लूवासी पीएम मोदी के इस ड्रीम प्रोजेक्ट के विरोध में उतरे

कुल्लू (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बिजली महादेव रोप-वे का हिमाचल में विरोध हो रहा है। कुल्लू के ढालपुर में शुक्रवार सैकड़ों लोग प्रोजेक्ट के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। प्रदर्शनकारी इस प्रोजेक्ट को नहीं लगाने की मांग कर रहे हैं। इसके पहले कुल्लू के रामशीला में एकत्र हुए लोगों ने आक्रोश रैली निकाली। इतना ही नहीं बीजेपी सांसद कंगना रनोट भी कुछ समय पहले कार्यक्रम में इस प्रोजेक्ट का विरोध कर चुकी हैं। तब कंगना ने कहा था कि कि यदि देव समाज के लोग नहीं चाहते, तब यह प्रोजेक्ट बंद होना चाहिए, क्योंकि उनके लिए देवता का आदेश आधुनिकीकरण से ज्यादा जरूरी है। पीएम मोदी के करीबी राम सिंह समेत कई भाजपा नेता भी इस प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे हैं। कुल्लू के लोगों के आराध्य बिजली महादेव मंदिर को रोप-वे प्रोजेक्ट के कारण इतिहास में पहली बार आम श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए बंद किया गया है। देव आदेशों से अगले 6 महीने तक देशभर से यहां पहुंचने वाले लोग बिजली महादेव के दर्शन नहीं कर पाएंगे। इससे कुल्लू में रोपवे प्रोजेक्ट को लेकर सियासी पारा गरमा गया है। बिजली महादेव संघर्ष समिति के अध्यक्ष सुरेश नेगी ने बताया कि घाटी की जनता नहीं चाहती कि यहां रोप-वे बनाया जाए। यह देव आस्था के साथ खिलवाड़ है। इस रोप-वे प्रोजेक्ट से पर्यावरण को भी नुकसान होगा। वहीं खराहल घाटी के ग्रामीणों का कहना है कि बिजली महादेव ने देव वाणी में कहा कि उन्हें रोपवे स्वीकार नहीं है। देव आस्था वाले लोग इसलिए इस प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे हैं। इस रोप-वे के लिए खराहल घाटी में बड़ी संख्या में देवदार के पेड़ काटे जा रहे हैं। ग्रामीणों को डर है कि इससे भविष्य में लैंडस्लाइड जैसी घटनाएं बढ़ेगी। बुजुर्ग शिवनाथ ने इस प्रोजेक्ट के लगने पर आत्मदाह तक की चेतावनी दी है।

विधानसभा चुनाव से पहले बांग्ला कार्ड खेलने लगी ममता, भाजपा को कर रही सीधे टारगेट

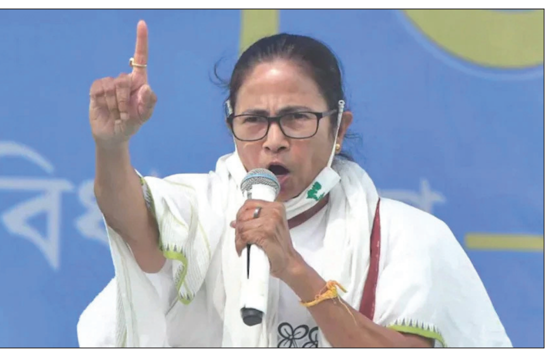

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों से करीब 10 महीने पहले, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बांग्ला भाषा का मुद्दा उठाना शुरु कर दिया है। उन्होंने गुरुवार को कोलकाता में एक कार्यक्रम में एक नए भाषा आंदोलन का आह्वान किया। सीएम ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों को बांग्लादेशी कहकर हिरासत में लिया जा रहा है और उन्हें काम नहीं करने दिया जा रहा है, इस घटनाक्रम को उन्होंने भाषाई आतंकवाद करार दिया। उन्होंने कहा कि यह स्थिति अस्वीकार्य है और यह बांग्ला भाषी लोगों के उत्पीड़न के समान है। ममता ने जोर दिया कि बांग्ला दुनिया की पांचवीं सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है और भारत में करीब 30 करोड़ लोग बांग्ला भाषी हैं। उन्होंने हिरासत में लिए गए बांग्ला भाषी लोगों के हालिया मामलों का भी हवाला दिया, विशेष रूप से एनसीआर के गुरुग्राम में हुई घटना का।

ममता के इन बयानों से संकेत मिलता है कि वह विधानसभा चुनावों तक इस भाषा के मुद्दे को आगे बढ़ाना चाहती हैं, क्योंकि उन्होंने पहले भी चुनावों में बांग्ला कार्ड खेला है। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि बांग्ला भाषी लोगों पर इस तरह का हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और बंगालियों के लिए उनकी भूमि सर्वोपरि है, जिसके लिए वे कुछ भी करेगा। यह मुद्दा पश्चिम बंगाल के अलावा असम और त्रिपुरा जैसे राज्यों में भी बड़ी संख्या में बांग्ला भाषी आबादी के कारण महत्वपूर्ण है।

राबड़ी देवी का आरोप, बीजेपी-जेडीयू से तेजस्वी की जान को खतरा, अब तक 4 बार हमले हो चुके

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को राबड़ी देवी ने कहा, बचपन से गुंडई करते

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र के 5वें और आखिरी दिन लंच के बाद भी सदन में विपक्ष का हंगामा देखने को मिला। सदन की कार्यवाही 7 मिनट के बाद स्थगित की गई। ढाई बजे कार्यवाही फिर शुरू हुई। विधानसभा स्पीकर ने विदाई भाषण में कुछ शायरियां पढ़ीं उन्होंने कहा कि नाराजगी कभी भी इतनी लंबी नहीं होनी चाहिए कि नाराजगी रह जाए और इंसान गुजर जाए। खूबियां इतनी नहीं हममें कि तुम्हें कभी याद आएंगे पर इतना इतबार हमें खुद पर है आप हमें कभी भूल नहीं पाएंगे।

इसके पहले सत्र में पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने सम्राट चौधरी पर कहा कि वे बचपन से बोरिंग रोड इलाके में गुंडई करता है। बोरिंग रोड चौराहे पर लड़कियों को छेड़ते रहे। वे कैसे दूसरे को गुंडा बोल सकते हैं।

दरअसल डिप्टी सीएम चौधरी ने सदन में तेजस्वी से कहा था कि जिसका बाप अपराधी वहां क्या बोलेगा। विधान परिषद में राबड़ी देवी ने तेजस्वी की जान को खतरा बताया और बीजेपी-जेडीयू पर इसके लिए साजिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तेजस्वी की जान को खतरा है। बीजेपी और जेडीयू वाले हमला करवा रहे हैं। अब तक 4 बार तेजस्वी पर हमले हो चुके हैं। ये लोग संस्कारहीन हैं। वहीं मुख्यमंत्री ने विपक्ष की तरफ इशारा करके कहा कि पहले यह लोग इस तरह का कपड़ा पहनते थे। राबड़ी देवी की तरफ इशारा करके कहा कि इन्हीं के कहने पर यह लोग सब इस तरह का कपड़ा पहन कर आ रहे हैं।

इसके बाद विधानसभा की कार्यवाही महज 5 मिनट में स्थगित कर दी गई। सदन शुरू करने से पहले स्पीकर ने मजाकिया लहजे में पूछा कि आज मौसम भी ठंडा है और माहौल भी ठंडा हैं। प्रश्नकाल से कार्यवाही शुरू हुई, विपक्ष के विधायक नारेबाजी करने लगे। राजद-कांग्रेस और माले के विधायक नारेबाजी करते हुए वेल में पहुंच गए। विपक्षी सदस्य टेबल पलटने लगे, इस पर विस अध्यक्ष ने कहा कि टेबल मत पलटिए, इसके बाद भी विपक्षी विधायक नहीं माने और हंगामा जारी रहा।

मणिपुर में छह महीने और बढ़ा राष्ट्रपति शासन, संसद में प्रस्ताव को मिली मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा लोकसभा में पेश किए गए एक प्रस्ताव के बाद मणिपुर में राष्ट्रपति शासन छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया है। यह विस्तार 13 अगस्त, 2025 से प्रभावी होगा। मीडिया रिपोर्ट में आधिकारिक सूचना के मुताबिक यह सदन राष्ट्रपति द्वारा मणिपुर के संबंध में 13 फरवरी, 2025 को जारी की गई उद्घोषणा को 13 अगस्त, 2025 से छह महीने तक बढ़ा दिया है।

कर्नाटक में फिर घमासान: डीके शिवकुमार के साथ कर्नाटक सीएम सिद्धरमैया दिल्ली रवाना

बेंगलुरु (एजेंसी)। धुआं तभी उठता है जब आग होती है। कर्नाटक कांग्रेस में सियासी आग को ढंकने की कोशिशों के बीच धुआं उठता लोगों को दिखने लगा है। जहां एक तरफ कांग्रेस की सरकार में सब कुछ ठीक होने का दावा किया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ अफरातफरी का महौल बना हुआ है। खबरें है कि कर्नाटक के राजनीतिक हलको में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के कार्यकाल पूरा करने को लेकर केवल इसी बात की चर्चा हो रही है कि वह मुख्यमंत्री बने रहेंगे या नहीं जबकि वह एक अनोखा रिकॉर्ड बनाने की ओर अग्रसर हैं। इस बीच, सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री व मुख्यमंत्री पद के एक और दावेदार डीके शिवकुमार एक बार फिर दिल्ली रवाना हो गए हैं। मुख्यमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में सिद्धरमैया अब कर्नाटक के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित मुख्यमंत्री बनने के करीब हैं। वह वरिष्ठ नेता देवराज उर्स के रिकॉर्ड की बराबरी करने के करीब हैं।देवराज उर्स 2700 से अधिक दिनों तक मुख्यमंत्री बने रहे थे।

वैसे तो सिद्धरमैया बार-बार यह दावा करते रहे हैं कि वह अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे, लेकिन इसके बावजूद यह सवाल बना हुआ है कि क्या वह तथाकथित 'रोटेशनल फॉर्मूले' के तहत डीके शिवकुमार के लिए पद छोड़ देंगे। शिवकुमार को डीकेएस कहा जाता है। जून माह के बाद से दोनों नेता तीसरी बार दिल्ली गए हैं, जबकि कांग्रेस की राज्य इकाई में मुख्यमंत्री पद को लेकर असहज शांति व्याप्त है। राष्ट्रीय राजधानी की अपनी यात्रा के दौरान दोनों नेता (सिद्धरमैया व शिवकुमार) कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से मिल सकते हैं। कांग्रेस नेतृत्व के आदेश के बाद इस बार विधायकों ने मुख्यमंत्री के बदलने के संबंध में खुलकर कोई टिप्पणी नहीं की है।

हालांकि, अब तक इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। राज्य के राजनीतिक हलकों में, खासकर सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर इस बात की अटकलें काफी समय से लगाई जा रही हैं कि इस साल के अंत में मुख्यमंत्री बदले जा सकते हैं। यह चर्चा सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच सत्ता साझा करने के समझौते को लेकर है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस नेतृत्व ने बिहार चुनाव समाप्त होने तक दोनों पक्षों को इंतजार कराने की रणनीति अपनाई है। इस समय सिद्धरमैया देश में कांग्रेस के इकलौते ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) मुख्यमंत्री हैं और पार्टी के कई नेताओं का मानना है कि अगर पार्टी उन्हें हटाती है तो इसका असर बिहार चुनाव पर पड़ सकता है क्योंकि यहां ओबीसी मतदाता की चुनाव परिणामों में निर्णायक भूमिका होती है।

सिद्धरमैया के खिलाफकोई कदम उठाया तो इसके क्या परिणाम हो सकते हैं? एक कांग्रेस नेता ने कहा कि यह कदम ओबीसी हितों के भी खिलाफमाना जाएग क्योंकि राहुल गांधी लगातार इसका (ओबीसी) समर्थन करते हुए नजर आ रहे हैं। जैसे कि वह जातीय जनगणना कराने और आरक्षण बढ़ाने का मुद्दा उठा रहे हैं। पार्टी पूरी तरह से इस बात को लेकर सतर्क है कि अगर उसने सिद्धरमैया के खिलाफ कोई कदम उठाया तो इसके क्या परिणाम हो सकते हैं। सिद्धरमैया को कर्नाटक में अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग और दलित समुदायों का जबरदस्त समर्थन प्राप्त है और उन्हें अधिकतर विधायकों का भी विश्वास हासिल है। कांग्रेस ने जब 2023 में राज्य का चुनाव जीता था तो सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा रही थी। पार्टी ने डीकेएस को मना लिया और उन्हें उपमुख्यमंत्री बना दिया।

संघ द्वारा मुस्लिम समुदाय के साथ तालमेल बनाने की कवायद मानी जा रही मुलाकात

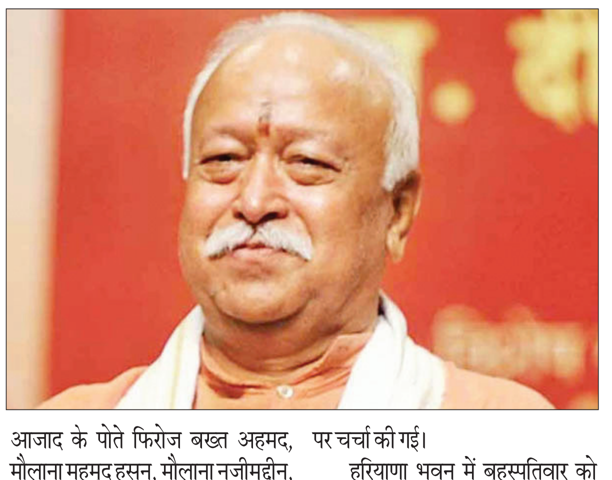

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में मुस्लिम मौलवियों, विद्वानों और समुदाय की प्रमुख हस्तियों से मुलाकात की और कई अहम मुद्दों पर विचार विमर्श किया। आरएसएस के संगठन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) के माध्यम से यह दिल्ली के हरियाणा भवन में यह बैठक आयोजित की गई। इस मुलाकात को संघ द्वारा मुस्लिम समुदाय के साथ तालमेल बनाने की कड़ी के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल, पिछले तीन साल से संघ प्रमुख मोहन भागवत की तरफ से प्रमुखता से मुस्लिमों और हिंदुओं के बीच की दूरी को पाटने की शुरुआत हुई है।

इस बैठक में भागवत के अलावा आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले, सह सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल, राम लाल, इंद्रेश कुमार सहित आरएसएस के अन्य पदाधिकारी शामिल हुए हैं।भागवत ने 50 से अधिक मुस्लिम मौलवियों, विद्वानों से मुलाकात की, उनमें अखिल भारतीय इमाम संगठन के मुख्य इमाम उमर अहमद इलियासी, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय के पूर्व चांसलर और मौलाना अबुल कलाम आजाद के पोते फिरोज बख्त अहमद, मौलाना महमूद हसन, मौलाना नजीमुद्दीन, जुबैर गोपलानी के अलावा कई अन्य मौलवियों एवं विद्वान शामिल थे।

गौरतलब है कि सितंबर 2022 में, भागवत ने भारत में धार्मिक समावेशिता को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए कई प्रमुख मुस्लिम बुद्धिजीवियों से मुलाकात की थी। इस बैठक का उद्देश्य आरएसएस के विचारों का प्रचार-प्रसार करना और समुदायों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देना था। उस दौरान ज्ञानवापी मस्जिद विवाद, हिजाब विवाद और जनसंख्या नियंत्रण जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई।

हरियाणा भवन में बृहस्पतिवार को हुई बैठक को लेकर संघ की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया। फिरोज बख्त ने कहा, भाईचारा सबसे जरूरी मुद्दा रहा। एक खाई बनाने की कोशिश हो रही है, उसे पाटने पर बात हुई। हम अलग-अलग धर्मों को मानते होंगे, लेकिन हम सभी भारतीय हैं। इमाम इलियासी ने कहा कि यह पहली बार है जब इतनी बड़ी संख?या में मुस्लिम धर्मगुरुओं ने आरएसएस के साथ मीटिंग की है। आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार वर्षों से मुस्लिमि समाज के साथ संवाद कर रहे हैं।

हरिद्वार पहुंचे 5 करोड़ कांवडिए, अपने-अपने घर लौटे पर 10 हजार मीट्रिक टन कचरा बना चुनौती

हरिद्वार (एजेंसी)। 23 जुलाई को कांवड़ मेला संपन्न हो गया है। इसमें में लगभग 5 करोड़ कांवडिया पहुंचे थे। इतनी बड़ी संख्या में उमड़ी भीड़ के कारण 10 हजार मीट्रिक टन कचरा बिखरा पड़ा है। जिसे समेटने और एकत्रित करने में एक हजार से ज्यादा सफाई मित्र पूरी ताकत से जुटे हुए हैं। गंगा सभा के सदस्य मनीष बताते हैं कि इस कचरे को स्थानीय स्वयंसेवक और नगम निगम के कर्मचारी मिलजुल कर हर की पौड़ी और दूसरे घाटों से हटा रहे हैं। जेसीबी लगी ट्रैक्टर-ट्रॉली को कूड़ा ढ़ोते देखा जा सकता हैं। जहां ट्रैक्टर नहीं जा पा रहे हैं वहां लोग हाथों से ही इसे उठा रहे हैं।

इस कचरे में अधिकांश सिंगल-यूज प्लास्टिक, मल्टीलेयर प्लास्टिक शामिल हैं। हरिद्वार की दैनिक कचरा निस्तारण क्षमता 30-50 मीट्रिक टन होने के बावजूद, मेले के बाद यह मात्रा कई गुना बढ़ गई है। हरिद्वार के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि मेले के दौरान रोजाना लाखों कांवड़िए पैदल और वाहनों से हरिद्वार पहुंचे, जिसके कारण सफाई वाहनों का आवागमन मुश्किल हो गया था। उन्होंने कहा, जिन क्षेत्रों में सफाईकर्मी पहुंच पाए, वहां नियमित सफाई होती रही, लेकिन मेले के समापन के बाद अब गंदगी का निस्तारण बड़ी चुनौती है।

मेले के समापन के बाद हरिद्वार नगर निगम ने स्वच्छता को लेकर कमर कस ली है। नगर निगम ने 23 जुलाई की शाम से 24 जुलाई की सुबह तक 10 घंटे का विशेष सफाई अभियान चलाया, जिसमें 1,000 से अधिक कर्मचारियों को लगाया गया। इसके अलावा, तीन दिवसीय विशेष सफाई अभियान शुरू किया गया है, जिसमें हर की पौड़ी, मालवीय घाट, कनखल घाट, सुभाष घाट, नाई घाट, अलकनंदा घाट, शिव घाट, बिरला घाट, अपर रोड, कांवड़ पटरी मार्ग और अन्य प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया है। मेयर किरण जैसल ने मंगलवार को मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया और सफाईकर्मियों को कड़े निर्देश दिए कि कहीं भी कूड़े के ढेर नजर नहीं आने चाहिए। इस अभियान में ठोस कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण किया जा रहा है। नगर निगम ने दुकानदारों को कंपोस्टेबल बैग वितरित किए थे, जो पर्यावरण के अनुकूल हैं और कचरे के निस्तारण में मदद कर रहे हैं। इस बार नगर निगम ने सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लाइनर बैग प्लस ड्रोन निगरानी मॉडल लागू किया, जो देशभर में चर्चा का विषय बना है। हर 6 घंटे में हर की पौड़ी और आसपास के क्षेत्रों में कूड़ा निस्तारण किया गया था। ड्रोन और सीसीटीवी के माध्यम से मेला क्षेत्र की निगरानी की जा रही थी ताकि सफाई कार्य सुचारु रूप से चल सके। इस पहल की स्थानीय व्यापारियों और श्रद्धालुओं ने सराहना की है।

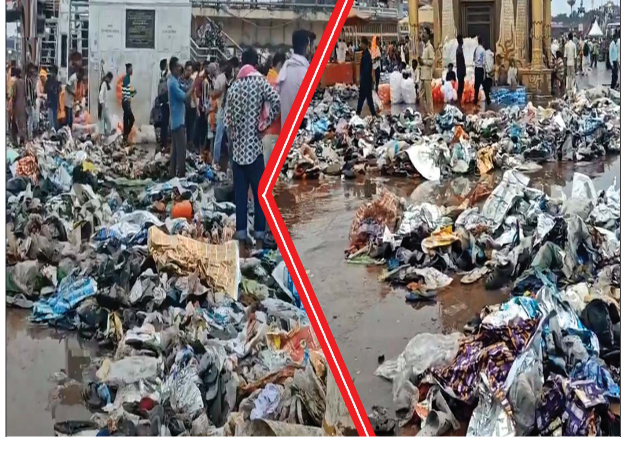

जिंदगी में मकसद रखने वाले लोगों की सेहत रहती है अच्छी

जिन लोगों की जिंदगी में मकसद होता है उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। एक हालिया शोध में बताया गया है कि जब लोग 60 साल की उम्र को पार करने लगते हैं तो संबंधों में बदलाव होने लगता है। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया द्वारा किए गए एक शोध के अनुसार जिनकी जिदगी में मकसद और ध्येय होता है उनका स्वास्थ्य बेहतर रहता है और वे लंबा जीवन जीते हैं।

ऐसे किया शोध

शोधकर्ताओं ने 1042 वयस्कों के डाटा का विश्लेषण किया। इस शोध में शामिल प्रतिभागियों की उम्र 21 से लेकर 100 साल के बीच में थी।

शोधकर्ताओं ने इन प्रतिभागियों के जीवन के मकसद और ध्येय को जानने की कोशिश की। इंटरव्यू और प्रश्नोत्तरियों के द्वारा उन्होंने प्रतिभागियों से दो सवालों- मैं अपने जीवन में एक उद्देश्य या मिशन की तलाश कर रहा हूं और मैंने अपने जीवन में एक संतुष्ट करने वाले मकसद की तलाश कर ली है, के बारे में अपने निजी तर्क देने को कहा। जर्नल ऑफ क्लीनिकल साइकाइट्री में प्रकाशित शोध में कहा गया है कि जिन लोगों के जीवन में एक मकसद होता है वे उन लोगों की तुलना में ज्यादा खुश और स्वस्थ होते हैं जिनके जीवन में कोई मकसद नहीं होता।

मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है

शोधकर्ताओं के अनुसार जिन लोगों के जीवन में मकसद होता है उनका शारीरिक और मानिसक स्वास्थ्य बेहतर होता है जबकि जो लोग जीवन के मकसद की तलाश में होते हैं उनका मानिसक स्वास्थ्य और बुद्धमत्ता सबसे खराब स्थिति में होती है। शोधकर्ता दिलीप वी जेस्टे ने कहा कि, जब आप अपनी जिंदगी के मतलब को ज्यादा समझने लगते हैं तो आप ज्यादा संतुष्ट महसूस करते हैं। वहीं, अगर आपकी जिंदगी में कोई लक्ष्य नहीं है और आप उसकी तलाश बिना मन के कर रहे हैं तो आप असफल हो जाएंगे और बहुत ज्यादा तनाव महससू करेंगे। शोधकर्ताओं ने देखा कि 60 की उम्र में जीवन में मतलब होने का स्तर ऊंचा चला गया और मतलब की तलाश में कमी आई। जेस्टे ने कहा, जब आप युवा होते हैं, जैसे आप 20 साल की उम्र में होते हैं तो आप अपने करियर को लेकर और जीवनसाथी को लेकर अनिश्चित होते हैं। आपको पता नहीं होता कि एक इंसान के तौर पर आप कहां आकर खड़े होंगे। उस वक्त आप अपनी जिंदगी के मतलब की तलाश करते हैं। जैसे ही आप अपने जीवन के तीसरे, चौथे और पांचवे दशक में प्रवेश करते हैं आप पहले से कहीं ज्यादा स्थाई होते हैं।

रेसिपी

मटर कोफ्ते

सामग्री

- 1 कप मटर के दाने ■ 2 उबले आलू ■ 1 टीस्पून अरारोट या बेसन ■ 1 टुकड़ा कसा हुआ अदरक ■ 1-2 हरी मिर्च ■ नमक स्वादानुसार।
- 3 मध्यम आकार के टमाटर ■ 2 हरी मिर्च ■ 1 इंच टुकड़ा अदरक ■ 2 टीस्पून तेल या घी ■ 1/2 टीस्पून जीरा ■ 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर ■ 1/2 टीस्पून धनिया पाउडर ■ 2 टीस्पून मलाई ■ लाल मिर्च ■ 1/2 टीस्पून गर्म मसाला ■ नमक स्वादानुसार ■ बारीक कटा हरा धनिया।

विधि

मटर को उबाल कर दरदरा पीस लें। आलू मैश करें। कोफ्ते की सारी सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं। थोड़ी सामग्री अलग करें और बाकी सामग्री से नींबू के आकार के गोले बनाकर तैयार कर लें। कोफ्तों को ब्राउन होने तक तलकर अलग रखें। टमाटर, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट बना लें। फ्राइंगपैन में तेल डालकर जीरा, हल्दी और धनिया पाउडर डालें। अब मसाले का पेस्ट डालें और उसे तेल छोडने़ तक भूनें। मसाले में मलाई डालकर 2 मिनट भूनें। नमक, लाल मिर्च, गर्म मसाला डालें। ग्रेवी को जितना गाढ़ा करना चाहती हैं, उतना ही पानी डालें। उबाल आने के बाद 2 मिनट तक और पकाएं। ग्रेवी में कोफ्ते डालकर 2 मिनट ढककर रख दें। बारीक़ कटे हुए धनिये से गार्निश करें। चावल या रोटी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

क्या आप भी बहुत जल्दी-जल्दी खाना खाते हैं? जानें जल्दबाजी में खाना खाने के 4 नुकसान

क्या आपकी आदत भी जल्दी-जल्दी खाना खाने की है? कुछ लोगों के खाने की स्पीड इतनी तेज होती है कि उन्हें अक्सर अपने साथ खाने वालों का या तो इंतजार करना पड़ता है या लोगों को खाता हुआ छोड़कर उठना पड़ता है। ऐसे लोग जल्दी-जल्दी खाने को अपनी क्वलिटीज में गिनना शुरू कर देते हैं बाकियों को स्लो ईटर कहकर चिढ़ाने लगते हैं। मगर वो शायद नहीं जानते हैं कि जल्दी-जल्दी खाने की आदत उनके लिए कितनी नुकसानदायक हो सकती है। जी हां, वैज्ञानिकों के अनुसार हमें अपना खाना हमेशा धीरे-धीरे, अच्छी तरह चबाकर और स्वाद लेकर खाना चाहिए। इससे खाना पचाने में आसानी रहती है। जल्दी-जल्दी खाना खाने की आदत आपकी सेहत के लिए खतरनाक हो सकती है। आइए आपको बताते हैं इससे जुड़े 4 बड़े नुकसान।

जरूरत से ज्यादा खा जाते हैं आप

जल्दी-जल्दी खाना खाने वाले लोग अक्सर अपनी जरूरत से ज्यादा खा जाते हैं, जो कि उनकी सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। ओवरईटिंग के कारण आप मोटापे, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और दिल की बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। जब आप जल्दी-जल्दी खाने लगते हैं, तो आपके दिमाग को ये समझने में समय लगता है कि आपका पेट भर गया है। इसलिए आप जरूरत भर का खाना खा लेने के बाद भी खाते रहते हैं।

मोटापे का बनते हैं शिकार

जल्दी-जल्दी खाने की आदत आपको मोटापे का शिकार बना सकती है। दरअसल जल्दी-जल्दी खाने के कारण आपका मेटाबॉलिज्म कमजोर होता है, जिससे शरीर के फैट बर्न करने की क्षमता कम हो जाती है और आप धीरे-धीरे मोटापे का शिकार होने लगते हैं। इसलिए आपको हमेशा अपना खाना धीरे-धीरे खाना चाहिए। इस तरह भी आप अपने वजन को काबू में रख सकते हैं। धीरे-धीरे खाने से आपका पेट कम खाने से भी भर जाता है।

अच्छी तरह नहीं पचता है खाना

आप तेज खाना इसलिए खा पाते हैं क्योंकि खाने को दांत से देर तक चबाने के बजाय सीधा निगल लेते हैं। खाने को चबाना इसलिए जरूरी है ताकि आपका खाना छोटे-छोटे टुकड़ों में बंट जाए और डाइजेस्टिव सिस्टम के लिए उसे पचाना और प्रॉसेसिंग करना आसान हो जाए। इसके अलावा जब आप खाने को चबाकर खाते हैं, तो आपके मुंह की राल उसमें मिल जाती है। आपका थूक पेट में डाइजेस्टिव एंजाइम्स को एक्टिवेट करता है, ताकि वो खाने को तोड़कर पोषक तत्वों को अलग कर सकें।

ब्लड शुगर बढ़ सकता है

यह बात पढ़कर आपको भी झटका लग सकता है कि तेजी से खाना खाने से आपका ब्लड शुगर बढ़ सकता है। दरअसल तेजी से खाना खाने से शरीर में इंसुलिन रेजिस्टेंस शुरू हो जाता है, जिसके कारण आपका ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है। लंबे समय में ये आदत आपको डायबिटीज का शिकार बना सकती है। अगर आप पहले से डायबिटीज का शिकार हैं, तो आपके लिए तेजी से खाना खाना बहुत खतरनाक हो सकता है। इसलिए आपको हमेशा खाना धीरे-धीरे खाना चाहिए।

रेसिपी

ब्रोकली पनीर पीनट मसाला

सामग्री

- पनीर- 250 ग्राम (चौकोर या तिकोने शेप में कटे हुए) ■ ब्रोकली- 200 ग्राम (बड़े टुकड़ों में कटा) ■ मूंगफली- 100 ग्राम ■ प्याज- 1 कप (बारीक कटा) ■ टमाटर- 1 कप (बारीक कटा) ■ हरी मिर्च- 2 (बारीक कटी) ■ अदरक-लहसुन- 1 चम्मच (बारीक कटी) ■ हल्दी- 1 टीस्पून ■ लाल मिर्च पाउडर- 1 टीस्पून ■ धनिया पाउडर- 1 टीस्पून ■ गरम मसाला- 1 टीस्पून ■ नमक- स्वादानुसार ■ तेल- 4 टेबलस्पून

विधि

सबसे पहले मीडियम आंच पर एक कड़ाही में तेल गर्म करें। तेल के गर्म होते ही प्याज और हरी मिर्च डालकर गोल्डन होने तक भून लें। अब अदरक-लहुसुन और मूंगफली भून जाएं, तब इसमें ब्रोकली डालकर धीमी आंच पर 10 से 12 मिनट तक ढ़ककर पका लें। इसके बाद इसमें हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और गरम मसाला डालकर तब तक भूनें, जब तक कि मसाले तेल न छोड़ दें। अब पनीर, नमक और टमाटर डालकर 5 से 6 मिनट तक पका लें। इसके बाद ऊपर से हरी धनिया डालकर गरमा-गरम रोटी या नान के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा

पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 5021

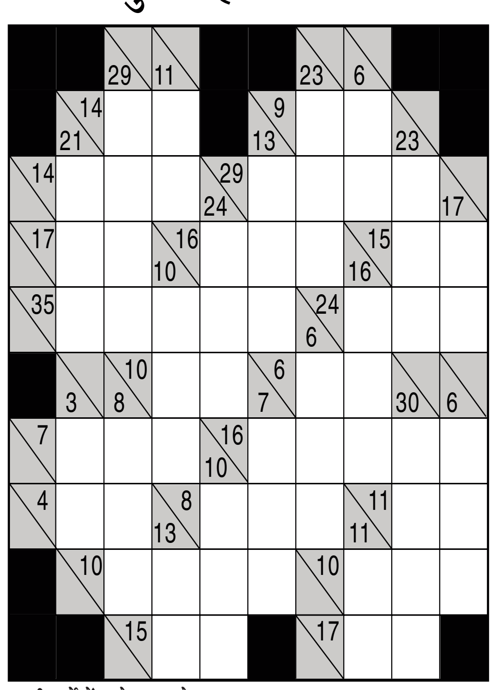

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

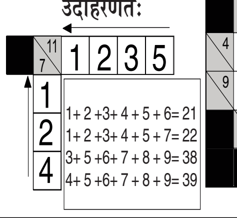

काकुरो - 5020 का हल

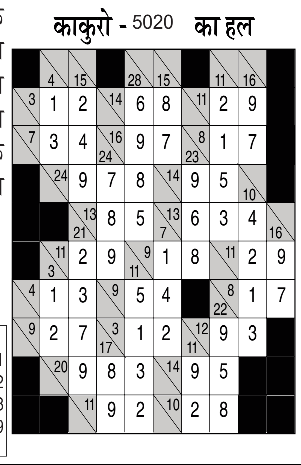

लॉफिंग ज़ोन

एक औरत का पति मर गया। वह बीमा कंपनी के ऑफिस जाकर मैनेजर से बोली- मैनेजर साहब, मेरे पति गुजर गए हैं। उनके बीमे का रुपया दिलवाइए

मैनेजर बोला- इस घटना को सुनकर बहुत दु:ख हुआ।

औरत बोली- जरूर हो रहा होगा। मर्दों का हर जगह यही हाल है। जब भी औरत को चार पैसे मिलने का मौका आता है, उन्हें बड़ा दु:ख होता है।

□ □ □

नरेश की शादी एक अनपढ़ महिला से हो गई। शादी की पहली रात वह पति से बोली- आप तो बड़े ही अच्छे और दयालु इंसान हो जी। आपने तो मेरा उद्धार ही कर दिया।

इस पर नरेश ने कहा- ऐसी कोई बात नहीं है।

पत्नी बोली- मेरी भाभी और मेरी चाची हमेशा मुझे प्रताड़ित करती रहती थी और कहती थी कि तेरे जैसी मूर्ख से तो कोई गधा ही होगा जो शादी करके तेरा उद्धार करेगा।

□ □ □

एक बार मिस्टर चमन चित्र प्रदर्शनी देख रहा था।

एक जगह रुक कर उसने कहा- छि:!!! क्या इसे आप मॉडर्न आर्ट कहते हैं?

संचालक- जी नहीं श्रीमान, आप गलत समझ रहे है। इसे तो हम आईना कहते हैं।

फिल्म वर्ग पहेली-5021

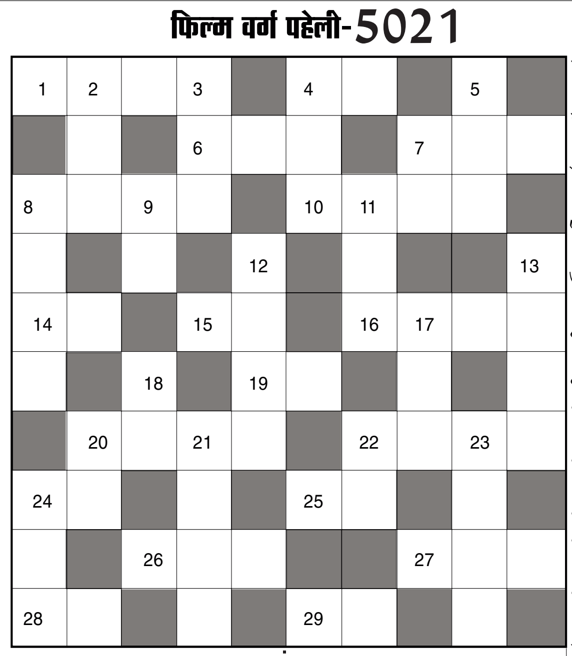

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दराऱ' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली-5020

सूडोकु -5021

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -5020 हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली -5021

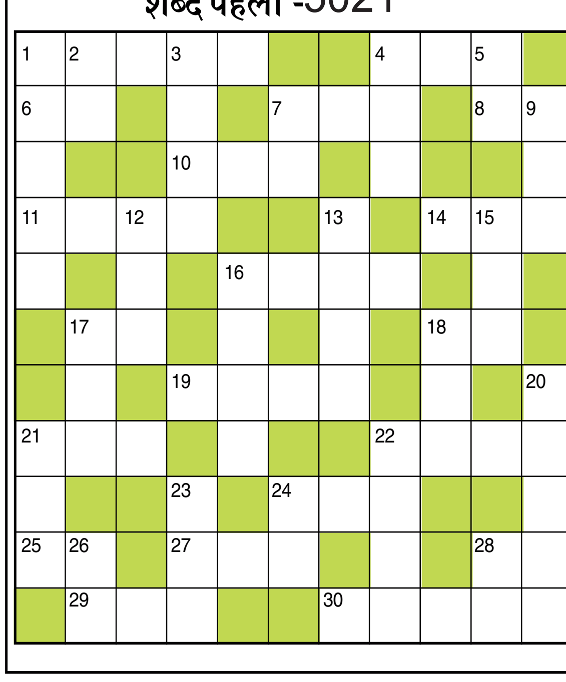

बाएँ से दाएँ

1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे

1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली -5020 का हल

देश की प्रगति में आयकर विभाग का अहम योगदान : राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन

एजेंसी
मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि देश की प्रगति में आयकर विभाग का योगदान बहुत बड़ा है। उन्होंने कहा कि कर नियमों का प्रभावी कार्यान्वयन देश के विकास को बढ़ावा देता है। राज्यपाल राधाकृष्णन आयकर विभाग के 166वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुंबई के कॉटेज भवन में आयोजित एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि 2025 तक हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। इस पृष्ठभूमि में, कर प्रशासन में बदलाव होने चाहिए। हमें हमेशा करदाताओं की गलतियां मिलती हैं। हम जुर्माना लगाते हैं। परिणामस्वरूप, अधिक से अधिक लोग कर के दायरे से बाहर रहने का प्रयास करते हैं। इसके विपरीत, आयकर विभाग को करदाताओं के प्रति मैत्रीपूर्ण रवैया बनाए रखने, अधिक लोगों को कर प्रणाली के दायरे में लाने के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट के सम्मेलन आयोजित करने और कर भुगतान प्रक्रिया को आसान बनाने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। कर ढांचे में समयबद्ध सुधार करना भी आवश्यक है। इसके साथ ही, कर चोरी पर अंकुश लगाया जाना चाहिए। राज्यपाल ने जर्मनी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां नियमित आयकरदाताओं को सम्मान और पहचान पत्र दिए जाते हैं। ऐसी प्रोत्साहन पहल अपनाई जानी चाहिए। जिन लोगों की मुख्य आय कृषि नहीं बल्कि अन्य व्यवसाय है, उन्हें केवल नाम मात्र की कृषि दिखाकर कर चोरी नहीं करनी चाहिए। इसके लिए पारदर्शी और तर्कसंगत मानदंडों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए।

बंगालियों के उत्पीड़न को लेकर ममता बनर्जी बना रही हैं झूठा नैरेटिव : मिथुन चक्रवर्ती

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और बालीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषियों के उत्पीड़न को लेकर झूठा नैरेटिव खड़ा करने का आरोप लगाया है। कोलकाता पहुंचने के बाद गुरुवार को भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि देश में कहीं भी बंगाली भाषी लोगों के साथ किसी भी प्रकार का अनावश्यक उत्पीड़न नहीं हो रहा है। दरअसल, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पास चुनाव से पहले कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए मुख्यमंत्री झूठा नैरेटिव गढ़कर लोगों को भड़काने की कोशिश कर रही हैं। यह वही तरीका है जिसे वे पहले भी अपनाती रही हैं। मिथुन चक्रवर्ती ने तृणमूल कांग्रेस द्वारा लगाए गए उस आरोप को भी खारिज कर दिया जिसमें कहा गया है कि चुनाव आयोग भाजपा और केंद्र सरकार के कहने पर बंगाल के वोटरों के नाम मतदाता सूची से हटवा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में कहीं भी असली बंगाली वोटरों के नाम मतदाता सूची से नहीं हटाए जा रहे हैं। केवल वे नाम हटाए जा रहे हैं जो अवैध रूप से देश में घुसे हैं और जिनके नाम फर्जी तरीके से मतदाता सूची में नाम जुड़वाए हैं। भाजपा नेता ने यह भी दावा किया कि सबसे अधिक अवैध घुसपैठिए, जिनके नाम मतदाता सूची में दर्ज हैं, वे पश्चिम बंगाल में ही हैं।

मुंबई बम ब्लास्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट का स्टे उचित कदम - देवेंद्र फडणवीस

मुंबई। मुंबई बम ब्लास्ट, 2006 मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसे उचित कदम बताया। उन्होंने जेएनयू में श्री छत्रपति शिवाजी महाराज विशेष सुरक्षा एवं सामरिक अध्ययन केंद्र की आधारशिला रखी और कुसुमाग्रज विशेष मराठी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति केंद्र का उद्घाटन किया। दोनों केंद्रों की स्थापना शिला पट्टिकाओं का भी अनावरण किया गया। इस अवसर पर मंत्री उदय सामंत, जेएनयू की कुलपति प्रो. शांतिश्री धुलीपुड़ी पंडित और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई बम ब्लास्ट, 2006 मामले में सुप्रीम कोर्ट के स्टे पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने स्टे दिया है, क्योंकि लोअर कोर्ट के जजमेंट में सही अपराधियों को सजा दी गई थी, लेकिन हाईकोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया। इसके बाद महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर स्टे लगाया है, जो बहुत सही कदम है। जेएनयू में आयोजित कार्यक्रम को लेकर उन्होंने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि जेएनयू में छत्रपति शिवाजी महाराज, जिन्होंने इस देश में स्वराज की शुरुआत की, के नाम से अध्ययन केंद्र शुरू हो रहा है।

राजनाथ सिंह 10 अगस्त को मप्र के रायसेन में करेंगे रेल कोच निर्माण इकाई का भूमिपूजन

भोपाल। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आगामी 10 अगस्त को मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में 1800 करोड़ रुपये के निवेश से प्रारंभ होने वाली रेल कोच निर्माण इकाई का शिलान्यास करेंगे। यह जानकारी गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मेसर्स बीईएमएल लिमिटेड बेंगलुरु के अधिकारियों से बातचीत के दौरान दी।दरअसल, मेसर्स बीईएमएल लिमिटेड बेंगलुरु के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर शांतनु रॉय, रेल एवं मेट्रो के निदेशक राजीव गुप्ता, बीईएमएल के महाप्रबंधक चंद्रशेखर और ईडी ओपी सिंह ने भोपाल प्रवास के दौरान गुरुवार शाम को मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर समत्व भवन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव राघवेन्द्र कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

सहकारिता का भी फ्यूचर है नहीं बल्कि सहकारिता का ही फ्यूचर है : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सहकारिता नीति 2025 का अनावरण करते हुए कहा कि विगत चार वर्षों के अंदर अब कोऑपरेटिव सेक्टर को कॉर्पोरेट सेक्टर के समान अधिकार प्राप्त हो चुके हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सहकारिता का भी फ्यूचर है नहीं, बल्कि सहकारिता का ही फ्यूचर है। शाह ने कहा कि एक जमाने में अर्थतंत्र के जानकारों ने सहकारिता को डायिंग सेक्टर घोषित कर दिया था। आज वही लोग कहते हैं कि सहकारिता का भी फ्यूचर है, लेकिन मैं सभी को कहना चाहता हूं कि सहकारिता का भी फ्यूचर है नहीं, बल्कि सहकारिता का ही फ्यूचर है। विगत 4 वर्षों में सहकारिता मंत्रालय की अनेक उपलब्धियां रहीं, मगर इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है कि आज देश की छोटी से छोटी सहकारी इकाई का सदस्य गर्व के साथ खड़ा

हो गया है। शाह ने बताया कि यह देश की दूसरी राष्ट्रीय सहकारिता नीति है। पहली नीति 2002 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में लाई गई थी और अब 2025 में फिर भाजपा सरकार के नेतृत्व में इसे लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस नीति का लक्ष्य देश की जीडीपी में सहकारी क्षेत्र के योगदान को तीन गुना करना है। साथ ही 50 करोड़ नागरिकों को सक्रिय रूप से सहकारी समितियों से जोड़ने, हर पंचायत में कम से कम एक सहकारी समिति स्थापित करने और सहकारी समितियों की संख्या में 30 प्रतिशत वृद्धि का भी लक्ष्य रखा गया है।शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता का परिणाम है कि देश में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना हुई। यह मंत्रालय देश के हर वर्ग, विशेषकर गांव, महिलाएं, किसान, दलित और आदिवासियों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का माध्यम बना है। उन्होंने कहा कि कोई भी विकास मॉडल तब तक सफल नहीं हो सकता, जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति उसमें सहभागी न हो। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सहकारिता नीति 2025 के लक्ष्य को सिद्ध करने के लिए 6 प्रमुख स्तंभ निर्धारित किए गए हैं। पहला-सहकारी आंदोलन की नींव को मजबूत करना। दूसरा-आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना। तीसरा-सहकारी समितियों को पेशेवर व आर्थिक रूप से सशक्त बनाना। चौथा- सहकार आधारित समावेशी विकास को बढ़ावा देना।

राष्ट्रपति से मिला सोहराय, पट्टचित्र और पटुआ कलाकारों का समूह

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से राष्ट्रपति भवन में सोहराय, पट्टचित्र और पटुआ कला से जुड़े 29 कलाकारों के एक समूह ने मुलाकात की। झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के ये सभी कलाकार 'कला उत्सव 2025- आर्टिस्ट्स इन रेजिडेंस प्रोग्राम' के तहत 14 से 24 जुलाई तक राष्ट्रपति

भवन में प्रवास पर थे राष्ट्रपति भवन की ओर से एक बयान में कहा गया है कि कलाकारों का निवास कार्यक्रम - कला उत्सव - भारत की कलात्मक परंपराओं की भावना का उत्सव है, जो सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने और भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने में जीवंत कला परंपराओं की महत्वपूर्ण भूमिका की पुष्टि करता है। इस कला उत्सव ने लोक, आदिवासी और पारंपरिक कलाकारों को भी एक मंच प्रदान किया है, जिन्होंने पीढ़ियों से कला के विविध रूपों को जारी रखा है। बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने कलाकारों द्वारा उनके निवास कार्यक्रम के दौरान बनाई गई कला प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने भारत के महत्वपूर्ण पारंपरिक कला रूपों में उनके योगदान की सराहना की और उनके भविष्य के कलात्मक प्रयासों में सफलता की कामना की।

केंद्र व राज्य सरकारें मिलकर नकली कीटनाशकों पर सख्त कार्रवाई करेगी- शिवराज सिंह

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली में एक उच्चस्तरीय बैठक में नकली व घटिया गुणवत्ता वाले कीटनाशकों के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राज्यों में प्रवास के दौरान किसानों से शिकायत मिलती है कि नकली कीटनाशकों के कारण उनकी फसल खराब हुई है या फसल को नुकसान होता है। इनका समुचित निवारण करते हुए किसानों के हित में नकली-अधोमानक कीटनाशकों को बाजार में आने से पूरी तरह रोकना होगा। शिवराज सिंह स्पष्ट रूप से अधिकारियों को निर्देश दिया कि नकली एवं अधोमानक कीटनाशक किसी भी हालत में बिकने नहीं पाएं। साथ ही, उन्होंने निर्देश दिए कि कीटनाशकों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पारदर्शी होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे राज्य सरकारों के साथ मिलकर पूरे सिस्टम को मजबूत बनाएं। कीटनाशकों के संबंध में कृषि भवन में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि

कीटनाशकों के पंजीयन की प्रक्रिया ऐसी होना चाहिए कि जिससे किसी को भी कृषि विभाग के चक्कर न लगाना पड़े, न ही कोई गड़बड़ी होने पाए। प्रक्रिया के दौरान ट्रेकिंग की व्यवस्था भी हो। कोई बेईमानी करता है, नकली या घटिया कीटनाशक बेचता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई हों। शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों के हित में हमें विभिन्न स्तरों पर काम करना होगा। किसान हमारे लिए सर्वोपरि है, उनकी फसल नकली कीटनाशकों के कारण खराब नहीं होना चाहिए। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के वरिष्ठ अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए शिवराज सिंह ने कहा कि खेतों में फसलों में क्या-क्या परिवर्तन आ रहा है, यह नियमित रूप से देखते हुए किसानों को समुचित सलाह प्रभावी तरीके से तत्काल दी जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि फसलों में आने वाली बीमारियों का वैज्ञानिकों द्वारा पता लगाकर उसका डिजिटल समाधान असरकारी ढंग से होना चाहिए।

मुंबई बम ब्लास्ट मामला : अजित पवार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का किया स्वागत, कहा- 'कुछ बेगुनाह भी फंसे थे'

एजेंसी
मुंबई। मुंबई में 2006 में ट्रेन में सिलसिलेवार हुए बम ब्लास्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाई है। उपमुख्यमंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार ने कहा कि इस मामले में कुछ बेगुनाह लोग भी फंसे थे। इसके साथ ही उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत भी किया है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर के बारे में हम ज्यादा कुछ कह नहीं सकते हैं। इस केस में कुछ बेगुनाह लोग भी फंसे थे। सरकार ने बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील करने का निर्णय लिया था। इस मामले में हमारे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपनी भूमिका स्पष्ट की थी। सुप्रीम कोर्ट में इस केस के लिए अच्छे वकील देंगे और हाई कोर्ट में सुनवाई के वक्त जो कमियां रह गई उसे ढूंढेंगे। हमारा मानना है कि किसी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए, लेकिन कोई दोषी सजा से बच नहीं पाए। हम किसी के खिलाफ नहीं हैं और न ही किसी का समर्थन करते हैं। मराठी भाषा विवाद को लेकर महिला सांसदों के संसद की लॉबी में भाजपा सांसद निशिकांत

दुबे को घेरने वाले घटनाक्रम को लेकर अजित पवार ने कहा, आप जिस राज्य में रहते हैं उस राज्य की भाषा का सम्मान होना चाहिए। राज्य की भाषा के बाद अगर कोई दूसरी भाषा कहीं पर बोली जाती है तो वह हिंदी है और उसके बाद इंग्लिश है। महाराष्ट्र से लेकर जम्मू-कश्मीर तक सभी को अपनी मातृभाषा पर अभिमान होना चाहिए। मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा मिला है।

उन्होंने कहा, इस समय जो भाषा के नाम पर हो रहा है, वह गलत है। यहां रहने वाले जिन लोगों को मराठी नहीं आती, उन्हें विनम्रता से बोलना चाहिए कि, हमें मराठी नहीं आती है, हम सीख रहे हैं। आप अगर ऐसा बोलेंगे तो फिर गड़बड़ नहीं होगी। लेकिन कभी-कभी यह होता है कि कुछ लोग रिएक्ट कर जाते हैं और अकड़ दिखाने लगते हैं। ऐसा नहीं चलता है। आप जहां काम करते हैं, वहां के लोगों का क्या कहना है, उनकी क्या सोच है, इन सभी चीजों पर विचार करना चाहिए। सभी को खुशी-खुशी एक साथ रहना चाहिए।

एक स्वस्थ राष्ट्र ही वास्तव में एक विकसित राष्ट्र हो सकता है: अनुप्रिया पटेल

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि एक स्वस्थ राष्ट्र ही वास्तव में एक विकसित राष्ट्र हो सकता है। स्वस्थ भारत और सभी के लिए स्वास्थ्य केवल नारे नहीं हैं बल्कि सरकार की प्रतिबद्धता और एक साझा दृष्टिकोण, सभी हितधारकों का एक सामूहिक एजेंडा है। स्वास्थ्य में निवेश एक विकसित भारत के लिए सबसे बड़े निवेशों में से एक है। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज (एलएचएमसी) के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह मेडिकल कॉलेज महिला सशक्तिकरण के लिए खड़ा रहा है और राष्ट्र के विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया है। एलएचएमसी देश के सबसे पुराने चिकित्सा संस्थानों में से एक होने

के नाते एक विशिष्ट स्थान रखता है, जो कनॉट प्लेस, संसद भवन और राष्ट्रपति भवन जैसे ऐतिहासिक स्थलों से भी पुराना है। उन्होंने कहा कि पिछले 110 वर्षों में, कॉलेज का विकास हुआ है। एलएचएमसी ने महिला सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपनी अनूठी पहचान बनाए रखी है, जिसमें एमबीबीएस में सभी छात्राओं को प्रवेश दिया जाता है और स्नातकोत्तर तथा विशिष्ट पाठ्यक्रमों के माध्यम से लैंगिक समानता में योगदान दिया जाता है। पटेल ने कहा कि एबी पीएम-जेएवाई दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य आश्वासन योजना है जो 55 करोड़ लोगों, कुल आबादी के 40 प्रतिशत अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों और 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य संबंधी ज़रूरतों को पूरा करती है। जन औषधि केंद्रों के माध्यम से रियायती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण दवाओं तक पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। सामूहिक रूप से, सरकार की पहलों से नागरिकों के स्वास्थ्य सेवा पर होने वाले खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है।उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान भारत की त्वरित और मज़बूत प्रतिक्रिया पर भी ज़ोर दिया और कहा कि भारत ने सबसे तेज़ और सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाकर और कोविड टीकों की 220 करोड़ से ज़्यादा खुराकें लगाकर एक मिसाल कायम की है।

वीर सावरकर मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की जमानत मंजूर

एजेंसी
मुंबई। स्वातंर्त्य वीर सावरकर मानहानि मामले में नासिक की एक कोर्ट ने कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को 15,000 रुपये के मुचलके पर ज़मानत दे दी। राहुल गांधी आज ऑडियो-विजुअल माध्यम से नासिक कोर्ट में पेश हुए थे। उल्लेखनीय है कि निर्भया फाउंडेशन के अध्यक्ष देवेंद्र भुटाडा ने 2022 में इस कोर्ट में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा हिंगोली जिले में आयोजित एक सभा में वीर सावरकर के बारे में सार्वजनिक रूप से आपत्तिजनक व्यक्तव्य दिए जाने को लेकर मामला दाखिल किया था। इस मामले की सुनवाई अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आर. सी. नरवाडिया की अदालत में हो रही थी। कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के दौरान राहुल गांधी को कोर्ट में उपस्थित रहने का आदेश दिया था, लेकिन नए प्रावधान के अनुसार कोई व्यक्ति व्यक्तिगत रूप से पेश होने के बजाय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हो सकता है। इसके तहत राहुल गांधी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश होने की अनुमति मांगी थी और कोर्ट की अनुमति के बाद राहुल गांधी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए। इस मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राहुल गांधी से पूछा कि क्या उन्होंने अपराध कबूल कर लिया है, तो गांधी ने जवाब दिया कि अपराध नहीं किया गया था। बाद में उनके वकीलों ने कोर्ट में राहुल गांधी की जमानत जमानत याचिका दाखिल की। कोर्ट ने राहुल गांधी को 15,000 रुपये के जमानत बांड पर जमानत दे दी।परंपराओं की महत्वपूर्ण भूमिका की पुष्टि करता है। इस कला उत्सव ने लोक, आदिवासी और पारंपरिक कलाकारों को भी एक मंच प्रदान किया है।

हिमाचल में फिर भारी बारिश की चेतावनी, कई जिलों में अलर्ट, अबतक 147 की मौत

एजेंसी
शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून का कहर लगातार जारी है। मौसम विभाग ने 26 से 30 जुलाई तक प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। भी राजधानी शिमला सहित कई क्षेत्रों में जोरदार बारिश हुई, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। मौसम विभाग के मुताबिक 26 जुलाई को मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। 27 जुलाई को लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर बाकी सभी 10 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट रहेगा। 28 जुलाई को सिरमौर, मंडी, कुल्लू, कांगड़ा, ऊना, बिलासपुर और हमीरपुर जिलों में भारी बारिश का अलर्ट रहेगा। बीते 24 घंटे में कांगड़ा के नगरोटा सुर्रियां

में सबसे ज्यादा 55 मि.मी. बारिश रिकॉर्ड की गई। बिलासपुर के नैना देवी में 33 मि.मी., गुलेर में 29 मि.मी., नाहन में 28 मिमी और अन्य स्थानों पर भी अच्छी बारिश हुई।

274 सड़कें बंद, बिजली-पानी की आपूर्ति प्रभावित

भारी बारिश और भूस्खलन के कारण प्रदेश में 274 सड़कें अभी भी बंद पड़ी हैं। मंडी जिले में सबसे ज्यादा 165 सड़कें, कुल्लू में 58 और सिरमौर में 22 सड़कें ठप हैं। मंडी के कोटली क्षेत्र में नेशनल हाईवे-70 भी बंद है। इसके अलावा राज्य भर में 56 बिजली ट्रांसफार्मर और 173 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हैं। 20 जून से अबतक मानसून की वजह से हिमाचल में 147 लोगों की मौत हो चुकी है, 229 लोग घायल हुए और 34 लोग लापता बताए जा रहे हैं। मंडी जिले में सबसे ज्यादा 28, कांगड़ा में 22, चंबा में 17, कुल्लू में 15 और शिमला में 11 लोगों की जान गई है। भारी बारिश और भूस्खलन से अब तक 409 मकान, 291 दुकानें और 1099 गौशालाएं पूरी तरह ढह गईं, जबकि 853 मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा है।

तेजस्वी ने पहले ही अपनी हार स्वीकार कर ली है, चुनाव बहिष्कार वाले बयान पर बोले ललन सिंह

एजेंसी
पटना। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के चुनाव बहिष्कार वाले बयान पर जनता दल यूनाइटेड (जदयू) नेता एवं केन्द्रीय मंत्री ललन सिंह ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा है कि तेजस्वी ने पहले ही अपनी हार स्वीकार कर ली है। उन्हें एहसास हो गया है कि जनता अब उनके बहकावे में नहीं आएगी। उनकी सभी धांधलियां जनता के सामने उजागर हो चुकी हैं, इसलिए वे चुनाव का बहिष्कार करने जैसी बातें कर रहे हैं। ललन सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर लिखा, तेजस्वी यादव ने पहले ही अपनी हार स्वीकार कर ली है। उन्हें एहसास हो गया है कि

जनता अब उनके बहकावे में नहीं आएगी। जब निर्वाचन आयोग विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत यह सुनिश्चित करना चाहता है कि सिर्फ वास्तविक भारतीय नागरिक ही वोट डालें, तो उन्हें परेशानी क्यों हो रही है? अगर किसी की नागरिकता वैध है, तो डरने की कोई बात नहीं। उन्होंने आगे लिखा कि तेजस्वी की सभी धांधलियां और चालबाजियां जनता के सामने उजागर हो चुकी हैं, इसलिए वे चुनाव का बहिष्कार करने जैसी बातें कर रहे हैं। यह उनकी हताशा और बौखलाहट का प्रमाण है। सिंह ने मीडिया से बात करते हुए एक वीडियो भी पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि जालसाजी पकड़ी गई है तो अब कह रहें कि चुनाव नहीं लडेंगे। तेजस्वी यादव को लग रहा वे चुनाव हार जाएंगे। जब तक नकली वोटर नहीं रहेगा तब तक चुनाव जीतेंगे कैसे। नकली वोटर के आधार पर जब जालसाजी ही करना है तो जालसाजी का क्या जवाब होगा। जालसाजी पकड़ी गई है तो अब कह रहे कि चुनाव नहीं लड़ेंगे। `जस्वी यादव ने एसआईआर को लेकर कहा है कि हम बिहार विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने पर विचार कर सकते हैं। हम सभी दल के लोगों से बात करेंगे।हमारे पास यह विकल्प खुला है।

हिमाचल प्रदेश में बाढ़ से भारी तबाही, राहत कार्य में देरी कर रही प्रदेश सरकार: जयराम ठाकुर

एजेंसी
नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से आई बाढ़ के बाद कई ज़िलो में भारी जानमाल का नुकसान हुआ है। सिराज विधानसभा क्षेत्र में अभी भी हालात गंभीर बने हुए हैं। प्रभावित इलाकों में राहत कार्य में तेजी और प्रभावित लोगों की मदद के लिए नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल एवं अन्य विधायकों ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। मुलाकात के बाद हिमाचल प्रदेश भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में जयराम ठाकुर ने प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार से प्राप्त फंड मिलने के बाद भी प्रभावित इलाकों में राहत काम बेहद धीमी गति से चल रहा है। लोग भगवान भरोसे हैं। केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान का दौरा करने आपदा के कुछ ही दिनों बाद पहुंच गए लेकिन मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचने में नौ दिन लग गए। उन्होंने कहा कि उनके क्षेत्र सिराज में सबसे ज्यादा जानमाल का नुकसान हुआ। करीब एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ, लेकिन प्रदेश सरकार की तरफ से लोगों को राहत पहुंचाने का काम बेहद धीमी गति से चल रहा है।

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के 4 जिलों में 2 करोड़ 27 लाख के इनामी 67 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी
जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में एक ही दिन में 67 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। 02 करोड़ 27 लाख के इनामी इन 67 नक्सलियों ने यह आत्मसर्मण बस्तर संभाग के चार जिलों में किया है। एक ही दिन में इतनी बड़ी संख्या में नक्सलियों का यह आत्मसर्मण लाल आतंक को अब तक का सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। बस्तर संभाग में आज हरेली तिहार के अवसर पर 67 बड़े कैडर के नक्सलियों का यह आत्मसमर्पण सुरक्षाबलों के लिए बहुत बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। इनमें कांकेर जिले में 13, नारायणपुर जिले में 8, सुकमा में 05, दंतेवाड़ा में 16 और बीजापुर में 25 नक्सलियों ने आज पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। इनमें से 55 नक्सलियों पर कुल 2 करोड़ 27 लाख रुपये का इनाम घोषित है। बीजापुर जिले में सरेंडर किए 25 नक्सलियों में से 23 पर 01 करोड़ 15 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इसमें एक एसजेडसीएम कैडर का नक्सली शामिल है। बस्तर में पहली बार एसजेडसीएम कैडर के 25 लाख के इनामी नक्सली रमन्ना इरपा ने हथियार डाले हैं। कांकेर में 13 नक्सलियों पर 62 लाख रुपये का इनाम घोषित था। नारायणपुर में आत्मसमर्पण किए 8 नक्सलियों पर 33 लाख रुपये का इनाम घोषित था। वहीं दंतेवाड़ा में 16 नक्सलियों में से 5 पर 17 लाख रुपये का इनाम था। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में से मिलिट्री कंपनी नंबर 01 का कमांडर से लेकर डीवीसीएम, पीपीसीएम और एसीएम कैडर के नक्सली शामिल हैं। कांकेर जिले में 13 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें उत्तर बस्तर डिवीजन के रावघाट, परतापुर और माड़ डिवीजन में सक्रिय नक्सली शामिल हैं। इनमें 01 नक्सली पर 10 लाख रुपये, 4 नक्सलियों पर 8-8 लाख रुपये, 3 पर 5-5 लाख रुपये और 5 पर 1-1 लाख रुपये का इनाम घोषित था। 10 लाख रुपये का इनामी हार्डकोर नक्सली मिलिट्री कंपनी नंबर 01 का कमांडर मंगलू उर्फ रूपेश शामिल है। बीजापुर जिले में 25 लाख रुपये के इनामी नक्सली रमन्ना इरपा ने हिंसा का रास्ता छोड़ा है। पहली बार स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर कैडर के नक्सली ने आत्मसमर्पण किया है। इसके अलावा 8-8 लाख रुपये के 5 नक्सली, 5-5 लाख रुपये के 8 नक्सली, 2 लाख रुपये के 1 और 1-1 लाख रुपये के 7 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें डीवीसीएम, पीपीसीएम और एसीएम कैडर के नक्सली शामिल हैं। नारायणपुर जिले में भी कुल 8 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें 8 लाख रुपये के 3 नक्सली, 5 लाख रुपये का 1 और 1-1 लाख रुपये के 4 नक्सली शामिल हैं।

जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में अपने नाम किया बड़ा कीर्तिमान, इस मामले में द्रविड़-कैलिस को पछाड़ा

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच की पहली पारी में खेल के तीसरे दिन इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने अपने टेस्ट क्रिकेट करियर में एक बड़ा कीर्तिमान हासिल किया है। रूट ने भारत के खिलाफ जैसे ही 31 रन बनाए वो टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में तीसरे नंबर पर पहुंच गए।

जो रूट ने राहुल द्रविड़ और जैक कैलिस को एक साथ पीछे छोड़ा और कमाल की उपलब्धि अपने नाम कर ली। जो रूट ने ये उपलब्धि अपने टेस्ट करियर के 157वें मैच में हासिल किया। जो रूट मैनचेस्टर टेस्ट मैच की पहली पारी में भारत के खिलाफ शानदार बैटिंग करते हुए नजर रहे थे और खबर लिखे जाने तक वो 31 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।

जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में अब तक यानी खबर लिखे जाने तक 13,290 रन बना लिए और वो सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर की लिस्ट में तीसे नंब पर आ गए। तीसरे नंबर पर इससे पहले साउथ अफ्रीका के दिग्ग बल्लेबाज जैक कैलिस था जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 13,289 रन बनाए थे। अब कैलिस चौथे नंबर पर आ गए हैं जबकि द्रविड़ पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं।

रूट ने टेस्ट क्रिकेट में अब तक खेले 157वें मैचों की 286 पारियों में 13,290 रन बनाए हैं। रूट ने अब तक टेस्ट क्रिकेट में 37 शतक और 66 अर्धशतक लगाए हैं। उन्होंने 50.88 की औसत से ये रन बनाए हैं। उनका बेस्ट स्कोर इस दौरान 262 रन रहा है। वहीं टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम पर दर्ज है जिन्होंने 15,921 रन बनाए थे जबकि दूसे नंबर पर 13,378 रन के साथ रिकी पोंटिंग मौजूद हैं।

भारतीय महिला क्रिकेटर वेदा कृष्णमूर्ति ने लिया संन्यास, भारत के लिए खेले 124 इंटरनेशनल मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज वेदा कृष्णमूर्ति ने शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है। वेदा ने अपने करियर में 48 वनडे और 76 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। जिनमें उन्होंने क्रमश- 829 और 875 रन बनाए हैं। लेकिन संकेत दिया कि वह किसी अन्य भूमिका में खेल से जुड़ी रहेंगी।

वेदा कृष्णमूर्ति ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि, एक छोटे शहर की बडे सपने रखने वाली लड़की से लेकर गर्व से भारतीय टीम की जर्सी पहनने तक। क्रिकेट ने मुझे जो भी सबक, लोग और यादें दीं हैं, उनके लिए आभारी हूं। अब खेल को अलविदा कहने का समय आ गया है, लेकिन खेल को नहीं। हमेशा भारत के लिए। हमेशा टीम के लिए उपलब्ध रहूंगी।

कर्नाटक के पूर्व क्रिकेटर अर्जुन होयसला से विवाह करने वाली 32 वर्षीय वेदा आखिरी बार 2020 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान देश के लिए खेली थीं। उनका आखिरी वनडे अंतर्राष्ट्रीय मैच 2018 में था।

बेन स्टोक्स ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, जैक्स कैलिस और इयान बॉथम के क्लब में हुए शामिल

लंदन (एजेंसी)। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत के खिलाफ चल रहे चौथे टेस्ट मैच में बेन स्टोक्स ने एक और शानदार प्रदर्शन के साथ क्रिकेट के महान खिलाड़ियो में अपना नाम दर्ज कर लिया है। टेस्ट मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने 72 रन देकर 5 विकेट अपने नाम किए और गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन किया। इसी के साथ स्टोक्स अब पुरुष टेस्ट क्रिकेट इतिहास में कम से कम 10 शतक और पांच बार पारी में 5 विकेट लेने वाले केवल चौथे क्रिकेटर बन गए। यह क्रिकेट के खेल में किसी भी ऑलराउंडर के लिए बडी उपलब्धि है। स्टोक्स टेस्ट क्रिकेट में 13 शतक लगा चुके और इस टेस्ट में पांचवी बार पारी में 5 विकेट भी लिए जिससे स्टोक्स की खेल में बल्ले और गेंद दोनो से प्रभावित क्षमता का पता चलता है। इस प्रदर्शन से वह ऑलराउंडर की खास सूची में शामिल हो गए है, जिसमें महान सर गारफील्ड सोबर्स, इंग्लैंड के इयान बॉथम और दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस शामिल है जिनका नाम टेस्ट क्रिकेट में दिग्गज खिलाड़ियो में आता है। एक पारी में पांच से अधिक बार 5 विकेट लेने

और 10 से अधिक शतक बनाने वाले ऑलराउंडरों की सूची में गारफील्ड सोबर्स ने अपने शानदार टेस्ट करियर के दौरान 26 शतक और 6 बार पारी में पांच विकेट लिए। इस सूची में इंग्लैंड के दिग्गज इयान बॉथम ने 14 टेस्ट शतक और 27 बार पारी में पांच विकेट लिए है जो अक्सर अकेले दम पर मैच का रुख बदल दिया। सूची में आगे जैक्स कैलिस ने 45 टेस्ट शतक और 5 बार पारी में पांच विकेट लिए और अब स्टोक्स आंकड़ो के मामले में इन दिग्गजो की सूची में आ चुके है जिससे क्रिकेट के सबसे संपूर्ण खिलाड़ियो के रूप में उनकी पहचान बन गई है। अपने प्रदर्शन की बदौलत स्टोक्स अब तक सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन गए है, उनके नाम 16 विकेट दर्ज है।

फैक्चर के बावजूद ऋषभ पंत ने लगाया अर्धशतक, पूर्व क्रिकेटर ने कहा- यह पल 50 साल बाद भी याद रहेगा

मैनचेस्टर (एजेंसी)। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच में भारतीय टीम के उप कप्तान ऋषभ पंत ने साबित कर दिया कि जज़्बा ही असली खेल है। पहले दिन क्रिस वूक्स की यॉर्कर पर रिवर्स स्वीप प्रयास करते समय उनके पैर में चोट लग गई और वह 37* रन पर रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर आ गए। लेकिन दूसरे दिन शार्दुल ठाकुर के आउट होने के बाद पंत ने दर्द के बावजूद बल्लेबाजी करने का साहस दिखाया जिसके बाद पूर्व भारतीय खिलाड़ी और विश्लेषक संजय मांजरेकर ने पंत की प्रशंसा की। मांजरेकर ने कहा, 'जब आप इस तरह की चीजें करते हैं, जैसे कि अनिल कुंबले ने जबड़े में पट्टी बांधकर गेंदबाजी की थी तो ये

इतिहास के वो पल होते हैं जिन्हें आप 50 साल बाद भी याद रखते हैं। ये दर्शाता है वो भारत के लिए खेलने को लेकर कितने अधिक समर्पित हैं। टेस्ट क्रिकेट जब इंग्लैंड में खेला जा रहा तो ये बहुत अधिक स्पेशल हो जाता है। एक क्रिकेटर के तौरपर आपके ऊपर बहुत अधिक ध्यान होता है। आप अपना बेस्ट देना चाहते हैं। सफेद गेंद में उनका वैसा प्रभाव नहीं है लेकिन रेड बॉल में पंत किसी भी अन्य फॉर्मेट से ज्यादा प्रभाव छोड़ना चाहते हैं।' संजय मांजरेकर ने आगे कहा, 'वो चोटिल हैं और इस बात को नजरअंदाज मत करिए। अगर किसी दिन उसे बताया जाये कि वो अम्पैयर नहीं हिला सकता तो भी उसका हैंड-आई कोर्डिनेशन इतना अच्छा है कि वो उससे ही हावी हो जाता है। इंग्लैंड को इसके चिंता होगी कि पंत वापस आ गया है।' गौर है कि पंत ने 75 गेंदों में 54 रन की पारी खेली जिसमें उन्होंने एक छक्का भी लगाया। यह उनकी 19वीं टेस्ट फिफ्टी थी हालांकि वह जॉफ्रा आर्चर की शानदार गेंद का शिकार बने। यह पारी टीम के लिए एक प्रेरणा बनकर उभरी पूर्व भारतीय खिलाड़ी और विश्लेषक संजय मांजरेकर ने इस घटना की तुलना अनिल कुंबले के ब्रोकन जॉ में गेंदबाजी करने वाले इतिहासिक पल से की।

ऋषभ के चोटिल पैर को निशाना बनाने वाले स्टोक्स पर भड़के लोग

मैनचेस्टर । भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत मैनचेस्टर टेस्ट के दूसरे दिन पैर की अंगुली में फैक्चर के बाद भी बल्लेबाजी के लिए उतरे । उनके इस जज्बे की जहां लोगों ने प्रशंसा की और उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन दिया । वहीं इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की कड़ी आलोचना की है । स्टोक्स इस मैच में जानबूझकर ऋषभ के चोटिल पैर पर यॉर्कर गेंदें कर रहे थे । वहीं जब ऋषभ ने एक रन लिया तब भी स्टोक्स ने बहुत ही ध्यान से उनके पैर के उस पंजे को देखा जिसमें फैक्चर हुआ था । उन्होंने टूटी उंगली को लक्ष्य कर लगातार यॉर्कर गेंदें फेंकीं । ऋषभ तब भी बिना डरे जमे रहे और उन्होंने एक पैर से खेलते हुए आक्रामक शॉट लगाये । जोफ्रा आर्चर ने भी उनके पैर पर ही निशाना साधार पर इस बल्लेबाजी ने शानदार छक्का लगा दिया । इस प्रकार किसी बल्लेबाज के चोटिल पैर को ही गेंद से टारगेट करने की स्टोक्स की रणनीति की सोशल मीडिया में जमकर आलोचना हुई है । लोगों ने कहा कि खेल है, खेल ही रहने दो । क्या आउट करने के लिए फैक्चर पर ही टारगेट करना जरूरी था ? यह आउट करने की रणनीति थी या विरोधी को जानबूझकर और ज्यादा चोटिल करने की बेहद शर्मनाक कोशिश ? साथ ही कहा कि स्टोक्स ने क्रिकेट भावना, खेल भावना, जेंटलमेन गेम जैसे बातों का अपमान किया है । अभी दो दिन पहले ही पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने कहा था कि इंग्लैंड सहित कुछ टीमें खेल भावना शब्द का इस्तेमाल अपनी सुविधा के अनुसार करती हैं । मैनचेस्टर टेस्ट में भारत ने अपनी पहली पारी में 358 रन बनाए हैं । फैक्चर होने के बावजूद ऋषभ ने दूसरे दिन बल्लेबाजी की और 54 रन बनाकर आउट हुए ।

प्रधानमंत्री मोदी इंग्लैंड दौरे में युवा क्रिकेटरों से मिले

लंदन । भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने इंग्लैंड दौरे में समय निकालकर युवा क्रिकेटरों से भी मिले । मोदी जब युवा क्रिकेटरों से मिले रहे थे तो उनके साथ इंग्लैंड के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर भी वहां उपस्थित थे। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात की तस्वीरें जारी करते हुए लिखा, क्रिकेट का यह रिश्ता अपने शीर्ष पर है । प्रधानमंत्री मोदी ने चेकर्स एस्टेट में युवा क्रिकेटरों से मुलाकात करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने में खेल की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी । गौरतलब है कि भारत और इंग्लैंड के बीच लंबे समय से क्रिकेट के मैदान पर कड़ी टक्कर रही हैं । वहीं भारतीय सीनियर क्रिकेट टीम भी इस समय 5 टेस्ट मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड में ही है । अभी तक इस सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पीछे चल रही है । वहीं, मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट खेला जा रहा है । वहीं हाल ही में भारतीय महिला टीम ने भी यहां एकदिवसीय और टी20 सीरीज जीती थी । भारतीय अंडर-19टीम भी अभी इंग्लैंड दौरे पर है । इस टीम ने भी यहं शानदार प्रदर्शन किया है । कई भारतीय खिलाड़ी भी इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलते हैं । ठीक इसी तरह इंग्लैंड के कई क्रिकेटर भी आईपीएल में खेलते हैं ।

भारतीय टीम वापसी के लिए आक्रामक क्रिकेट खेले : वॉन

मैनचेस्टर । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है भारतीय टीम को इस सीरीज में वापसी के लिए विराट कोहली की तरह का आक्रामक क्रिकेट खेलना होगा । वॉन ने कहा कि भारतीय टीम को तीसरे दिन के खेल पर सबसे ज्यादा धयान देना होगा । भारतीय टीम ने पहली पारी में 358 रन बनाये हैं । वॉन के अनुसार अगर भारतीय टीम तीसरे दिन के खेल पर नियंत्रण बनाने में सफल रही तो उसे जीत मिल सकती है । साथ ही कहा कि कप्तान शुभमन गिल और टीम के लिए ये दिन अभी या कभी नहीं वाला साबित हो सकता है । उसके पास आक्रामक खेलने के अलावा कोई विकल्प नहीं है । वॉन ने कहा कि, तीसरे दिन ही सीरीज का फैसला तय होगा । अगर इंग्लैंड का तीसरा दिन अच्छा रहा तो वह सीरीज जीत जाएगी । इसलिए भारतीय कप्तान को विराट कोहली वाली आक्रामक मानसिकता के साथ उतरना होगा । वहीं अगर भारतीय टीम टीम सफल रही तो वह सीरीज में बनी रहेगी । भारतीय गेंदबाज हालांकि अब तक इस मैच प्रभावी साबित नहीं हुए हैं क्योंकि वह विरोधी टीम पर दबाव नहीं बना पाये । इस मैच से डेब्यू करने वाले अंशुल कंबोज भी कुछ खास नहीं दिखे । टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज भी प्रभावित नहीं कर पाये। भारतीय टीम पांच मैचों की इस सीरीज में भी 1-2 से पीछे है ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम चार मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम अगस्त में चार मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी, जो 15 से 21 अगस्त तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेली जाएगी। यह श्रृंखला बेहद प्रतिस्पर्धी होने की उम्मीद है, जिसमें आठवें स्थान पर काबिज भारत का सामना छठे स्थान पर काबिज ऑस्ट्रेलिया से होगा। ये मैच 15, 16, 19 और 21 अगस्त को खेले जाएँगे।

दोनों टीमें हाल ही में यूरोप में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 में आमने-सामने हुई थीं, जहाँ ऑस्ट्रेलिया ने दोनों चरणों में भारत को 3-2 से हराया था। हालाँकि, भारत ने इससे पहले 2024 पेरिस ओलंपिक में कूकाबुरास पर 3-2 से

यादगार जीत दर्ज की थी - 1972 म्यूनिख खेलों के बाद ऑस्ट्रेलिया पर उनकी पहली ओलंपिक जीत।

हालाँकि हाल के मुकाबलों में कड़ी टक्कर देखने को मिली है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने ऐतिहासिक रूप से इस प्रतिद्वंद्विता में बढ़त बनाए रखी है और 2013 से दोनों टीमों के बीच खेले गए 51 मैचों में से 35 में जीत हासिल की है। भारत ने नौ बार जीत हासिल की है, जबकि सात मैच ड्रॉ रहे हैं। यह श्रृंखला 29 अगस्त से 7 सितंबर तक बिहार के राजगीर में होने वाले एशिया कप 2025 से पहले भारत के लिए एक महत्वपूर्ण तैयारी का काम करेगी। यह टूर्नामेंट एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप 2026 के लिए सीधे क्वालीफिकेशन स्थान प्रदान करता है, जिससे ऑस्ट्रेलिया दौरा भारत की तैयारी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बन जाता है।

यश पर अब एक नाबालिग ने लगाया बलात्कार का आरोप

मुम्बई (ईएमएस) । क्रिकेटर यश दयाल की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं । पहले ही यौन शोषण मामले में फंसे यश पर अब जयपुर में एक नाबालिग ने रेप का आरोप लगाया है । आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के क्रिकेटर यश पर इससे पहले गाजियाबाद में एक युवती ने शादी का झांसा देकर शारीरिक और मानसिक शोषण का आरोप लगाया था । इस मामले में वह कानूनी कार्यवाही का सामना कर रहे हैं हालांकि

वह अभी तक गिरफ्तारी से बचे हुए हैं। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने हाल ही में गाजियाबाद मामले में यश की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी पर अब जयपुर में उनके खिलाफ जो मामला दायर हुआ है उससे उनका करियर भी खतरे में आ गया है। उनपर 17 साल की नाबालिग लड़की ने बलात्कार का आरोप लगाया है । एक रिपोर्ट के अनुसार, यश के खिलाफ सांगानेर सदर पुलिस स्टेशन में नाबालिग पीड़िता द्वारा बलात्कार के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। रिपोर्ट में नाबालिग लड़की ने आरोप लगाया है कि यश ने पेशेवर क्रिकेट में बेहतर भविष्य का वादा करते हुए उसका दो साल तक शोषित किया । रिपोर्ट के अनुसार पीड़िता क्रिकेट के जरिये ही यश के संपर्क में आयी थी । ऐसे में यश ने उसे बेहतर क्रिकेट करियर बनाने का झांसा देते हुए दो साल तक बलात्कार किया । रिपोर्ट में आईपीएल 2025 का भी जिक्र करते हुए कहा गया है कि यश दयाल ने जयपुर में हुए मैच के दौरान पीड़िता को एक होटल में बुलाया और उसका शोषण किया । लंबे समय तक चुप्पी, भावनात्मक ब्लैकमेल और शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न के बाद पीड़िता ने अंत में उसके खिलाफ आधिकारिक तौर पर शिकायत दर्ज कराई है ।. जयपुर पुलिस ने आगे बताया कि जब बलात्कार की पहली घटना तब हुई थी जब पीड़िता 17 साल की नाबालिग थी, इसलिए यश के खिलाफ पास्को अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है । इसमें दोषी पाये जाने पर यश को लंबे समय की सजा होना तय है ।

बीसीसीआई से हुए बाहर तो इस टीम ने अभिषेक नायर को बनाया कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर अभिषेक नायर को महिला प्रीमियर लीग की टीम यूपी वॉरियर्स का नया हेड कोच नियुक्त किया गया है। उन्होंने जॉन लुईस की जगह ली है, जो पिछले तीन सीजन से इस भूमिका में थे। टीम ने लगातार दो सीजन में खराब प्रदर्शन के बाद बदलाव की राह चुनी है। नायर के कोचिंग अनुभव और खिलाड़ियों को संवारने की उनकी खासियत ने टीम मैनेजमेंट को प्रभावित किया।

अभिषेक नायर का कोचिंग करियर बेहद प्रभावशाली रहा है। 2018 में केकेआर के साथ कोचिंग की शुरुआत करने वाले नायर ने बाद में छ्क्कमें त्रिनबागो नाइट राइडर्स के कोच की भूमिका भी निभाई। आईपीएल 2024 में उन्होंने केकेआर को तीसरी बार खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद वह भारतीय टीम के सहायक कोच बने, हालांकि, उनका कार्यकाल लंबा नहीं रहा और वो फिर से केकेआर के कोचिंग स्टाफ में लौट गए।

वहीं यूपी वॉरियर्स के सीओओ क्षेमल वाइंगणकर ने कहा कि, अभिषेक जैसा अनुभव और विजयी सोच वाला कोच मिलना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। पिछले 18 महीनों में वे तीन अलग-अंग टीमों को चैंपियन बना चुके हैं। हमें विश्वास है कि वह यूपी वॉरियर्स को भी एक नई ऊंचाई पर ले जाएंगे।

हालांकि, ये पहली बार होगा जब नायर किसी महिला टीम के कोच बने हैं। लेकिन 2023 में उन्होंने बेंगलुरु में यूपी वॉरियर्स के लिए एक हफ्ते का कैंप भी आयोजित किया था। वे पहले भी रोहित शर्मा, दिनेश कार्तिक, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल जैसे खिलाड़ियों के करियर में नई जान फूंक चुके हैं।

अगले माह होगा रोमन रेंस और जे उसो का ब्रेकर और ब्रॉन्सन से मुकाबला

सेन डियागो । डब्ल्यू डब्ल्यूई में अगले महा अगस्त में रेसलर रोमन रेंस और जे उसो की टीम का मुकाबला ब्रॉन ब्रेकर और ब्रॉन्सन रीड से होगा । यह मुकाबला 2 या 3 अगस्त को समरस्लैम में होगा । पॉल हेमैन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करके इस मुकाबले के बारे में बताया है । उन्होंने रोमन रेंस और जे उसो को चेतावनी भी दी है । हेमैन ने रोमन रेंस को चेतावनी देते हुए कहा है कि यह मुकाबला उनके लिए बेहद कठिन रहेगा । हेमैन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया । इस वीडियो में उन्होंने कहा, रोमन किसी भी दिन मुकाबला करें उससे फर्क नहीं पड़ेगा। ब्रॉन ब्रेकर और ब्रॉन्सन रीड की ओर से रोमन रेंस और जे उसो ने मुकाबले की चुनौती स्वीकार की है। रोमन ने इससे पहले हेमैन का मजाक उड़ाया था । उन्होंने कहा था कि हेमैन ने उन्हें द ट्राइबल चीफ नहीं बनाया है । रेंस ने कहा कि वह द ट्राइबल चीफ इसलिए हैं क्योंकि फैंस उन्हें अभी भी मानते हैं । इसके बाद ब्रॉन ब्रेकर ने कहा कि वह यहां के नए बिग डॉग हैं । रेंस और ब्रेकर के बीच मारपीट भी हुई थी । जे उसो ने आकर रोमनको बचाया । इसके बाद रेंस ने समरस्लैम के लिए चुनौती दी । जे उसो इस मुकाबले में रोमन रेंस के पार्टनर होंगे ।

मैनचेस्टर टेस्ट में अपने गेंदबाजी प्रदर्शन से संतुष्ट नही अंशुल कंबोज, कहा- मैं सुधार की कोशिश करूंगा

मैनचेस्टर (एजेंसी)। मैनचेस्टर टेस्ट के दूसरे दिन भारतीय तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज अपनी गेंदबाजी से संतुष्ट नही है। डेब्यू करने वाले इस गेंदबाज ने 94 रन बना चुके बेन डकेट का बड़ा विकेट जरूर लिया, लेकिन वह महंगे साबित हुए और अपने 10 ओवर के स्पेल में 48 रन लुटा दिए। 24 वर्ष के इस गेंदबाज को चौथे टेस्ट के लिए आकाश दीप की जगह प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया जो कमर की चोट से जूझ रहे है।

कंबोज ने कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला विकेट लेने के बाद मुझे अच्छा महसूस हुआ। मेरा ध्यान सही जगह पर गेंद डालने पर था। यही मेरी शुरुआत से योजना थी। कुछ गेंदे अच्छी लगी, कुछ नहीं। सच कहूँ तो, मैं अभी भी अपनी गेंदबाजी से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हूँ। मैं कल सुधार करने और बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करूँगा।'

कंबोज ने आगे कहा, 'मैंने अपने पहले दो स्पेल में ज़्यादा मेहनत करने की कोशिश की। तीसरे स्पेल में, मैंने अपनी ताकत पर ध्यान केंद्रित किया और अपने क्षेत्रों में टिके रहे। कल, हम फिर से अच्छे क्षेत्रों में गेंदबाजी करने की कोशिश करेंगे और उन्हें जल्द से जल्द आउट करने की कोशिश करेंगे। मुख्य बात बाउंड्री को सीमित करना होगा क्योंकि वे सिंगल लेने के बजाय चौके मारने पर ज़्यादा ध्यान केंद्रित करते दिख रहे हैं।'

गौर है कि अपनी पहली पारी 358 रनों पर समाप्त करने के बाद टीम इंडिया को पहली पारी में गेंदबाजी में संघर्ष करते देखा गया। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही पारी को संभाला। जैक क्रॉली और बेन डकेट ने 166 रनों की ओपनिंग साझेदारी की, लेकिन रवींद्र जडेजा ने क्रॉली को 84 रन पर आउट कर दिया। 39वें ओवर में अंशुल कंबोज ने डकेट को 94 रन पर आउट करके अपना पहला टेस्ट विकेट लिया। लेकिन यह काफी नहीं था। भारतीय के अग्रणी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को विकेट नहीं मिला जो भारतीय टीम के लिए दिल तोड़ने वाला था। उधर इंग्लैंड ने दूसरे दिन दबदबा बनाते हुए दिन के अंत तक स्कोर 225/2 किया।

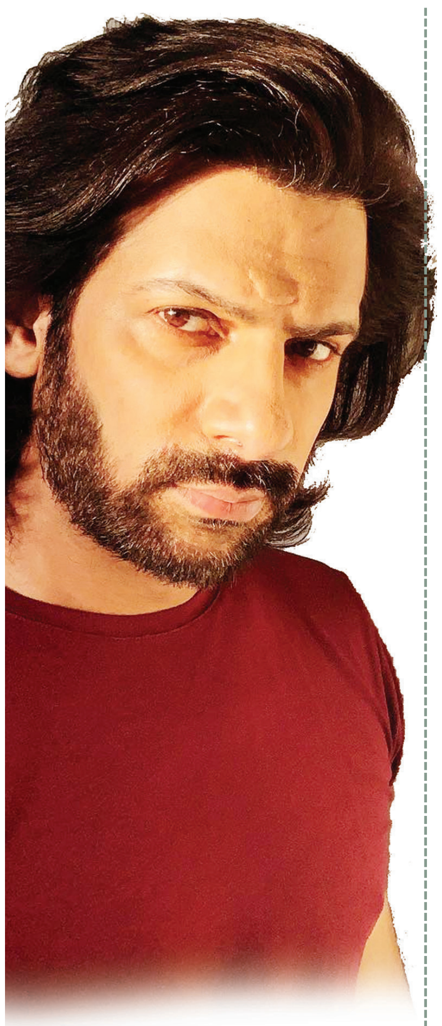

करण वीर मेहरा को मिलेगा डॉन 3 में विलेन का रोल!

अभिनेता और बिग बॉस 18 के विजेता करण वीर मेहरा को मशहूर निर्माता कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट के ऑफिस के बाहर देखा गया। खबर है कि करण को आने वाली फिल्म डॉन 3 में खलनायक की भूमिका में लेने के लिए विचार किया जा रहा है। यह रोल पहले विक्रांत मैसी निभाने वाले थे, लेकिन उनके फिल्म से बाहर होने के बाद यह मौका करण को मिल सकता है। इंडस्ट्री के एक करीबी सूत्र ने बताया, हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन हाल ही में फिल्म सिला से उनका फर्स्ट लुक सामने आया, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। ऐसे में उन्हें डॉन 3 में विलेन रोल के लिए अप्रोच किया जा सकता है।

फरहान अख्तर निर्देशित डॉन 3 इस लोकप्रिय एक्शन फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। इस फिल्म के रिलीज की संभावना दिसंबर 2026 तक है। यह फ्रैंचाइजी 1978 में बनी अमिताभ बच्चन स्टारर फिल्म डॉन से शुरू हुई थी। इसके बाद 2011 में इसके रीमेक डॉन – द चेज़ बिगिन्स में शाहरुख खान लीड एक्टर के तौर पर नजर आए। वर्कफ्रंट की बात करें तो करण वर्तमान में मैरी कॉम और सरबजीत जैसी दमदार फिल्मों के लिए मशहूर डायरेक्टर उमंग कुमार निर्देशित सिला की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वह जहराक नाम के विलेन का खतरनाक किरदार निभा रहे हैं। करण वीर ने सोशल मीडिया पर अपना फर्स्ट लुक शेयर किया था, जिसमें वह खून से लथपथ, लंबे उलझे बाल और हाथ में तलवार लिए नजर आए। इस लुक को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, खुद ही खुदा, खुद ही इंसाफ! इस फिल्म में हर्षवर्धन राणे और सादिया खतीब भी अहम भूमिकाओं में हैं। बता दें कि सादिया फिल्म रक्षा बंधन में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ काम कर चुकी हैं। उन्होंने फिल्म में अक्षय की बहन की भूमिका निभाई थी।

सिला को जी स्टूडियोज की ओर से दिखाया जायेगा। इसे ब्लू लोटस पिक्चर्स और स्टार्क एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया जा रहा है। साथ ही इनोवेशन्स इंडिया भी इस फिल्म में जुड़ा है। डॉन 3 में करण वीर मेहरा की एंट्री दर्शकों के लिए एक नया रोमांच लेकर आ सकती है। फैंस फिल्म से जुड़ी आधिकारिक घोषणाओं का इंतजार बेसब्री से कर रहे हैं।

राणा नायडू के पहले सीजन में अदिति हुई थीं रिजेक्ट, दूसरे में बनीं स्टंट वुमन

एक्ट्रेस अदिति शेट्टी इन दिनों वेब सीरीज राणा नायडू के सीजन 2 में नजर आ रही हैं। इसमें उन्होंने तसनीम का किरदार निभाया है, जो एक शक्तिशाली महिला का रोल है। आदिति ने बातचीत के दौरान बताया कि इस किरदार को निभाने के लिए उन्होंने क्या-क्या तैयारी की।

वेब सीरीज राणा नायडू में काम करने का अनुभव कैसा रहा?

राणा नायडू वेब सीरीज में काम करने का अनुभव मेरे लिए बेहद खास और यादगार रहा। यह मेरे लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं था। पूरी टीम बहुत ही अच्छी और प्रोफेशनल है। अगर कलाकारों की बात करूं तो राणा दग्गुबाती, सुशांत सिंह, अर्जुन रामपाल और अभिषेक बनर्जी जैसे शानदार अभिनेताओं के साथ काम करना मेरे लिए एक बहुत बड़ी बात थी। मैंने इन सभी से बहुत कुछ सीखा। कुल मिलाकर मेरा अनुभव बहुत ही अच्छा था।

तसनीम का किरदार आपकी रियल लाइफ पर्सनैलिटी से कितना मेल खाता है या फिर कितना अलग है?

आदिति और तसनीम एक–दूसरे से काफी अलग हैं। मैं असल जिंदगी में बहुत तेज–तेज और जल्दबाजी में बोलने वाली हूं, जबकि तसनीम बहुत ठहरकर, सोच–समझकर बात करती है। जब तसनीम कुछ कहती है, तो लोग उसे ध्यान से सुनते हैं। तसनीम बहुत मुंहफट और स्ट्रेट फॉरवर्ड है। उसे पता है कि अपना काम दूसरों से कैसे निकलवाना है और वह किसी के सामने झुकती नहीं। जबकि मैं असल जिंदगी में थोड़ी अलग हूं।

अपने किरदार के बारे में क्या कहेंगी?

इस सीरीज में मैं तसनीम का किरदार निभा रही हूं, जो एक स्टंट वुमन है। यह किरदार एक बहुत ही मजबूत और आत्मनिर्भर महिला का है। तसनीम राणा के वर्ल्ड में उन चुनिंदा महिलाओं में से एक है जो किसी के सामने भी डटकर खड़ी हो सकती है और जो अपने हक के लिए लड़ सकती है। मुझे यह किरदार इसीलिए भी खास लगा क्योंकि यह न केवल फिजिकली स्ट्रॉन्ग है, बल्कि इमोशनली भी बहुत ग्राउंडेड है। एक और खूबसूरत पहलू यह है कि मेरे और अभिषेक बनर्जी के किरदार के बीच एक बेहद प्यारी लव स्टोरी भी दिखाई गई है। जहां पूरी सीरीज में एक्शन और इंटेंस ड्रामा है, वहीं यह लव स्टोरी दर्शकों को एक इमोशनल कनेक्शन भी देती है, जो आज के समय में बहुत कम देखने को मिलती हैं।

राणा दग्गुबाती के साथ एक्शन सीन करते समय आपको कितनी नर्वसनेस हुई? क्या कोई मोटिवेशन मिला?

जब मुझे पता चला कि मेरा राणा दग्गुबाती सर के साथ वन–ऑन–वन एक्शन सीन है, तो मैं बहुत खुश थी, लेकिन उतनी ही नर्वस भी। मन में कई सवाल थे। कैसे करूंगी, क्या ठीक से कर पाऊंगी। लेकिन जैसे ही मैं सेट पर पहुंची, सब कुछ अपने आप ही आसान हो गया। राणा सर ने माहौल इतना नॉर्मल बना दिया था कि नर्वसनेस धीरे–धीरे खत्म हो गई। वो सेट पर बहुत शांत और सहयोगी थे। उन्होंने कभी मुझे ऐसा महसूस नहीं होने दिया कि मैं नई हूं या कुछ गलत कर रही हूं।

आपको पहले सीजन में रिजेक्शन मिला। अब जब आप दूसरे सीजन का हिस्सा हैं, तो कैसा लग रहा है?

देखिए, रिजेक्शन किसी को भी अच्छा नहीं लगता मुझे भी नहीं लगा था। हां, थोड़ी निराशा जरूर हुई थी, क्योंकि मैं पहले सीजन का हिस्सा बनना चाहती थी। लेकिन मैं ये भी समझती हूं कि हर ऑडिशन में सिलेक्शन नहीं होता। ये प्रोसेस का हिस्सा है और इससे सीख मिलती है। जब मुझे पता चला कि इसका दूसरा सीजन आ रहा है, तो मैं बिना किसी झिझक के फिर से ऑडिशन देने पहुंच गई। इस बार मेरा सिलेक्शन हुआ और मुझे एक बेहतरीन किरदार निभाने का मौका मिला।

क्या तारा सुतारिया ने वीर पहाड़िया के साथ रिलेशनशिप किया कन्फर्म?

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया एक बार फिर अपने रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर सुर्खियों में हैं। तारा और वीर पहाड़िया के बीच की नजदीकियां एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई हैं। अब वीर का एक कमेंट दोनों के बीच डेटिंग की अफवाहों को हवा दे रहा है। दरअसल एक दिन पहले तारा सुताारिया ने पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों के साथ एक तस्वीर शेयर की हैं, जिस पर वीर पहाड़िया ने एक प्यारा सा कमेंट किया। तारा के लेटेस्ट पोस्ट पर वीर ने 'माय लव' लिखते हुए कमेंट किया, जिसके जवाब में तारा ने रिप्लाई देते हुए 'माइन' लिखा। दोनों के बीच इस बातचीत को देखकर फैंस को ये समझने में ज्यादा देर नहीं लगी कि दोनों शायद अपने रिलेशनशिप की तरफ इशारा कर रहे हैं। कई लोगों ने तो ये भी कहा कि अब फाइनली दोनों ने अपने रिश्ते को पब्लिकली एक्सेप्ट कर लिया है।

तारा का एपी के साथ नया गाना

तारा सुतारिया की ये पोस्ट उनके नए गाने 'थोड़ी सी दारू' से जुड़ी थी, जिसमें वो एपी ढिल्लों के साथ नजर आ रही हैं। फोटोशूट की इन रोमांटिक तस्वीरों को जहां कई फैंस ने पसंद किया, वहीं वीर पहाड़िया के कमेंट ने सबका ध्यान खींच लिया। वीर के प्यार भरे कमेंट पर तारा के जवाब ने भी फैंस का ध्यान खींचा।

दोनों के बीच डेटिंग की अटकलें

गौरतलब है कि तारा और वीर को कुछ समय पहले मुंबई के एक स्पेनिश रेस्टोरेंट से साथ निकलते हुए स्पॉट किया गया था। तभी से दोनों के बीच रिलेशनशिप की अटकलें तेज हो गई थीं। पहले तारा का नाम एपी ढिल्लों के साथ भी जुड़ा था, लेकिन अब सोशल मीडिया पर वीर पहाड़िया के साथ उनके इस मोमेंट ने काफी कुछ साफ कर दिया है।

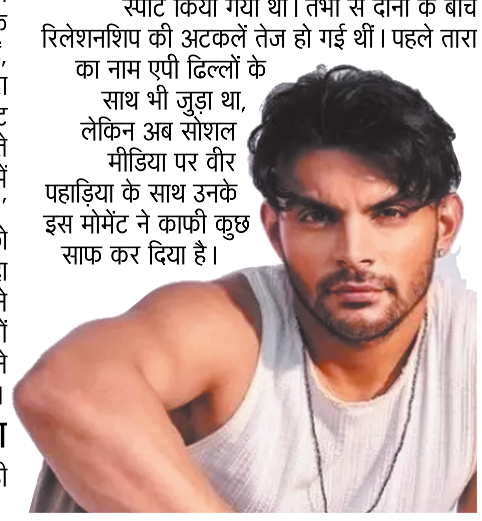

राम नहीं, रावण के नजरिए से बनेगी रामायण, आलिया निभाएंगी सीता का रोल?

फिल्म निर्माता नितेश तिवारी ने अपनी फिल्म रामायण का एलान कर दिया है। यह फिल्म दो भागों में रिलीज होने वाली है। इस पर अभी काम चल रहा है। अभिनेता विष्णु मांचू ने भी हाल ही में खुलासा किया है कि उनके पास भी एक स्क्रिप्ट तैयार है। लेकिन, रामायण का उनका संस्करण रावण के जीवन पर केंद्रित है। बातचीत में विष्णु मांचू से पूछा गया कि वह कहानी के हिसाब से किसे कास्ट करेंगे। इस पर उन्होंने कहा भगवान राम की भूमिका के लिए मेरे दिमाग में सबसे पहले अभिनेता सूर्या का नाम आता है। सीता की भूमिका के लिए, उन्होंने आलिया भट्ट को चुना।

स्क्रिप्ट तैयार है लेकिन किरदार नहीं हैं

उन्होंने खुलासा किया मेरे पास रावण के बारे में एक स्क्रिप्ट पहले से ही है। इसमें उनके जन्म से लेकर मृत्यु तक की कहानी है। उसी के लिए, मैंने 2009 में सूर्या से राम का किरदार निभाने के लिए संपर्क किया था। हालांकि बजट मेरे हिसाब से ठीक नहीं था, इसलिए बात नहीं बन पाई। फिल्म का निर्देशन राघवेंद्र राव करने वाले थे। मेरे पिता रावण का किरदार निभाने वाले थे। मेरे पास इसकी स्क्रिप्ट और संवाद तैयार हैं, लेकिन मुझे नहीं पता कि मैं कभी इसे निभा पाऊंगा या नहीं।

मिट्टी में मेरा किरदार राघव बिल्कुल मेरे जैसा है

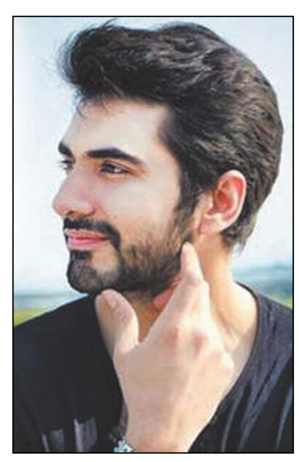

एक्टर इश्वाक सिंह इन दिनों वेब सीरीज मिट्टी में राघव का किरदार निभाने को लेकर चर्चाओं में हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें असल जिंदगी और शो में अपने किरदार की कहानी के बीच कुछ समानताएं महसूस होती हैं। जब इश्वाक सिंह से पूछा गया कि राघव का किरदार उनके लिए इतना खास क्यों है, तो उन्होंने कहा कि राघव की कहानी में कई बातें ऐसी थीं, जो उन्हें अपनी जिंदगी से मिलती–जुलती लगीं। सबसे पहली और अहम बात जो उन्हें राघव से जोड़ती है, वो है उनका अपने गांव और परिवार से गहरा जुड़ाव। उन्होंने शो के बारे में कहा, जब मैंने मिट्टी की कहानी पढ़ी, तो यह मेरे दिल को छू गई। ऐसी कहानियां बहुत कम मिलती हैं, जो व्यक्तिगत भी हों और सबके लिए मायने भी रखें। मिट्टी की कहानी इंसान और उसके गांव के बीच खास रिश्ते पर आधारित है। सीरीज की कहानी राघव के इर्द–गिर्द घूमती है। वह एक बड़े शहर में काम करने वाला सफल एडवरटाइजिंग एग्जीक्यूटिव है। शो में दिलचस्प मोड़ तब आता है, जब वह अपने दादाजी के लिए गांव लौटता है।

सिनेमा के रखवाले अपने ही एक फिल्म फेस्टिवल को जीवित रखने में नाकाम

फिल्म निर्माता हंसल मेहता ने मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल 2025 के रद्द होने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे एक क्रूर विडंबना बताया कि सिनेमा के रखवाले अपने ही एक फिल्म फेस्टिवल को जीवित रखने में नाकाम रहे।

निर्माता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यह कितनी अजीब विडंबना है कि भारत की आर्थिक और फिल्मी राजधानी मुंबई, जो अपनी चकाचौंध के लिए जानी जाती है, खुद अपना एक फिल्म समारोह भी कायम नहीं रख पाई। सिनेमा के तथाकथित रखवाले, जो सिर्फ चमक–दमक वाले मंचों और सुरक्षित दांवों की तलाश में रहते हैं, उन्होंने इसे कुछ जुनूनी लोगों के भरोसे छोड़ दिया, न कोई समारोह है, न कोई गुस्सा। बस एक धीमी, खामोश, गुमनामी। जिसे हमारी संस्कृति का एक मजबूत स्तंभ होना चाहिए था, वह अब बस एक फुटनोट बनकर रह गया है। प्रगति के नाम पर उपेक्षा का एक और शिकार। मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल लगभग तीन दशकों से फिल्म जगत में एक प्रमुख स्थान रखता है। हालांकि, आयोजकों ने सोमवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर इस साल के महोत्सव के रद्द होने की जानकारी दी। महोत्सव के निर्देशक शिवेंद्र सिंह डूंगरपुर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर किया था, जिसमें उन्होंने लिखा, आपको सूचित करता हूं कि मामी मुंबई फिल्म महोत्सव 2025 का संस्करण इस साल आयोजित नहीं किया जाएगा। हम एक महोत्सव को नई टीम के साथ नया रूप देने की प्रक्रिया में हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह महोत्सव भारत और दुनियाभर के सर्वश्रेष्ठ स्वतंत्र, क्षेत्रीय और क्लासिक सिनेमा के एक प्रमुख प्रदर्शन के रूप में लौटे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वे अगले साल महोत्सव के एक नए संस्करण के साथ वापस आएंगे। उन्होंने आगे कहा, हम महोत्सव को पुनर्निर्धारित करने के लिए पूरी लगन से काम कर रहे हैं और 2026 संस्करण की नई तारीखों की घोषणा जल्द से जल्द करेंगे।

सारा अली खान के साथ अपनी केमिस्ट्री पर आदित्य रॉय कपूर का खुलासा

आदित्य रॉय कपूर अपनी नई फिल्म मेट्रो इन दिनों की सफलता से खुश हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी सह–कलाकार सारा अली खान के साथ अपनी दोस्ती और फिल्म की शूटिंग और प्रमोशन के अनुभव को शेयर किया। बातचीत के दौरान आदित्य ने बताया कि उनकी और सारा की केमिस्ट्री स्वाभाविक है। उन्होंने कहा, केमिस्ट्री बनाना संभव नहीं है, यह अपने आप बनती है। अच्छी कहानी और निर्देशक इसमें मदद करते हैं। उन्होंने आगे कहा, हम पहले एक–दूसरे को ज्यादा नहीं जानते थे। सामाजिक तौर पर थोड़ा–बहुत परिचय था, लेकिन फिल्म के सेट और प्रमोशन के दौरान हमने एक–दूसरे को बेहतर समझा। प्रमोशन के समय हमने साथ में ज्यादा वक्त बिताया और एक–दूसरे के बारे में बहुत कुछ सीखा।

आदित्य ने थिएटर और ओटीटी को किया कंपेयर

आदित्य को थिएटर और ओटीटी दोनों में काम करना पसंद है, लेकिन थिएटर में फिल्म रिलीज होने का रोमांच अलग है। उन्होंने कहा, निर्देशक अनुराग बसु के साथ काम करना शानदार रहा। लूडो के बाद इस फिल्म में उनके साथ फिर से काम करना रोमांचक था। उन्होंने बताया कि थिएटर में फिल्म का प्रदर्शन सभी के लिए महत्वपूर्ण होता है, लेकिन आखिर में फिल्म का आनंद ही सबसे जरूरी है। ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्मों में थोड़ा ज्यादा आराम मिलता है, लेकिन थिएटर का अनुभव अनोखा है।

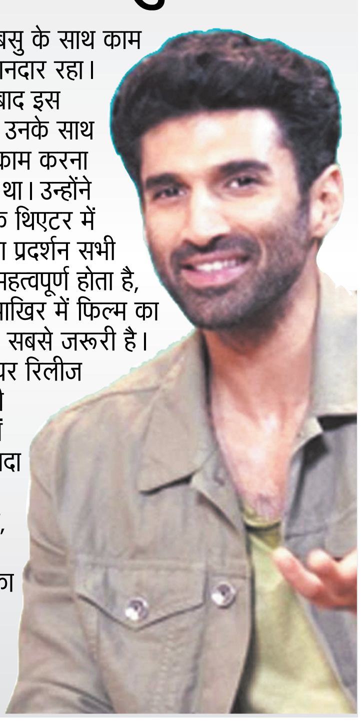

कठिन चुनौती है वर-वधू का चुनाव

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है।

मीता और मोहन दोनों ने प्रेम विवाह किया और विवाह के कुछ समय बाद दोनों में तलाक हो गया। रीता और रमेश दोनों का विवाह माता-पिता ने अपनी पसंद से किया लेकिन उनमें भी नहीं बनी और उनका भी तलाक हो गया। अब प्रश्न उठता है कि वर-वधू का चुनाव किस तरह किया जाए कि उनका वैवाहिक जीवन सफल व खुशियों से भरा-पूरा हो।

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है। अब न तो माता-पिता के भरोसे वर-वधू का चुनाव छोड़ा जाए और न ही पूर्णत: लड़के-लड़कियों के भरोसे।

वर्तमान समय में ये दोनों ही व्यवस्थाएं अपने आप में अपूर्ण हैं। वैवाहिक जीवन की गाड़ी लड़के-लड़की द्वारा ही चलेगी, माता-पिता द्वारा नहीं। इसलिए यह जरूरी है कि मध्य मार्ग का अनुसरण करते हुए वर और वधू को शादी से पहले एक-दूसरे के विचार, पसंद, नापसंद, भावनाएं, रुचियां, शिक्षा-दीक्षा और संस्कार आदि को भली प्रकार जानने-समझने की आवश्यकता होती है।

इस समस्या को हल करने के लिए कोई बीच का रास्ता अपनाया जाए। लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे को जानने, समझने का मौका दिया जाए, एक-दूसरे की रूचियों, स्वभाव, संस्कार आदि सभी बातों को अच्छी तरह समझ लिया जाए पर यह स्वतंत्र रूप से नहीं वरन माता-पिता की सहमति से ही होना चाहिए।

इस संबंध में एक उदाहरण ध्यान देने योग्य है देवदास गांधी (महात्मा गांधी के पुत्र) और राजगोपालाचारी की पुत्री, दोनों के निकट संपर्क होने के कारण प्रेम हो गया और दोनों ने शादी की इच्छा जतलाई। गांधीजी और राजगोपालाचारीजी ने इस समस्या पर विचार कर यह निर्णय दिया कि यदि आगे पांच साल तक दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर देंगे। दोनों ने पांच साल तक प्रतीक्षा की और पवित्र जीवन बिताया। इस परीक्षा के बाद जब दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर दिया गया। इस तरह हम देखते हैं कि जब तक प्रेम की परीक्षा न हो जाए, वह आंतरिक और शुद्ध न हो तब तक प्रेम विवाह को टालना ही हितकारी है। भावावेश में लिया गया निर्णय कभी वास्तविक प्रेम नहीं हो सकता।

अनुभवहीन लड़के

लड़कियां, बिना जाने-समझे आस-पड़ोस या कहीं निकट संपर्क में आने पर इस तथाकथित प्रेम के चक्कर में फंसकर प्रेम-विवाह कर लेते हैं तो आगे चलकर कुछ समय बाद उनका वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी ही बीतता है।

वर-वधू का चुनाव करते समय एक महत्वपूर्ण बात यह ध्यान में रखने योग्य है कि इसमें धन को विशेष महत्व न दिया जाए। इस दृष्टि से विवाह करना कि वर पक्ष अधिक धन-संपत्ति वाला है या वधू पक्ष से अधिक दहेज मिलेगा, यह बहुत बड़ी भूल है। अधिकांश लोग धन के लालच में पड़कर वर या वधू के न तो गुण, कर्म, स्वभाव, स्वास्थ्य या योग्यता को महत्व देते हैं और न ही उनके चरित्र, संस्कार व आदर्शों को।

परिणामस्वरूप ऐसा वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी, नारकीय अथवा असफल जैसा ही हो जाता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वर-वधू का चुनाव करते समय देखने वाली महत्वपूर्ण बाते ये हैं कि दोनों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उत्तम हो। दोनों के आचार-विचार मिलते हों, जरूरी समझ और पैनी दृष्टि हो। इसके अतिरिक्त शिक्षा-दीक्षा, उत्तम संस्कारों का मेल एवं सूझबूझ वर-वधू के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

क्या बारिश में आपके भी तौलिए से बदबू आती है ? कैसे दूर करें

बारिश के दौरान अक्सर तौलिए में से बदबु आने लगती है जिससे पूरा मूड ऑफ हो जाता है। इतना ही नहीं त्वचा की निखार पर भी असर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि गिले या नमी वाले तौलिये में बैक्टीरिया पनप जाते हैं। इस वजह से त्वचा संबंधित परेशानी भी हो सकती है। तो आइए जानते हैं कैसे आसान तरीकों से तौलिए से आ रही बदबू को भगाएं।

- सबसे पहली बात, कई लोग टॉवेल को ठीक करके उन्हें बाथरूम में रख देते हैं। लेकिन नमी के कारण उनमें बैक्टीरिया पनप जाते हैं। और वह बदबू मारने लगते हैं। इसके बाद वहीं टॉवेल का उपयोग त्वचा संबंधित कुछ भी परेशानी हो सकती है। इसलिए तौलिए को बारिश के दिनों में सुखी जगहों पर ही रखें।
- अक्सर नहाने के बाद लोग तौलिए को कही भी डाल देते हैं। ऐसे में बहुत बदबू आने लगती है। मौसम कोई-सा भी हो नहाने के बाद तौलिए को हमेशा किसी भी स्टैंड या रस्सी पर ही डालें। जिससे टॉवेल का गीलापन सुख जाएगा और बदबू भी नहीं आएगी।
- बारिश में दो तौलिए का इस्तेमाल कीजिए। और तौलिए को हर 2 दिन में धोते रहिए। जिससे बदबू नहीं आएगी और बैक्टीरिया भी नहीं पनपेंगे। मानसून सीजन में धूप बहुत कम निकलती है लेकिन जब भी धूप निकलती है तो गीले कपड़ों को धूप में जरूर डालें। इससे किसी भी कपड़ों में से बदबू नहीं आएंगी। साथ ही तौलिए को धूप में जरूर रखें।
- बारिश के सीजन में कपड़ें अगर नहीं सूखते हैं तो उन्हें आप पंखे की हवा में सुखा लीजिए। इससे बदबू नहीं आएगी।
- बारिश के दौरान सर्फ का इस्तेमाल थोड़ा अधिक कर लीजिए। इससे कपड़ों में से सर्फ की सुगंध के बीच बदबू दब जाएगी। साथ ही आप कपड़ों को धोने के दौरान हल्का सा डेटॉल का प्रयोग भी कर सकते हैं इससे भी कपड़ों में से बहुत कम दुर्गंध आएंगी। हल्की बदबू आने पर आप हल्का स्प्रे भी कर सकते हैं।

हाल ही में सोशल मीडिया में एक पति का लिखा वो पत्र लोगों को भावुक कर गया, जिसमें उसने अपनी पत्नी को समर्पण के लिए शुक्रिया कहा और कृतज्ञता जताई। पति ने लिखा कि एक गृहिणी होने के नाते मुझे लगता था कि मेरी पत्नी घर पर रहती है तो उसके पास काम ही क्या है ? इसलिए मैंने उसे कभी उसके काम का क्रेडिट नहीं दिया। वह दिनभर घर और बच्चे की देखभाल में थकी रहती। लेकिन मुझे घर लौटने पर हमेशा अपनी ही थकान दिखती।

गृहिणियों का श्रम भी मान का हकदार

ऑफिस से लौटकर मैं उसे अक्सर यही कहता कि तुमने क्या किया दिनभर ? लेकिन अब गंभीरता से सोचने पर लगता है कि यह महिला कितनी गजब की है। जो बच्चे और घर की अनगिनत जिम्मेदारियां अकेले ही संभालती है। इतना सोचा तो खुद पर ही गुस्सा आया। इसलिए सबसे कहूंगा कि अपने बच्चों की मां का सम्मान करें। जो घर-परिवार के लिए अपनी हर खुशी से नाता तोड़ लेती हैं।

हर मोर्चे पर है डटी

चिंता में डूबी पत्नी, नसीहतें और समझाइशें देती मां, बड़ों की देखभाल का जिम्मा उठाने वाली बहू और नाते रिश्तेदारी के बुलावे और दिखावे की रीति-नीति निभाने वाली एक जिम्मेदार स्त्री। वह हर मोर्चे पर डटी रहती है। भागती है, दौड़ती है, हांफती है, थकती है। भीतर ही भीतर जूझती भी है। बस, मन की नहीं कहती कभी। गृहिणी जो है। सामाजिक-पारिवारिक छवि कुछ ऐसी कि वह सब कुछ करती है पर कुछ नहीं कहती। वाकई, गृहिणी के रूप में स्त्री की यह भूमिका साधारण होकर भी कितनी असाधारण है। रोजमर्रा की अनगिनत जिम्मेदारियों को निभाते हुए समय के साथ कितना कुछ रीत जाता है गृहिणियों के मन के भीतर। लेकिन इसे समझने का अवकाश ना उसे मिलता है और ना ही उसके अपनों को।

बदलते समय में बढ़ी जिम्मेदारियां

समय के साथ गृहिणी की भूमिका भी बदल गई है। लेकिन उसके हिस्से आई जिम्मेदारियां कम नहीं हुई हैं। आज हर काम के लिए घरों में मशीनें मौजूद हैं पर उसकी भागमभाग अब भी जारी है। पहले जिम्मेदारियां तो थीं लेकिन दायरा सीमित था। मगर आज दायरा असीमित है घर से लेकर बाहर की जिम्मेदारी के अलावा बच्चों की पढ़ाई से लेकर फ्यूचर इंवेस्टमेंट की तैयारियों में वह जुटी रहती है। फिर भी वह हर बात में तालमेल बैठा ही लेती है।

सबके लिए कुछ न कुछ

चाहे गांव हो या शहर सुबह सबसे पहले बिस्तर छोड़ने और रात को सबके बाद अपने आराम की सोचने वाली महिलाएं पति, बच्चों और घर के अन्य सदस्यों की देखरेख में इतनी व्यस्त हो जाती हैं कि खुद को हमेशा दोयम दर्जे पर ही रखती हैं। दूसरों की शर्तों, इच्छाओं और खुशियों के लिए जीने की उन्हें न केवल आदत-सी हो जाती है बल्कि किसी काम में जरा-सी भी कमी रह जाए तो, वे अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। लेकिन फिर भी देखने में आता है कि उन्हें ताने ही सुनने को मिलते हैं। उनके काम का श्रेय और सम्मान उनके हिस्से नहीं आता। कुल मिलाकर कहा जाए तो वो एक ऐसा 'सपोर्ट सिस्टम है जो हमें जीने का हौसला देती हैं। न कोई छुट्टी ना कोई वेतन। सच कहें तो कोई गृहिणी वेतन चाहती भी नहीं। पर वो अपनों की जो सेवा सहायता करती है उसके बदले सम्मान की अपेक्षा तो करती ही है जो कि उसका मानवीय हक भी है। एक राष्ट्रीय सर्वे के मुताबकि 45 प्रतिशत ग्रामीण और 56 प्रतिशत शहरी महिलाएं जिनकी उम्र पंद्रह साल या उससे ज्यादा है पूरी तरह से घरेलू कार्यों में लगी रहती हैं। यह आंकड़ा हैरान करने वाला है कि 60 साल से ज्यादा की उम्र वाली एक तिहाई महिलाएं ऐसी हैं, जिनका सबसे ज्यादा समय इस आयु में भी घरेलू कार्यों को करने में ही जाता है।

भागीदारी का आर्थिक पहलू

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ भारत में ही महिलाएं दिनभर में 352 मिनट अवैतनिक कार्यों को करने में बिताती हैं। यानी इन कामों के लिए उन्हें कोई आर्थिक लाभ नहीं मिलता। जबकि कुछ सालों पहले अमेरिका में हुए एक अध्ययन ने वहां गृहिणियों द्वारा किए गए घरेलू कामों की सालाना कीमत 57 लाख रुपए के बराबर आंकी थी। गौरतलब है कि पश्चिमी देशों में घर की जिम्मेदारियां केवल महिलाओं के हिस्से नहीं हैं। इसलिए वहां गृहिणी के रूप में भी महिलाओं के श्रम और आर्थिक भागीदारी के पक्ष को महत्व दिया जाता है। जबकि हमारे यहां का रहन-सहन और सामाजिक ढांचा कुछ इस तरह का है कि घर पर रहने वाली महिलाओं के हिस्से में काम विकसित देशों से ज्यादा हैं और सुविधाएं कम हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि हमारे यहां घरेलू कार्य का जिम्मा पूरी तरह से महिलाओं का ही होता है। पुरुषों का सहयोग नाममात्र को ही मिलता है। हमारे यहां घरेलू कामकाज में पुरुषों की भागीदारी प्रतिदिन केवल 19 मिनट है।

अनदेखी की शिकार

गृहिणी हर परिवार की पृष्ठभूमि तैयार करती है। किसी कलाकृति को उकेरने के लिए जो स्थान कैनवास का होता है घर के सदस्यों के जीवन में वही भूमिका होती है गृहिणियों की। ये बात और है कि तस्वीर बन जाने पर वे भी कैनवास की तरह ही कहीं पीछे छुप जाती हैं। शायद यही वजह है कि इस रूप में महिलाओं की भागीदारी को हर जगह और हर हाल में अनदेखा करने की ही कोशिश की जाती है। घर का कोई भी सदस्य किसी भी समय कह देता है कि 'तुम दिन भर घर में करती ही क्या हो ?'

मनोवैज्ञानिक आधार

मनोवैज्ञानिक रूप से देखा जाय तो यह अनदेखी एक अपराधबोध के भाव को जन्म देती है। वे सबके साथ होकर भी अकेली हो जाती हैं। उनके मन में सब कुछ करके भी खुद को कुछ भी करने योगय ना समझने का भाव इतना गहरा जाता है कि वे तनाव और अवसाद की शिकार बन जाती हैं। एक हालिया अध्ययन में भी सामने आया है कि 96 फीसद महिलाएं दिन में कम से कम एक बार खुद को दोषी या अपराधी मानती हैं। अपराधबोध से जुड़ा उनका यह भाव अधिकतर मामलों में बच्चों की परवरिश या परिवार की संभाल से ही जुड़ा होता है। इसके बावजूद उनके कार्यों का आकलन ठीक से नहीं किया जाता है।

पेरेंट्स को शर्मिंदगी से बचाती है टॉयलेट ट्रेनिंग, और भी कई काम आती है ये सीख

बच्चों को अगर टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाए, तो इससे पेरेंट्स का काफी काम आसान हो जाता है। बच्चे कभी भी कहीं भी पेशाब या पॉटी नहीं करते हैं जिससे घर साफ रहता है।

छोटे बच्चों यानि टॉडलर एज में बच्चों को पॉटी ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें बच्चों को खुद टॉयलेट जाना सिखाया जाता है। आप 8 से तीन साल के बच्चे को पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग सिखा सकते हैं। 18 महीने के होने के बाद बच्चे का अपने ब्लैडर यानि मूत्राशय पर कंट्रोल आता है। इसलिए एक साल के होने बाद ही आप बच्चे को पेशाब और पॉटी करना सिखाना शुरू कर दें।

बच्चे के लिए क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग बच्चे के लिए उसकी उम्र के हिसाब से पॉटी सीट लाएं। इन्हें बच्चे के कंफर्ट के हिसाब से ही डिजाइन किया जाता है। हालांकि, बच्चे को ये ट्रेनिंग देने के लिए आपको बहुत समय और धैर्य की जरूरत होगी।

कैसे दें पॉटी ट्रेनिंग

आप ध्यान दें कि बच्चा दिन में कितनी बार पेशाब या पॉटी करता है और उसका समय क्या है। क्या पेशाब या पॉटी आने से पहले कोई आवाज करता है या मुंह बनाता है। जब आप इस पैटर्न को समझ जाएंगे, तब आसानी से बच्चे को ट्रेन कर पाएंगे।

साउंड का करें इस्तेमाल

जब बच्चे को पॉटी आती है, तो आप एक आवाज निकालें। बच्चे को सिखाएं कि ये आवाज सुनने पर उसे पॉटी करनी है। कई लोग बच्चे को पेशाब करने के लिए 'स्स्स्स' की आवाज निकालते हैं। जब भी बच्चे को टॉयलेट जाना हो, तो आप ऐसी आवाज निकालें।

थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट ले जाएं

बच्चे को थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट लेकर जाएगा। सुबह उठने के बाद या खाना खाने के बाद बच्चे को टॉयलेट लेकर जाएं। ऐसा करने पर बच्चे को समझ आने लगेगा कि टॉयलेट में आने पर उसे पेशाब या पॉटी करनी है। टॉयलेट में आपको बच्चे से बात भी करनी है। उसे गाना सुनाएं या उसकी पसंद का खिलौना दें। उसकी पसंद की चीज पर ध्यान देने से बच्चा पॉटी ट्रेनिंग की प्रक्रिया को आसानी से समझ पाएगा।

साइन आएंगे काम

जब भी बच्चे को पेशाब या पॉटी आए तो आप कुछ साइन यानि संकेतों का इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चा जल्दी ही इन संकेतों को समझने लग जाएगा और पेशाब या पॉटी आने पर आपको इन संकेतों की मदद से बता देगा।

क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग

जन्म के बाद शुरुआती कुछ महीनों में शिशु दूध पीता है और थोड़ी-थोड़ी देर में पॉटी करता है। लेकिन जब बच्चा थोड़ा बड़ा हो जाता है और खेलने-कूदने लगता है या आपके साथ कहीं बाहर या किसी के घर जाने लगता है, तो उसे पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग देनी बहुत जरूरी होती है। सोचिए, आप अपने बच्चे को किसी रिश्तेदार या दोस्त के घर लेकर गईं हैं और वहां पर बच्चे ने उनके सोफे या पलंग पर ही पेशाब या पॉटी कर दी तो आपको कितनी शर्मिंदगी महसूस होगी। इस तरह की परिस्थितियों से बचने के लिए ही बच्चों को टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाती है। टॉयलेट ट्रेनिंग के बाद बच्चे खुद ही कुछ संकेतों की मदद से आपको बता देंगे कि उन्हें टॉयलेट जाना है।

5 मिनट में तैयार करें नेल सीरम बढ़ जाएगी हाथों की खूबसूरती

बड़ें और मजबूत नाखून हाथों की शान को बढ़ा देते हैं। नाखून लंबे होने पर उंगलिया भी लंबी लगती है और नाजुक दिखती है। साथ ही हाथ खूबसूरत लगते हैं। अक्सर लड़कियां अपने नाखूनों पर लंबे वक्त तक नेल पेंट लगाकर रखती है। इतना ही नहीं नेल आर्ट भी दो या तीन महीने के लिए करवाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं चेहरे की तरह नाखून की केयर करना भी जरूरी है। वरना नाखून भी बेजान हो जाते हैं और वह टूटने लगते हैं। जरूरी यह भी नहीं है कि हमेशा महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर नाखून को सुंदर बनाया जा सकता है। दादी - नानी के नुस्खें आज भी बहुत कारगर है। तो आइए जानते हैं कैसे घर पर नेल सीरम तैयार करें ताकि नाखुनों को भी चेहरे की तरह ग्लो मिले।

सामग्री - 1 छोटा चम्मच एलोवेरा जेल, 2 विटामिन ई कैप्सूल, 1 छोटा चम्मच नारियल तेल

विधि - सभी को एक कटोरी में मिलाएं।

- इसके बाद किसी कंटेनर में भर लें।
- आपका सीरम तैयार है। अब इसे फ्रीज में स्टोर कर सकते हैं।

नेल सीरम लगाने का तरीका

- सबसे पहले अपने नाखून को अ[illegible] से धो कर पोंछ लें।
- इसके बाद एक कच्ची लहसुन की कली लें, छिलकर।
- उसे हल्के हाथों से रगड़े। क्योंकि तेज रगड़ने पर जलन भी हो सकती है।
- 10 मिनट के लिए छोड़ दें।
- इसके बाद तैयार नेल सीरम से मसाज करें।
- 10 मिनट लगा रहने दे और बाद में धो लें।
- फिर देखिए आपके नेल कितने साफ और सुंदर दिखेंगे।

नेल सीरम के फायदे

- नेल सीरम लगाने के बाद नाखूनों की सफाई होती रहेगी।
- नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- वह मजबूत होंगे और सुंदर दिखेंगे।